Rashtria Mukhyadhara
हिन्दी दैनिक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

राष्ट्रवादी चेतना प्रवर्त्तक

https://rashtriyamukhyadhara.com/

mukhyadhara.daily@gmail.com
+91 8873 319 159

PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, गुरुवार
27.8.2026
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 302

PRGI/RNI No. JHAHIN/2014/54374

अभिरक्षक लोक
नियमित परिशिष्ट
पृष्ठ 8

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित: देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

तेलंगाना में छड़ लदे कंटेनर से बस टकराई, 5 की मौत, 20 घायल

एजेंसी, हैदराबाद (तेलंगाना)

सूर्यपेट जिले में बुधवार तड़के लगभग 4:30 बजे एक निजी बस के लोहे की छड़ों से लदे कंटेनर से टकरा जाने से हुए हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और करीब 20 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ। 42 यात्रियों को लेकर निजी बस हैदराबाद से आंध्र प्रदेश के एलुरु जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, बस आगे जा रहे कंटेनर के पिछले हिस्से से टकरा गई। कंटेनर में लोहे की छड़ लदी थीं। टक्कर के बाद बस के भीतर चीख-पुकार मच गई। पुलिस का कहना है कि बस से घायलों और फंसे हुए यात्रियों को बाहर निकालने में एक घंटे से अधिक का समय लगा। घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पतालों में पहुंचाया गया। इस हादसे के कारण हैदराबाद-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी ट्रैफिक जाम लग गया। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने हादसे पर शोक व्यक्त किया और शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदना जताई। उन्होंने मुख्य सचिव को घायलों के इलाज में कोताही न बरतने का आदेश दिया।

भारत कोई धर्मशाला नहीं है, यहां केवल देश के वैध नागरिकों को ही रहने का अधिकार

- **अमित शाह बोले-अवैध घुसपैठिए देश की आंतरिक सुरक्षा, जनसांख्यिकी के लिए खतरा**

एजेंसी, नई दिल्ली

इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति सम्मेलन के समापन सत्र में गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। यहां केवल देश के वैध नागरिकों को ही रहने का अधिकार है। इस सम्मेलन में केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों और राज्यों के पुलिस महानिदेशकों की मौजूदगी में उन्होंने अवैध घुसपैठ पर प्रहार किया। शाह ने सुरक्षा तंत्र को आगाह करते हुए कहा कि अवैध घुसपैठिए देश की आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और जनसांख्यिकी के लिए गंभीर खतरा हैं।

उन्होंने साफ किया कि देश के संसाधनों और सुरक्षा पर पहला हक केवल भारत के नागरिकों का है। सीमा पार से होने वाली अवैध घुसपैठ को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और इससे निपटने के लिए सुरक्षा बलों को सख्त रुख अपनाना होगा। शाह ने इंटेलिजेंस ब्यूरो की नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजी कॉन्फ्रेंस के समापन सत्र में कहा कि यह देश कोई धर्मशाला नहीं है; यहां रहने का अधिकार सिर्फ देश के नागरिकों को है। इस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय एजेंसियों और राज्य पुलिस बलों के प्रमुख शामिल हुए थे। घुसपैठियों से देश की सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और डेमोग्राफी को खतरा बताते हुए गृह मंत्री ने कहा कि पिछले आठ महीनों में, जमीनी सीमा साझा करने वाले सभी राज्यों का दौरा करने के बाद, हमने राज्यों के साथ सीमा सुरक्षा के लिए चार-सूत्रीय रणनीति वाला एक दस्तावेज साझा किया है। हमारा लक्ष्य बहुत कम समय में देश को घुसपैठियों से मुक्त बनाना है। शाह ने कहा कि भारत की सुरक्षा नीति वैश्विक अस्थिरता, ऊर्जा और संसाधनों को लेकर असुरक्षा, सप्लाई-चेन में रुकावट, बढ़ते कट्टरपंथ और साइबर गलत सूचनाओं के जरिए होने वाले युद्ध को ध्यान में रखकर बनाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक मजबूत आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था विकसित भारत के लिए जरूरी है। अगर भारत को हर क्षेत्र में सबसे आगे आना है, तो उसकी आंतरिक सुरक्षा को और मजबूत करना होगा। दो दिन की एनसीसी कॉन्फ्रेंस के दौरान, इंटेलिजेंस एजेंसियों और सुरक्षा बलों ने घुसपैठ, आतंकी समूहों के खिलाफ रियल-टाइम इंटेलिजेंस साझा करने और उनके लॉजिस्टिक्स और फंडिंग नेटवर्क को खत्म करने जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों पर चर्चा की। अमित शाह ने 27 मार्च को लोकसभा में इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स बिल, 2025 पर बहस का जवाब देते हुए भी ऐसी ही बातें कही थीं। उन्होंने कहा था कि जो लोग भारत की समृद्धि में योगदान देने के लिए कानूनी तौर पर आते हैं, उनका स्वागत है, लेकिन अवैध रूप से आने वालों से सख्ती से निपटा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने भी इसी तरह की भाषा का इस्तेमाल किया था, जब 19 मई को जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने गैर-कानूनी गतिविधि के तहत सात साल की सजा काटने के बाद डिपोर्टेशन का सामना कर रहे एक श्रीलंकाई तमिल नागरिक की हिरासत में दखल देने से इनकार कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि क्या भारत को दुनिया भर से आने वाले शरणार्थियों को पनाह देनी चाहिए? हम पहले ही 140 करोड़ की आबादी की चुनौतियों से जूझ रहे हैं। यह कोई धर्मशाला नहीं है कि हम कहीं से भी आने वाले विदेशी नागरिकों की मेहमाननवाजी करते रहें। अधिकारियों से अगले 15 से 20 सालों के रुझानों पर गौर करने को कहते हुए शाह ने कहा कि उन्हें उन समस्याओं की पहचान करनी चाहिए जो पैदा हो सकती हैं और उनसे निपटने की रणनीतियां बनानी चाहिए। उन्होंने राज्य पुलिस बलों को 'नारकोटिक्स कंट्रोल विजन डॉक्यूमेंट 2026-2029 को जमीनी स्तर पर लागू करने और ड्रग-मुक्त भारत बनाने के लिए तीन डिटेक्ट (पता लगाना), डिसरप्ट (बाधा डालना) और डिस्ट्रॉय (नष्ट करना)' पर काम करने का निर्देश भी दिया।

'दिल्ली लक्ष्मी योजना' की पहली 2500 महिलाओं को स्वीकृति पत्र दिए गए

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को 'दिल्ली लक्ष्मी योजना" की पहली 2,500 लाभार्थी महिलाओं स्वीकृति पत्र प्रदान दिए। इसके बैंक खातों में एक सितंबर को दिल्ली लक्ष्मी योजना पैसा आएंगा। लक्ष्मी योजना के तहत अब तक 9,20,590 रजिस्ट्रेशन और 6,63,215 आवेदन फाइनल रूप से जमा किए गए। तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, कपिल मिश्रा, सांसद और विधायक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज दिल्ली लक्ष्मी योजना की ऐतिहासिक शुरुआत हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने नारी सशक्तिकरण का जो संकल्प लिया था, आज वह संकल्प दिल्ली की बहनों के जीवन में नई शक्ति बनकर उतरा है। योजना की पहली 2,500 लाभार्थी बहनों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। उन्होंने कहा कि मेरी बहनों, आपकी खुशी ही हमारी खुशी है, आपका विश्वास ही हमारी ताकत है और आपका आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार आपके सम्मान, स्वावलंबन और उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी निष्ठा से काम करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी योजनाओं का केंद्र महिलाएं है। महिलाओं के कल्याण के लिए लखपति, फ्री साइकिल और पिंक कार्ड जैसे योजनाएं दिल्ली में चल रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कर्ज को चुकाने में ही हमें एक साल लग गए। इसके बाद भी राजधानी के विकास के लिए अन्य योजनाओं का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने अपने वादे को पुरा करते हुए दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए बजट में 5100 करोड़ रुपये करोड़ रुपये रखे हैं।

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि तालकटोरा स्टेडियम में 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने से देश मजबूत होता है। इसी सोच और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित यह पहल महिलाओं को 2,500 प्रति माह की सीधी आर्थिक सहायता देगी, जिससे उनकी गरिमा, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि 'नारी शक्ति' को आधुनिक, समावेशी और सशक्त विकसित दिल्ली की नींव बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है। उपराज्यपाल ने कहा कि महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को वित्त रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा को लेकर कई योजनाएं चल रही है।

भारत-चीन सीमा समाधान पर बातचीत जारी रहेगी: विदेश मंत्रालय

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और चीन अपने दीर्घकालिक हितों को ध्यान में रखकर सीमा विवाद के राजनीतिक समाधान की दिशा में काम जारी रखने पर सहमत हुए हैं। यह सहमति राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी के बीच बीजिंग में हुई भारत-चीन सीमा प्रश्न पर विशेष प्रतिनिधियों की 25वीं वार्ता के दौरान बनी। इस बैठक में दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बनाए रखने के महत्व पर विशेष जोर दिया। वार्ता के दौरान, डोभाल और वांग यी ने चीन-भारत सीमा मुद्दे और समग्र द्विपक्षीय संबंधों पर व्यापक, गहन और स्पष्ट चर्चा की। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों विशेष प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमतियों को लागू करने में हुई प्रगति की भी समीक्षा की। दोनों पक्षों ने लोगों के बीच आपसी संपर्क और सीमा पार आदान-प्रदान के फिर से शुरू होने पर संतोष व्यक्त किया। कैलाश मानसरोवर यात्रा और तीन निर्धारित सीमा व्यापारिक दर्रों के माध्यम से सीमा व्यापार भी उनकी बातचीत में शामिल रहा। बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति जिनपिंग के रणनीतिक मार्गदर्शन में, दोनों विशेष प्रतिनिधियों ने रचनात्मक और दूरदर्शी भावना के साथ भारत-चीन सीमा प्रश्न पर गहन विचार-विमर्श किया और अपने समग्र तथा दीर्घकालिक हितों के संदर्भ में सीमा प्रश्न का राजनीतिक समाधान खोजने के लिए अपना काम जारी रखने पर सहमति व्यक्त की। भारतीय एनएसए डोभाल अपने दो दिवसीय बीजिंग दौरे पर थे, जहां उन्होंने वांग यी के निमंत्रण पर चर्चा की और चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग से भी मुलाकात की।

रक्षाबंधन पर देश में सबसे पहली राखी बाबा महाकाल को बंधेगी, सवा लाख लड्डुओं का लगेगा महाभोग

एजेंसी, उज्जैन

देशभर में रक्षाबंधन का पर्व आगामी 28 अगस्त को मनाया जाएगा। इस अवसर पर परम्परा के अनुसार देश में सबसे पहले मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल को राखी अर्पित की जाएगी। इस अवसर पर बाबा महाकाल को सवा लाख लड्डुओं का भोग लगाया जाएगा। रक्षाबंधन के लिए महाकालेश्वर मंदिर में खास तैयारियां की गई हैं। मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बुधवार को बताया कि श्रावण शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि पर रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जाएगा। देश में हिन्दू धर्म से जुड़े सभी त्योहार सबसे पहले महाकाल मंदिर में मनाए जाते हैं। श्रावण पूर्णिमा पर श्री महाकालेश्वर मंदिर में पुजारी परिवार की ओर से भगवान महाकाल को राखी बांधने की परंपरा है। इसके साथ ही रक्षाबंधन के दिन भस्म आरती में बाबा महाकाल को बाबा को बेसन और शुद्ध घी से तैयार सवा लाख लड्डुओं का महाभोग अर्पित किया जाएगा। इसके बाद दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को लड्डू प्रसाद वितरित किया जाएगा।

पाकिस्तान: अस्पताल में लगी आग से 15 नवजात शिशुओं की मौत, सिर्फ 1 को बचाया जा सका

एजेंसी, इस्लामाबाद

राजधानी इस्लामाबाद के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पिम्स) के प्रसूति एवं स्त्री रोग वार्ड में बुधवार सुबह करीब 6:45 बजे आग लगने से 15 नवजात शिशुओं की मौत हो गई। पिम्स के अधिकारियों के अनुसार, घटना के समय वार्ड में 16 नवजात शिशु थे, इनमें से सिर्फ एक को बचाया जा सका। अस्पताल के एक एयर-कंडीशनर कंप्रेसर फटने से यह आग लगी।

द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, जिला प्रशासन ने पुष्टि की कि वार्ड की तीसरी मंजिल पर लगी आग में 14 बच्चे पूरी तरह जल गए। सूचना मिलते ही बचाव दल मौके पर पहुंच गए। बचाव अभियान में छह फायर ब्रिगेड गाड़ियों और चार एंबुलेंस ने हिस्सा लिया। हादसे की जांच के लिए अतिरिक्त उपायुक्त अध्यक्षता में समिति बनाई गई है। समिति आग लगने का कारणों का पता लगाएगी। अधिकारियों के अनुसार, घटना के बाद वार्ड को सील कर दिया गया। माता-पिता ने आरोप लगाया कि आग लगने के समय इनक्यूबेशन सेंटर में स्टाफ मौजूद नहीं था। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हादसे की जांच कराने और जिम्मेदार पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह शोकाकुल माता-पिता के दुख में शामिल हैं। जिला प्रशासन ने कहा है कि जांच समिति में इस्लामाबाद इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी और पिम्स के अधिकारियों को भी शामिल किया गया है। समिति 24 घंटे के अंदर अपनी रिपोर्ट देगी। बचाव टीम के सूत्रों ने अस्पताल में फायर सेफ्टी के इंतजाम को बेहद नाकाफी बताया। सूत्रों के अनुसार, आग लगने की जगह पर पानी नहीं था, जबकि फायर होज से कपलिंग गायब थीं। आपात स्थिति में निकलने के रास्ते बंद थे। जब यह घटना हुई तो इनक्यूबेशन सेंटर में कोई डॉक्टर, वार्ड बॉय या दूसरा स्टाफ मौजूद नहीं था।

लद्दाख में 22 हजार फीट ऊंचाई से स्वदेशी मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट सिस्टम का परीक्षण

एजेंसी, नई दिल्ली

डीआरडीओ ने लद्दाख में दुनिया के सबसे ज्यादा ऊंचाई वाले ड्रॉप जोन में से एक पर अपने मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट सिस्टम का सफल टेस्ट किया। ये ट्रायल दक्षिण-पूर्वी लद्दाख के न्योमा-मुध ड्रॉप जोन में किए गए, जहां तापमान माइनस 15 डिग्री सेल्सियस तक था। तीन टेस्ट जम्पर्स ने 22 हजार फीट की ऊंचाई से छलांग लगाई और 13,700 फीट की ऊंचाई पर सुरक्षित रूप से उतरे। इस स्वदेशी प्रणाली से भारतीय सशस्त्र बलों को 25 हजार फीट से अधिक ऊंचाई पर तैनात करने की क्षमता मिलेगी, जिससे विदेशी निर्भरता कम होगी। रक्षा मंत्रालय के अनुसार स्वदेशी मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट सिस्टम (एमसीपीएस) अत्याधुनिक पैराशूट प्रणाली है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की प्रयोगशालाओं आगरा स्थित एयर डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (एडीआरडीई) और बेंगलुरु स्थित बीईएमएल ने संयुक्त रूप से विकसित किया है। यह भारतीय सशस्त्र बलों के उपयोग में आने वाली एकमात्र ऐसी पैराशूट प्रणाली है, जो 25 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई से संचालन करने में सक्षम है। इसे 32 हजार फीट तक की ऊंचाई से सफलतापूर्वक परखा जा चुका है। अब देश ने दक्षिण-पूर्वी लद्दाख में मिलिट्री कॉम्बैट पैराशूट सिस्टम का परीक्षण करके अत्यधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सैन्य अभियानों के लिए स्वदेशी तकनीक के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस परीक्षण को एडीआरडीई के टेस्ट जंपर्स विंग कमांडर राहुल झा, चीफ टेस्ट जंपर आरजे सिंह और एमडब्ल्यूओ विवेक तिवारी ने अंजाम दिया। सभी जंपर्स ने एमसीपीएस के साथ इसके विभिन्न उप-तंत्रों का भी इस्तेमाल किया। चुनौतीपूर्ण न्योमा-मुध ड्रॉप जोन में माइनस 15 डिग्री सेल्सियस तापमान और 22 हजार फीट की ऊंचाई से इसका सफल परीक्षण किया गया।

सरसंघचालक डॉ. भागवत पहुंचे न्यूयॉर्क, मैडिसन स्क्वायर पर करेंगे सभा को संबोधित

एजेंसी, न्यूयॉर्क (अमेरिका)

राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत मंगलवार को अपनी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में यहां पहुंचे। न्यूयॉर्क के जॉन एफ. कैनेडी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भारतीय समुदाय ने डॉ. भागवत का स्वागत किया। संघ प्रमुख की यह यात्रा आरएसएस के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क कार्यक्रम का हिस्सा है। संघ प्रमुख भागवत के कार्यक्रम की मेजबानी अहेड फोरम (अमेरिकन हिंदूज फार एंगेजमेंट एंड डायलाग फोरम) कर रहा है। अहेड फोरम ने एक्स पर कहा, "इस कार्यक्रम का संदेश शाश्वत और सार्वभौमिक है कि दुनिया एक परिवार है। यह हमें बनावटी विभाजनों और मतभेदों से ऊपर उठने, मानवता को जोड़ने वाले बंधनों को पहचानने और आपसी सम्मान, सद्भाव व एकता की भावना को अपनाने का आह्वान करता है।" अमेरिका के प्रमुख शहर न्यूयॉर्क में प्रवास के दौरान सरसंघचालक 'यूनिवर्सल वननेस' (सार्वभौमिक एकता) कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और शनिवार को मशहूर मैडिसन स्क्वायर गार्डन में लगभग 5000 लोगों की सभा को संबोधित करेंगे। संघ प्रमुख डॉ. भागवत संघ के शताब्दी वर्ष के वैश्विक संपर्क कार्यक्रम के तहत अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन की यात्रा कर रहे हैं। अमेरिका उनके प्रवास का प्रथम पड़ाव है। डॉ. मोहन भागवत इससे पहले सितंबर 2018 में अमेरिका आए थे। उन्होंने तब शिकागो में 7 से 9 सितंबर तक आयोजित दूसरे वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस में हिस्सा लिया था। इस कार्यक्रम में 60 देशों से करीब 2,500 प्रतिनिधि शामिल हुए थे। भागवत ने कांग्रेस के उद्घाटन सत्र में मुख्य भाषण दिया था। इस बीच, न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान ममदानी ने मंगलवार को कहा कि वह मैडिसन स्क्वायर गार्डन में होने वाले इस कार्यक्रम का समर्थन नहीं करते। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें नहीं पता कि शहर के पास किसी निजी कार्यक्रम को रद करने का अधिकार है या नहीं।

कैलाश मानसरोवर और गोसाईंकुंड जा रहे 250 से अधिक तीर्थयात्रियों का संपर्क टूटा

अधिकांश भारतीय होने का अनुमान

एजेंसी, काठमांडू

बाढ़ के कारण कैलाश मानसरोवर और गोसाईंकुंड की यात्रा पर निकले 250 से अधिक तीर्थयात्री संपर्कविहीन हो गए हैं। इनमें अधिकांश भारतीय पर्यटक होने की जानकारी मिली है।

पर्यटन विभाग के पर्यटक पुलिस के डीएसपी विश्वराज अधिकारी ने बताया कि इनमें से अधिकांश तीर्थयात्री कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर गए हुए हैं और अभी तक उनसे संपर्क स्थापित नहीं हो सका है। उन्होंने बताया कि इस मौसम में अधिकांश भारतीय श्रद्धालु मानसरोवर की यात्रा पर रहते हैं। डीएसपी अधिकारी के अनुसार, फिलहाल यह भी स्पष्ट नहीं हो सका है कि बाढ़ प्रभावित मार्गों पर कुल कितने तीर्थयात्री मौजूद थे। उन्होंने कहा कि संबंधित निकायों के साथ मिलकर यात्रियों का विवरण और आंकड़े जुटाने का काम जारी है। उन्होंने बताया कि प्रशासन इस समय यात्रियों की स्थिति का पता लगाने के साथ-साथ राहत और बचाव अभियान की तैयारी एवं समन्वय में जुटा हुआ है।

बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में संपर्क व्यवस्था बाधित होने के कारण तीर्थयात्रियों की वास्तविक स्थिति का पता लगाने में कठिनाई हो रही है। इसी बीच काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास लगातार नेपाल सरकार से संपर्क कर भारतीय श्रद्धालुओं के बारे में और अधिक जानकारी जुटाने में लगा है। नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव स्वयं नेपाल के गृहमंत्री सुदन गुरुंग और विदेश मंत्री शिशिर खनाल से सीधे संवाद में हैं और भारतीय पर्यटकों के सुरक्षित वापसी की हर संभावना पर बातचीत कर रहे हैं।

खेड़ा को झूठ के लिए मिली राज्यसभा सीट जिसके वो हकदार नहीं थे: किरेन रिजिजू

एजेंसी, नई दिल्ली । केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को आरोप लगाया है कि असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी पर झूठे आरोप लगाने के चलते कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को राज्यसभा सीट दी गई। उन्होंने कहा कि आरोप का तो असर उल्टा हुआ लेकिन खेड़ा राज्यसभा पहुंच गए जबकि वे इसके हकदार नहीं थे। सोशल मीडिया पर वाद-विवाद के बीच केन्द्रीय मंत्री रिजिजू ने यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा, "दो वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने मुझे बताया कि राहुल गांधी ने पवन खेड़ा को असम चुनाव के अंतिम समय में हिमंत बिस्वा और रिनिकी जी (हेमंत की पत्नी) के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए कहा था। जब ये झूठ उल्टा पड़ गया तो खेड़ा को राज्यसभा की सीट इनाम के तौर पर दे दी गई, जिसके वो हकदार नहीं थे!" कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और किरेन रिजिजू के बीच सोशल मीडिया पर वाद-विवाद रविवार से चल रहा है। रिजिजू ने अरुणाचल में नदी में तैरने का एक वीडियो डाला जिसके बाद पवन खेड़ा ने उनपर टिप्पणी की और फिर विवाद बढ़ गया।

जेपीएससी-जेएसएससी आंदोलन: अमीषा प्रसाद ने पुलिस कार्रवाई पर उठाए सवाल, सीबीआई जांच की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

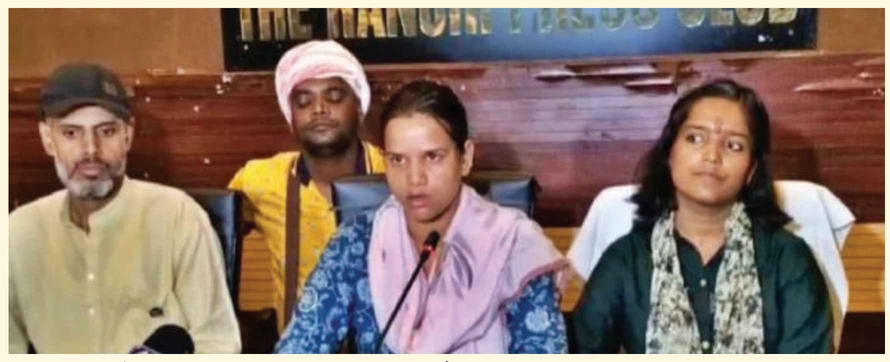

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी)की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ चल रहे छात्र आंदोलन के बीच आंदोलनकारी अमीषा प्रसाद ने पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने बुधवार को रांची प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता कर आंदोलनकारियों के खिलाफ दर्ज मामलों को लेकर कई आरोप लगाए। अमीषा ने आरोप लगाया कि झूठे मुकदमों के जरिए छात्रों और युवाओं की आवाज दबाने की कोशिश की जा रही है। अमीषा प्रसाद ने आंदोलनकारी छात्रों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने वाले शहबाज आलम पर भी निशाना साधा। उन्होंने उन्हें आमने-सामने बातचीत यानी टेबल टॉक की खुली चुनौती दी। अमीषा ने कहा कि यदि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप सही हैं तो संबंधित पक्ष सामने आकर उन आरोपों के प्रमाण पेश करे। आमने-सामने बातचीत से यह स्पष्ट हो सकता है कि लगाए गए आरोपों में कितनी सच्चाई है। दरअसल, शहबाज आलम की ओर से अमीषा प्रसाद के खिलाफ दंगा फैलाने और मारपीट जैसे आरोपों में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। हालांकि, अमीषा का दावा है कि आंदोलन के दौरान छात्रों ने किसी भी तरह के प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं किया। अमीषा प्रसाद ने पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि उन्हें बिना किसी पूर्व नोटिस या वारंट के घर से हिरासत में लिया गया और करीब छह से सात घंटे तक रखा गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सदर थाना प्रभारी की ओर से उन्हें पुराने मामलों में फंसाने का प्रयास किया गया। अमीषा के मुताबिक, मीडिया के सामने भी उनके संबंध में गलत जानकारी दी गई। प्रेस वार्ता में जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच ने आरोप लगाया कि करीब 14 पुरुष छात्रों, जिनमें रविंद्र और कुणाल सर समेत अन्य लोग शामिल हैं, के खिलाफ छेड़खानी जैसे गंभीर आरोपों में कथित रूप से झूठी प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। प्रेस वार्ता में मंच से जुड़ी छात्राओं ने इन आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि कानून का कथित तौर पर गलत इस्तेमाल कर निर्दोष छात्रों को फंसाने की कोशिश की जा रही है। उनका कहना है कि इस तरह की कार्रवाई से छात्रों का भविष्य प्रभावित हो सकता है। जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म्स मंच की कोर सदस्य प्रतिमा कुमारी ने प्रशासन पर दोहरे रवैये का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि एक पुतला दहन कार्यक्रम के दौरान छात्रों के समर्थन में पहुंची महिलाओं के साथ मारपीट और बदसलूकी की गई। प्रतिमा के अनुसार, इस मामले में शिकायत दर्ज कराने के लिए वह लगातार दो दिनों तक थाने के चक्कर लगाती रहीं, लेकिन पुलिस ने उनकी प्राथमिकी दर्ज नहीं की। मंच ने यह भी आरोप लगाया कि राज्य के अलग-अलग जिलों में पुलिस की मौजूदगी में छात्रों पर बल प्रयोग किया गया। प्रेस वार्ता में मंच ने जेपीएससी-जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच सीआईडी के बजाय सीबीआई से कराने की मांग दोहराई। इसके साथ ही आंदोलनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज कथित फर्जी मुकदमे वापस लेने और जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा को यूपीएससी के माध्यम से कराने की मांग भी रखी गई। अमीषा प्रसाद ने मुख्यमंत्री से अधिकारियों के माध्यम से आंदोलन की जानकारी लेने के बजाय सीधे छात्रों से बातचीत करने की अपील की। उन्होंने कहा कि छात्रों की बात सुनी जानी चाहिए और उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। मंच ने चेतावनी दी कि यदि छात्रों के खिलाफ मुकदमे दर्ज कर आंदोलन को दबाने की कोशिश जारी रही और उनकी मांगों पर ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

पांच दिन में विधायक जयराम महतो की गिरफ्तारी नहीं हुई तो राज्यभर में आंदोलन करेगा झारखंड पुलिस एसोसिएशन

रांची। धनबाद के बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार के साथ कथित फोन पर गाली-गलौज और धमकी देने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने डुमरी विधायक जयराम महतो समेत अन्य आरोपितों के खिलाफ दर्ज मामले में शीघ्र कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि पांच दिनों के भीतर गिरफ्तारी नहीं हुई तो राज्यभर के पुलिस पदाधिकारी और पुलिसकर्मी आंदोलन करेंगे। झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने सरकार और पुलिस प्रशासन से मामले में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। संगठन की धनबाद शाखा ने घटना के विरोध में पुलिसकर्मियों द्वारा काला बिल्ला लगाकर ड्यूटी करने और ड्यूटी पर नहीं लौटने के निर्णय के लिए केंद्रीय संगठन से अनुमति मांगी है। एसोसिएशन के अनुसार, 21 अगस्त की रात बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार को जयराम महतो ने फोन किया और कथित तौर पर धमकी दी कि उनका तबादला कराने के बावजूद राज्य के जिस थाने में वह रहेंगे, वहां उनकी नौकरी बर्बाद कर दी जाएगी। पुलिस एसोसिएशन के मुताबिक, घटना को लेकर बरवाअड्डा थाना में कांड संख्या 146/26, दिनांक 22 अगस्त 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 221, 224, 132, 351(2), 352 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले में विधायक जयराम महतो समेत करीब 10 लोगों को आरोपित बनाया गया है। एसोसिएशन का कहना है कि इस तरह की बयानबाजी से पुलिस पदाधिकारियों और कर्मचारियों के सम्मान एवं गरिमा को ठेस पहुंच रही है। संगठन ने यह भी आरोप लगाया है कि विधायक की ओर से बरवाअड्डा थाना प्रभारी को ऑफ ड्यूटी पीटने की बात कही गई है। पुलिस एसोसिएशन ने ऐसी कथित बयानबाजी से थाना प्रभारी रवि कुमार और अन्य पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। संगठन का कहना है कि इस तरह के बयानों से पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों के जान-माल को नुकसान पहुंचने की आशंका है। एसोसिएशन ने सरकार और पुलिस प्रशासन से मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही स्पष्ट किया है कि पांच दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो राज्यभर के पुलिसकर्मी सामूहिक आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

राज्य सरकार ने झारखंड की युवा पीढ़ी के साथ किया धोखा : देवेन्द्रनाथ

रांची। जेपीएससी-जेएसएससी अभ्यर्थी न्याय मंच के नेतृत्व में भर्ती व्यवस्था में सुधार और छात्रों के हित में चल रही भर्ती सुधार यात्रा बुधवार को तीसरे दिन चतरा और कोडरमा होते हुए गिरिडीह पहुंची। इस अवसर पर यात्रा का नेतृत्व कर रहे छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य सरकार ने झारखंड की युवा पीढ़ी के साथ धोखा किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया और राज्य के मानव संसाधन को उचित सम्मान नहीं दिया। देवेंद्र महतो ने कहा कि छात्रों के भविष्य की गारंटी और पारदर्शी भर्ती व्यवस्था सुनिश्चित होने तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि भर्ती सुधार यात्रा के माध्यम से पूरे झारखंड में युवाओं और अभ्यर्थियों को संगठित किया जाएगा। यात्रा की शुरुआत रामगढ़ के नेमरा से हुई है। गुरुवार को यात्रा देवघर पहुंचेगी। मौके पर मनोज यादव, आकांक्षा कुमारी, कृष्णा यादव, मेघनाथ महतो, चंदन कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र और अभिभावक मौजूद थे।

राष्ट्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार प्रदेश कार्यालय पहुंचे प्रदीप वर्मा, भव्य स्वागत

रांची। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री नियुक्त होने के बाद डॉ. प्रदीप कुमार वर्मा पहली बार प्रदेश कार्यालय पहुंचे। उन्होंने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू और संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह सहित कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि यह जिम्मेदारी संगठन के प्रति उनकी निष्ठा और कार्यक्षमता का सम्मान है, इससे पार्टी को और मजबूती मिलेगी। संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने भी उनके अनुभव से पार्टी को नई ऊर्जा मिलने की बात कही। प्रदीप वर्मा ने कहा कि यह दायित्व सम्मान के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है, जहां मेहनत से कार्यकर्ता ऊंचे पद तक पहुंचता है। यह झारखंड के कार्यकर्ताओं का सम्मान है। उन्होंने PM मोदी, अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन सहित नेतृत्व का आभार जताया और संगठन विस्तार पर काम करने की बात कही।

22 नवंबर को होगा पहला नेशनल आदिवासी ओलंपियाड

रांची : आदिवासी बच्चों के लिए पहली बार नेशनल आदिवासी ओलंपियाड का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता 22 नवंबर को होगी, जिसमें 15 राज्यों के आदिवासी बच्चे शामिल होंगे। आयोजन आदिवासी प्रतिनिधियों की ओर से गठित टीम द्वारा किया जाएगा। इसके लिए सितंबर से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू होने की बात कही गई है। प्रतियोगिता में कक्षा छह से 10वीं तक के विद्यार्थियों को शामिल किया जाएगा और करीब 50 हजार विद्यार्थियों के भाग लेने का लक्ष्य रखा गया है। ओलंपियाड का उद्देश्य आदिवासी बच्चों को अपनी संस्कृति, परंपरा, वीर योद्धाओं, खेल, ज्ञान-विज्ञान, आदिवासियत और पारंपरिक खेती के तरीकों सहित आदिवासी जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों की जानकारी देना है। प्रतियोगिता में इन्हीं विषयों से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रतिभागियों को रजिस्ट्रेशन के लिए 300 रुपये शुल्क देना होगा। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार दिए जाएंगे, जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को एक लाख रुपये देने की घोषणा की गई है। ओलंपियाड का आयोजन देश के विभिन्न राज्यों में किया जाएगा। विद्यार्थियों को उनके निवास वाले राज्य और जिले में परीक्षा केंद्र उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें झारखंड, बिहार, असम, राजस्थान, मध्य प्रदेश और ओडिशा सहित 15 राज्यों के विद्यार्थी शामिल होंगे। प्रतियोगिता की तैयारी के लिए प्रतिभागियों को एक पुस्तक उपलब्ध कराई जाएगी। इसी पुस्तक में शामिल विषयों से परीक्षा में 100 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षा हिंदी और अंग्रेजी दोनों माध्यमों में आयोजित की जाएगी।

SIR-2026 में अनियमितताओं का आरोप, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को लिखा पत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (SIR) के तहत दावा-आपत्ति अवधि में हो रही अनियमितताओं को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी-सह-सचिव, निर्वाचन विभाग को पत्र लिखा गया है। पत्र में कहा गया है कि संथाल परगना प्रमंडल में नियम विरुद्ध कार्य हो रहे हैं।

पत्र में उठाए गए प्रमुख बिंदुः 15 सितंबर 2026 तक फॉर्म-6,7,8 भरने की अवधि है। जिनका नाम प्रारूप सूची में है पर 2003 का आधार नहीं दिया, उन्हें No Mapping सूची में डाला गया है। सुनवाई के बाद स्वीकृत सूची विधानसभा-वार सार्वजनिक की जाए।

राजमहल विधानसभाः बूथ 343, गृह 01 में 2019 में 4 मतदाता थे, 2024 की सूची में 39 हो गए। उम्र में विसंगति - सैयद अली 69 वर्ष, पुत्र गफूर शेख 67 वर्ष। बूथ 187, गृह 137 में 2019 में 12 मतदाता थे, अब 26 हो गए।

बोरियो विधानसभाः मंडरो प्रखंड के लालमाटी गांव में एक भी मुस्लिम घर नहीं, फिर भी दर्जनों मुस्लिम मतदाता सूची में शामिल हैं। कहीं 15 वर्ष के मतदाता को पिता तो उसी को 30 वर्ष में दादा दिखाया गया, पिता-पुत्र की उम्र में 2-3 वर्ष का अंतर।

गोड्डा विधानसभाः बरसंतराय प्रखंड में बूथ 9 और 38 पर 25 अगस्त को बीएलए-1 द्वारा दिए गए फॉर्म-7 को बीएलओ ने लेने से मना कर दिया। बूथ 9 पर बीएलए-2 द्वारा फॉर्म-7 और दल की जानकारी सार्वजनिक करने से बीएलए-2 को दबाव/धमकी का सामना करना पड़ रहा है, जो निर्वाचन आयोग के निर्देशों का उल्लंघन है। पत्र में मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई और पुनरावृत्ति रोकने के लिए पदाधिकारियों को निर्देश देने की मांग की गई है।

एमएमडीआर संशोधन बिल झारखंड के खनिज अधिकार और राजस्व पर हमला : कमलेश

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास के एमएमडीआर संशोधन बिल के समर्थन में दिए गए बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा पर राज्य के संवैधानिक और वित्तीय अधिकार को कमजोर करने वाले कानून को राज्यहित में बताना जनता को गुमराह करने की कोशिश है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बुधवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि रघुवर दास को पहले यह बताना चाहिए कि उनके शासनकाल में झारखंड की खनिज संपदा से राज्य और जनता को कितना वास्तविक लाभ मिला। साथ ही, यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि खनन प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति में अपेक्षित बदलाव क्यों नहीं आया। उन्होंने कहा कि भाजपा को यदि झारखंड की खनिज संपदा से वास्तव में इतनी ही चिंता है तो उसे स्पष्ट करना चाहिए कि एमएमडीआर संशोधन के बाद राज्यों के अधिकार, खनिज-युक्त भूमि उपकर और खनिज राजस्व की सुरक्षा की ठोस गारंटी क्या है। केवल यह कहना कि 90 प्रतिशत भुगतान राज्यों को मिलता है, वास्तविक सवाल का जवाब नहीं है। असली सवाल यह है कि केंद्र सरकार कानून बनाकर राज्यों के राजस्व अधिकार और नीति-निर्धारण की क्षमता को सीमित क्यों करना चाहती है। केशव महतो कमलेश ने रघुवर दास के पारदर्शी लीगल माइनिंग के दावे पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि झारखंड की खनिज संपदा न तो भाजपा की निजी संपत्ति है और न ही केंद्र सरकार की। यह झारखंड की जनता, आदिवासियों और मूलवासियों की प्राकृतिक संपदा है। इसके दोहन से प्राप्त राजस्व का इस्तेमाल राज्य के विकास और आम लोगों के कल्याण में होना चाहिए। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि खनिज संपदा से मिलने वाले राजस्व को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और खनन प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्वास पर खर्च किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि झारखंड के प्राकृतिक संसाधनों का दोहन ऐसा हो, जिससे उसका वास्तविक लाभ राज्य और यहां की जनता को मिले, न कि उनके अधिकार और राजस्व हित कमजोर हों।

JPSC और JSSC में पदस्थापन नीति की होगी समीक्षा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (JSSC) में पदाधिकारियों और कर्मचारियों के पदस्थापन की नीति में बदलाव की तैयारी शुरू हो गई है। राज्य सरकार ने मौजूदा नियमों की समीक्षा के लिए विकास आयुक्त की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की है। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। समिति में विकास आयुक्त के अलावा कार्मिक सचिव और वित्त सचिव को सदस्य बनाया गया है। समिति JPSC और JSSC की स्वायत्तता को बनाए रखते हुए दोनों आयोगों में पदस्थापित पदाधिकारियों और कर्मचारियों की नियुक्ति तथा उनकी सेवा शर्तों से जुड़े मौजूदा प्रावधानों की समीक्षा करेगी। सरकार के अनुसार, समिति समीक्षा के बाद आवश्यक बदलावों को लेकर अपनी अनुशंसा देगी। इसके आधार पर दोनों आयोगों में पदस्थापन और सेवा शर्तों से संबंधित नीति में संशोधन किया जा सकता है।

ईद मिलाद-उन-नबी पर रांची में धूमधाम से निकला जुलूस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची। ईद मिलाद-उन-नबी पर बुधवार को धूमधाम से रांची में जुलूस निकाला गया। एदार ए शरीया झारखंड की देखरेख में, सुन्नी बरेलवी सेंट्रल कमेटी की ओर से और उलेमा के नेतृत्व में जुलूस निकाला गया। हिंदपीढ़ी, नाला रोड, खेत मोहल्ला, गोवाला टोली, गोदरी कुरैशी मोहल्ला, आजाद बस्ती, थड़पकना, मोरहाबादी, कांटा टोली, मौलाना आजाद कॉलोनी, गौस नगर, इलाही बख्श कॉलोनी, नेवरी सीरत नगर, बरियातू, भिट्ठा, कांके, बारूह, आजाद हिंद नगर, डोरंडा, रहमत कॉलोनी, मनी टोला, गौस नगर, दर्जी मोहल्ला, फिरदौस नगर सहित अन्य जगहों से जुलूस अपने-अपने तय रास्ते से होते हुए सुबह 11 बजे कर्बला चौक पहुंचे, जहां से मौलाना मुहम्मद कुतुबुद्दीन रिजवी, मौलाना डॉ ताजुद्दीन रिजवी, मौलाना मसूद फरीदी, कारी अयूब रिजवी, मुफ्ती आकिब जावेद, अकीलुर रहमान, मो इसलाम, मो आफताब, परवेज ने संयुक्त रूप से जुलूस का नेतृत्व किया।

जुलूस विक्रांत चौक, टैक्सी स्टैंड, डेली मार्केट, उर्दू लाइब्रेरी, अंजुमन इस्लामिया होते हुए एकरा मस्जिद के पास रतन टॉकीज में सभा स्थल में तब्दील हो गया, जहां पर सभा जलसा को सम्बोधित करते हुवे एदार ए शरीया झारखंड के नाजिमे आला ने कहा कि मिलादे मुस्तफा मनाना और यौमे विलादत हजरत मुहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि और सल्लम का जन्म दिवस ईद मीला दुन्नबी के मौके से बड़ी धूमधाम से जुलूसे मुहम्मदी निकालना बरकत का ज़रिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया के लोगों के लिए अल्लाह तआला की तरफ़ से सबसे बड़ी बरकत व नेमत यह है कि अल्लाह ने हजरत मुहम्मद मुस्तफा को इस दुनिया में भेजा। जिसके बारे में रब ने कहा कि नेमत और फजल के मिलने पर जश्न मनाओ, आज हमें पैगंबर की शिक्षाओं पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। सभा को संबोधित करते हुए मौलाना डॉ ताजुद्दीन ने कहा कि पैगंबर के आगमन के दिन को बड़े सम्मान के साथ मनाना सभी सहाबा की सुन्नत है और पैगंबर ने खुद अपनी मीलाद मनाई थी। हर साल खुब धुम धाम से जश्ने ईद मीलादुन्नबी मनाना इसलाम और मानवता का हिस्सा है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने कहा कि हजरत मुहम्मद सबके लिए हैं। हमें उनका आदर और सम्मान करना चाहिए। शमशेर आलम वाइस चेयरमैन अल्पसंख्यक आयोग ने कहा कि पैगंबर का जन्मदिन धूमधाम से मनाया जाना चाहिए। सेक्रेटरी अकील रहमान, मुहम्मद इस्लाम, महबूब हुसैन रिजवी, मेहताब आलम, परवेज अख्तर, जमील गद्दी, भारतीय एकता कमेटी के युवाओं और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी जुलूस में व्यवस्था बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई। जय सिंह यादव, सागर कुमार, मौलाना तहजीब-उल-हसन रिजवी और अन्य प्रमुख हस्तियों ने भी भाग लिया।

सभा की समाप्ति के बाद जुलुस रतन टॉकीज मेन रोड, जीईएल चर्च, रोसपा टावर, सुजाता चौक, ओवर ब्रिज,राजेंद्र चौक, पुराना झारखंड उच्च न्यायालय होते हुए रिसालदार उर्स मैदान पहुंचा, जहां अंतिम सभा जलसा में बदल गया।

जुलूस के दौरान रांची जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। अतिरिक्त पुलिस बल और दंडाधिकारी की तैनाती की गई थी।

बरवाअड्डा विवाद पर आमने-सामने पुलिस और विधायक

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : बरवाअड्डा थाना विवाद अब पुलिस और डुमरी विधायक जयराम कुमार महतो के बीच विवाद से आगे बढ़कर राजनीतिक मुद्दा बन गया है। झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने विधायक से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है, जबकि जयराम महतो ने कहा है कि उन्होंने कोई अपराध नहीं किया है, इसलिए माफी मांगने का सवाल नहीं उठता। विधायक ने पूरे मामले की जानकारी विधानसभा अध्यक्ष को पत्र के माध्यम से दी है। वहीं, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने भी मामले में कई सवाल उठाते हुए जयराम महतो का समर्थन किया है। विधानसभा अध्यक्ष को भेजे पत्र में जयराम महतो ने कहा है कि वह सदन के निर्वाचित सदस्य हैं और विधायकों की गरिमा तथा अधिकारों की रक्षा करना विधानसभा अध्यक्ष का संवैधानिक दायित्व है। उन्होंने कहा कि वह खुद को कानून से ऊपर नहीं मानते। यदि उनके खिलाफ गंभीर अपराध के पर्याप्त साक्ष्य हैं तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पर्याप्त तथ्य और जांच के बिना किसी विधायक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करना उचित है। जयराम महतो के अनुसार, 21 अगस्त को उन्हें जानकारी मिली थी कि गणेश दास नामक व्यक्ति के साथ पुलिस हिरासत में मारपीट की गई है। इसी सूचना के आधार पर वह बरवाअड्डा थाना पहुंचे और थाना प्रभारी से मामले के संबंध में जानकारी मांगी। उनका कहना है कि उन्होंने न तो किसी आरोपी को छोड़ने के लिए कहा और न ही पुलिस की कानूनी कार्रवाई रोकने का दबाव बनाया। उनके मुताबिक, बाद में शिकायतकर्ता पक्ष के लोग भी थाना पहुंचे और उनके खिलाफ नारेबाजी करने लगे। स्थिति तनावपूर्ण होने पर वह वहां से निकल गए, लेकिन इसके बावजूद उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर दी गई। विधायक ने पत्र में कहा है कि घटना थाना परिसर में हुई, जहां सीसीटीवी कैमरे और पुलिस अधिकारी मौजूद थे। ऐसे में उपलब्ध साक्ष्यों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ पहले भी कुछ मामलों में पर्याप्त जांच के बिना कार्रवाई की गई। जयराम महतो ने कहा कि वह किसी विशेष कानूनी छूट की मांग नहीं कर रहे हैं, बल्कि अन्य जनप्रतिनिधियों की तरह उनके मामले में भी समान और निष्पक्ष कानूनी प्रक्रिया चाहते हैं। दूसरी ओर, झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने बरवाअड्डा थाना प्रभारी के समर्थन में मोर्चा खोल दिया है। एसोसिएशन का आरोप है कि 21 अगस्त की रात जयराम महतो ने वाट्सऐप कॉल के जरिए थाना प्रभारी से कथित रूप से गाली-गलौज, अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल और धमकी दी। इसके बाद विधायक और उनके समर्थकों के थाना पहुंचने तथा थाना प्रभारी के कार्यालय में कथित रूप से अभद्र व्यवहार करने का भी आरोप लगाया गया है। एसोसिएशन ने घटना की निंदा करते हुए विधायक से माफी मांगने की मांग की है। माफी नहीं मांगने पर काला बिल्ला लगाकर विरोध और आगे महासंघ के निर्देश के अनुसार आंदोलन की चेतावनी दी गई है। एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री से मुलाकात का समय भी मांगा है। इस बीच नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया के माध्यम से मामले में पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और पुलिस के बीच भाषा, शिष्टाचार और मर्यादा बनी रहनी चाहिए, लेकिन यह जिम्मेदारी केवल जनप्रतिनिधियों की नहीं हो सकती। उन्होंने पुलिस के कथित अभद्र व्यवहार और बातचीत रिकॉर्ड कर उसे वायरल किए जाने पर भी सवाल उठाया। उनका कहना है कि यदि आम लोगों के साथ पुलिस की ओर से अभद्र भाषा का इस्तेमाल होता है तो ऐसे मामलों में भी समान रूप से कार्रवाई होनी चाहिए। बरवाअड्डा थाना विवाद के बाद अब मामला राजनीतिक और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर चर्चा में है। एक ओर पुलिस एसोसिएशन अपने अधिकारी के सम्मान और सुरक्षा को लेकर मुखर है, वहीं जयराम महतो ने निष्पक्ष जांच और समान कानूनी प्रक्रिया की मांग की है। अब मामले में पुलिस जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे होने वाली कार्रवाई महत्वपूर्ण होगी।

संक्षिप्त समाचार

लैब टेक्नीशियन पर मारपीट का आरोप, परिजनों ने की तोड़फोड़

बोकारो : सेक्टर-4 स्थित डॉ. विकास लैब में बुधवार को जांच में देरी को लेकर विवाद हो गया। मरीज के परिजन ने लैब टेक्नीशियन पर गाली-गलौज करने और पत्थर से हमला करने का आरोप लगाया। इसके बाद विवाद बढ़ने पर मरीज के परिजनों ने लैब में तोड़फोड़ कर दी। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। परिजन राखोहरी मांझी के अनुसार, वह मरीज कोको देवी को अस्पताल से जांच कराने के लिए लैब लेकर पहुंचे थे। जांच में देरी होने पर उन्होंने लैब टेक्नीशियन से इसका कारण पूछा। टेक्नीशियन ने बिजली आपूर्ति बाधित होने की बात कही। इसके बाद राखोहरी मांझी ने मामले की शिकायत डॉक्टर से की। आरोप है कि इसी बात को लेकर टेक्नीशियन ने उनके साथ गाली-गलौज की और पत्थर से हमला कर दिया। घटना के बाद दोनों पक्षों के बीच विवाद बढ़ गया और मौके पर तनाव की स्थिति बन गई। इसी दौरान मरीज के परिजनों ने लैब में तोड़फोड़ शुरू कर दी। लैब प्रबंधन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दोनों पक्षों ने थाने में अलग-अलग आवेदन देकर एक-दूसरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का अनुरोध किया है। पुलिस मामले में दोनों पक्षों के आरोपों की जांच कर रही है।

तेनुघाट डैम में फंसी नाबालिग युवती को सुरक्षित निकाला

बोकारो : पारिवारिक विवाद से आहत एक नाबालिग युवती आत्महत्या के इरादे से तेनुघाट डैम पहुंच गई और पानी में उतर गई। तेज बहाव का सामना करने के बाद उसने अपना इरादा बदल दिया और पानी के बीच एक चट्टान पर चढ़कर बैठ गई। करीब 6000 क्यूसेक प्रति सेकंड के तेज बहाव के बीच युवती के फंसे होने की सूचना से डैम परिसर में अफरा-तफरी मच गई। डैम पर मौजूद लोगों की नजर युवती पर पड़ी तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस और तेनुघाट बांध प्रमंडल के अधिकारियों को दी। उस समय डैम के पांच रेडियल और एक अंडर स्लुइस गेट खुले होने के कारण नदी में पानी का तेज बहाव था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अधिकारियों ने तत्काल सभी छह गेट बंद कराए, जिससे पानी का बहाव कम हो सका। इसके बाद पुलिस, प्रशासन और स्थानीय लोगों की मदद से रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। काफी मशक्कत के बाद युवती को चट्टान से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। युवती फिलहाल सुरक्षित है। पुलिस उससे पूछताछ कर घटना के कारणों की जानकारी जुटा रही है और उसके परिजनों से संपर्क किया जा रहा है।

राखी बनाओ प्रतियोगिता आयोजित, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्राएं पुरस्कृत

तुपकाडीह (बोकारो) : जरीडीह प्रखंड अंतर्गत तांतरी दक्षिणी पंचायत स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर तुपकाडीह के प्रांगण में बुधवार को राखी बनाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 10 तक की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के अंत में प्रत्येक कक्षा से प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली बहनों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में शिक्षिका वीणा देवी, सुमित्रा कुमारी, उषा कुमारी, काजल सिन्हा, खुशबू कुमारी और रूपाली जी का सराहनीय योगदान रहा। विद्यालय के प्रधानाचार्य मंटू कुमार गिरि ने प्रतियोगिता में शामिल सभी छात्राओं के कलात्मक प्रयास की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी।

बोकारो में अकीदत के साथ धूमधाम से मनी ईद मिलादुन्नबी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : मुस्लिम धर्मावलंबियों के प्रमुखतम त्योहार ईद मिलादुन्नबी की बुधवार को बोकारो, चास सहित आसपास के इलाके में धूम रही। इस्लाम के अंतिम पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो वाले वसल्लम के जन्मदिन यानी पैदाइश के मौके पर मनाए जाने वाले इस त्योहार में अकीदतमंदों का उत्साह चरम पर देखा गया। जगह-जगह जुलूस-ए-मोहम्मदिया निकाले गए। मौसम की बेरुखी के बावजूद बच्चे, बूढ़े, जवान सभी जुलूस में इस्लामी झंडे के साथ शामिल हुए। कोई छाता लेकर शामिल हुआ, तो कोई भीगकर। इस दौरान आसपास का पूरा इलाका सरकार की आमद मरहबा, दिलदार की आमद मरहबा... जैसे नारों से गूंजता रहा। बोकारो-चास के मुस्लिम बहुल इलाके उकरीद, सिवनडीह, डुमरो, हैसाबातु, आजाद नगर, मखदुमपुर, इस्लामपुर, सिजुआ, झोपरो, बीलीडीह, भर्रा, अंसारी मोहल्ला, चास, सुल्तान नगर, उत्तरी क्षेत्र कर्मागोड़ा, पिपराटांड़, महेशपुर, अगरडीह, बास्तेजी, रजा नगर, पचौरा, इस्लामडीह, मोहनडीह, जाला, घटियारी, सोनाबाद आदि प्रमुख जगह में जश्ने ईद मिलादुन्नबी का त्यौहार हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया गया।

लोग जश्ने ईद मिलादुन्नबी के आगमन पर रात भर विभिन्न मस्जिदों में कुरान मजीद की तिलावत, दरूद खानी, फातिहा खानी, सलातो सलाम, नात खानी के कार्यक्रम में शरीक हुए। उसके बाद एक-दूसरे को गले लगाकर लोगों ने ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी। आमद-ए-रसूल के अवसर पर भव्य जुलूसे मोहम्मदिया निकाला गया। जुलूस से मोहम्मदिया सिवनडीह से चलकर उकरीद मजार शरीफ होते हुए नया मोड़ तक गया फिर उसके बाद जुलूस उकरीद मजार शरीफ पहुंचा, जहां यह जलसे में तब्दील हो गया।

वहीं, बोकारो उत्तरी क्षेत्र का जुलूस सेक्टर नौ हटिया मोड़ से निकलकर नयामोड़ होते हुए मजार पर पहुंचा। जलसे में बोकारो के प्रमुख ओलामा, मुफ्ती नात खा, कारी एवं हाफिज मौलाना मुकरीरो ने पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहो वाले वसल्लम के बताए हुए रास्ते पर चलने की लोगों से हिदायत दी। अकीदतमंदों ने देश की तरक्की के लिए दुआ मांगीं। मस्जिदों में नमाज अदा कर मुहम्मद साहब के याद में हुए मिलाद शरीफ जश्ने ईद मिलाद-उन-नबी के मैके पर सोमवार को जूरी मस्जिद, रजा मस्जिद व जामा मस्जिद के धर्म गुरुओं ने मुहल्ले के लोगों के साथ फजर के नमाज के बाद मुहम्मद साहब के याद में मिलाद शरीफ हुआ। इसके बाद धर्म गुरुओं और मुहल्ला कमेटी के लोगों ने अपने मुल्क हिन्दुस्तान और झारखण्ड के अमन शन्ति और खुशहाली के लिए अमन चैन की दुआ मांगी। जुलूस के दौरान पुलिस प्रशासन चुस्त-दुरुस्त रहा।

बोकारो थर्मल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद मिलादुन्नबी

बोकारो थर्मलः पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के यौम-ए-पैदाइश (जन्मदिन) के अवसर पर बोकारो थर्मल में ईद मिलादुन्नबी का त्योहार अत्यंत हर्षोल्लास और आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोगों ने विभिन्न धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मिलादुन्नबी को लेकर सुबह से ही पूरे क्षेत्र में खासा उत्साह रहा। नया बस्ती, नूरी नगर और राजा बाजार से गाजे-बाजे के साथ भव्य जुलूस निकाला गया। इस अवसर पर लोगों ने पैगंबर साहब के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने समाज में शांति, प्रेम और भाईचारे का संदेश देते हुए देश व क्षेत्र की खुशहाली और तरक्की के लिए विशेष दुआएं मांगीं। आयोजन के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बोकारो थर्मल थाना प्रभारी पिंकू कुमार यादव पुलिस बल के साथ पूरी तरह मुस्तैद रहे। प्रशासनिक सतर्कता के कारण पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। मौके पर महबूब आलम, अख्तर अंसारी, मंजूर आलम, अनवर आलम, रिजवान अहमद, कलीमुद्दीन, अलीमुद्दीन, मो. शाहजहां, सैफी, तमन्ना और आलीम सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद थे।

श्रमिक समस्याओं के समाधान को लेकर डीवीसी चेयरमैन से मिला कर्मचारी संघ

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मलः डीवीसी के कोलकाता स्थित मुख्यालय में बुधवार को डीवीसी कर्मचारी संघ के प्रतिनिधिमंडल की चेयरमैन राजेश पांडेय (भाप्रसे) के साथ उच्चस्तरीय औपचारिक बैठक संपन्न हुई। वार्ता के दौरान डीवीसी की विभिन्न परियोजनाओं में कार्यरत कर्मचारियों व मजदूरों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। चेयरमैन ने संघ द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए त्वरित समाधान का ठोस आश्वासन दिया।

बैठक में संघ की ओर से कई प्रमुख मांगें रखी गईं। इनमें एनपीएस कर्मचारियों को ओपीएस के दायरे में लाने, इंसेंटिव योजना में ग्रुप 'ए' तथा ग्रुप 'बी', 'सी' और 'डी' के बीच की विसंगतियों को दूर करने, नई प्रमोशन पॉलिसी में आंशिक सुधार करने और इइल एनकैशमेंट की सीमा को 20 दिनों से बढ़ाकर 60 दिन करने की मांग शामिल थी। इसके अलावा, जियो फेंसिंग प्रणाली में आ रही व्यावहारिक परेशानियों को देखते हुए प्रत्येक परियोजना में फेस बायोमैट्रिक प्रणाली लगाने का आश्वासन दिया गया। सेवानिवृत्ति के पश्चात आवास का किराया एक वर्ष तक सामान्य दर पर रखने और ईएल एनकैशमेंट में छूट देने की बात भी रखी गई।

▪ फेस बायोमैट्रिक प्रणाली से हर परियोजना में बनेगी हाजिरी : राजेश

सम्पूर्ण वार्ता सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। बैठक में कर्मचारी संघ की ओर से महामंत्री अरिंदम बनर्जी, कार्यकारी अध्यक्ष सदन कुमार सिंह (बोकारो थर्मल), केंद्रीय कोषाध्यक्ष उमेश कुमार शर्मा, वरुण कुमार दत्ता (कोलकाता), सहदेव सिंह (चंद्रपुरा) तथा संयुक्त महासचिव तपन दास मुख्य रूप से उपस्थित थे।

ओडिशा के ऐतिहासिक और वैज्ञानिक केंद्रों के साक्षी बने कसमार के विद्यार्थी

'पीएम श्री' स्कूल के बच्चों का अंतर्राज्यीय शैक्षणिक भ्रमण संपन्न

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : पीएमश्री एस एस प्लस 2 उच्च विद्यालय कसमार के विद्यार्थियों के लिए शिक्षा और रोमांच से भरा अंतर्राज्यीय शैक्षणिक भ्रमण यादगार बन गया। सुभद्रा चैरिटेबल ट्रस्ट और झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस पांच दिवसीय यात्रा (21 से 25 अगस्त 2026) के दौरान कसमार के 25 मेधावी छात्र-छात्राओं ने ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर और आसपास के प्रमुख शैक्षणिक, वैज्ञानिक व सांस्कृतिक स्थलों का अवलोकन किया। इस ज्ञानवर्धक यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने ओडिशा के गौरवशाली इतिहास और समृद्ध विज्ञान को करीब से जाना। बच्चों को ऐतिहासिक धरोहर धौलीगिरी स्थित शांति स्तूप, नंदनकानन जैविक उद्यान, भव्य कोणार्क सूर्य मंदिर और चंद्रभागा समुद्र तट का भ्रमण कराया गया।

विशेष रूप से 'साइंस सिटी' के भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति अद्भुत उत्साह देखने को मिला। वहां छात्रों ने विज्ञान के व्यावहारिक मॉडलों को देखा, समझा और अपनी जिज्ञासा शांत की। इसके अलावा विद्यार्थियों ने फिजियोथेरेपी, बॉटनी और जूलॉजी जैसी आधुनिक प्रयोगशालाओं का भी प्रत्यक्ष अवलोकन किया, जिससे उनका शैक्षणिक दृष्टिकोण और समृद्ध हुआ।

भ्रमण के सुगम और सफल संचालन में सुभद्रा चैरिटेबल ट्रस्ट की जिला समन्वयक शमीना खातून का सराहनीय योगदान रहा। यात्रा के सफल समापन पर विद्यालय के प्राचार्य फारुक अंसारी, नोडल शिक्षक डॉ. अवनीश कुमार झा सहित सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बोकारो के जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन और जिला शिक्षा परियोजना कार्यालय के पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। विद्यालय परिवार ने माना कि ऐसे अंतर्राज्यीय भ्रमण से बच्चों के व्यावहारिक ज्ञान, बौद्धिक विकास और सोच के दायरे में अभूतपूर्व विस्तार होता है।

बोकारो के औद्योगिक विकास को मिलेगी नई रफ्तार, ब्राउनफील्ड विस्तार में काम बढ़ाने पर बनी सहमति

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकरण (जियाडा), बोकारो प्रक्षेत्र के क्षेत्रीय उपनिदेशक मनोज कुमार एवं सहायक विकास पदाधिकारी सन्नी कुमार ने बुधवार को बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन से उनके कार्यालय कक्ष में एक शिष्टाचार व महत्वपूर्ण मुलाकात की। इस उच्चस्तरीय बैठक के दौरान जियाडा से जुड़े स्थानीय उद्यमियों के विभिन्न ज्वलंत विषयों, उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान और बीएसएल की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में स्थानीय उद्योगों के लिए कार्य आवंटन की सीमा बढ़ाने को लेकर अत्यंत सकारात्मक और विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान जियाडा अधिकारियों ने निदेशक प्रभारी के समक्ष 49वीं एवं 50वीं प्लांट लेवल कमेटी (पीएलसी) के निर्णयों के त्वरित अनुपालन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया। इसके साथ ही, जियाडा प्रतिनिधियों ने बोकारो स्टील प्लांट की आगामी ब्राउनफील्ड विस्तार परियोजना तथा पीपीएस वर्क समेत अन्य सहायक कार्यों में स्थानीय जियाडा उद्यमियों को अधिक से अधिक कार्य आवंटित करने की मांग रखी। अधिकारियों ने आगामी सब-पीएलसी एवं पीएलसी बैठकों के शीघ्र आयोजन की भी जरूरत जताई, ताकि लंबित मुद्दों को गति दी जा सके।

डीआई ने दिया काम का अवसर बढ़ाने का आश्वासन- जियाडा अधिकारियों के प्रस्तावों पर अत्यंत सकारात्मक रुख अपनाते हुए बीएसएल निदेशक प्रभारी प्रिय रंजन ने स्पष्ट आश्वासन दिया कि स्टील प्लांट के विस्तार और आधुनिकीकरण की परियोजनाओं में जियाडा उद्यमियों को अधिकतम अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने आगामी सब-पीएलसी आवंटन को ध्यान में रखते हुए हेड, ईडी (एमएम) को तुरंत एजेंडा तैयार करने का कड़ा निर्देश जारी कर दिया। बैठक के दौरान अमृतसर-कोलकाता औद्योगिक गलियारा की अद्यतन प्रगति पर भी विस्तृत विचार-विमर्श हुआ, जिसे क्षेत्र के समग्र औद्योगिक विकास और स्थानीय उद्यमियों के लिए रोजगार व व्यापार के नए द्वार खोलने के दृष्टिकोण से बेहद अहम माना गया।

▪ जियाडा उद्यमियों की समस्याओं को ले बीएसएल निदेशक प्रभारी से मिले क्षेत्रीय उपनिदेशक

तुपकाडीह और मानगो में धूमधाम से निकला ईद मिलादुन्नबी का जुलूस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारोः तुपकाडीह और मानगो क्षेत्र में बुधवार को पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के यौम-ए-पैदाइश (जन्मदिन) के अवसर पर ईद मिलादुन्नबी का त्योहार अत्यंत हर्षोल्लास और आपसी सौहार्द के साथ मनाया गया। इस दौरान मुस्लिम समुदाय के लोगों ने क्षेत्र में शांति और भाईचारे का पैगाम लेकर भव्य जुलूस निकाला। जुलूस में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया और एक-दूसरे को ईद मिलादुन्नबी की मुबारकबाद दी। इस अवसर पर सदर जहांगीर हुसैन ने कहा कि हजरत मोहम्मद साहब का मुख्य संदेश समाज में शांति, आपसी प्रेम और भाईचारे को बढ़ावा देना है। उन्होंने सभी से उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इस धार्मिक आयोजन के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। मौके पर मुख्य रूप से मुखिया गिरिन्द्र मिश्रा, डॉ. लुकमान, मनोज दास, अफसर हुसैन, अनिल दिगार, इकबाल अहमद, अब्दुल्लाह, मुख्तार अंसारी, फुरकान अली और गुलजार बाबा सहित कई लोग उपस्थित थे।

बीएसएल में सजा 'रणनीति' का मंच, माइंड गेम्स के रोमांचक संग्राम में हॉट स्ट्रिप मिल की टीम ने मारी बाजी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : कॉरपोरेट जगत की बिसात, पेचीदा फैसले और वक्त की टिक-टिक के बीच बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) में दो दिनों तक चले बौद्धिक रोमांच का शानदार पटाक्षेप हुआ। मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास केंद्र के सभागार और कॉन्फ्रेंस हॉलों में 24 और 25 अगस्त को 'रणनीति – बिजनेस गेम्स' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अधिकारियों के भीतर छिपे रणनीतिकार को बाहर निकालने के मकसद से आयोजित इस दिमागी मुकाबले में बीएसएल, एसआरयू, माइंस और कोलियरीज की कुल 40 टीमों के धुरंधरों ने दांव-पेच आजमाए। एआईएमए (एआईएमए), नई दिल्ली के एक्सपर्ट्स और बीएसएल के शीर्ष अधिकारियों की मौजूदगी में शुरू हुआ यह मुकाबला पल-पल के साथ और दिलचस्प होता गया।

प्रतियोगिता का पहला दिन बेहद तनावपूर्ण और सांसें थमा देने वाला रहा। 20-20 टीमों के बीच हुए कड़े शुरुआती दौर में अधिकारियों ने अपनी समस्या-समाधान क्षमता का ऐसा प्रदर्शन किया कि मुकाबला टाई-ब्रेकर तक जा पहुंचा। आखिरकार, अपनी अचूक रणनीति के दम पर 16 टीमों ने दूसरे दिन के फाइनल राउंड में जगह बनाई। दूसरे दिन के बेहद जटिल और रोमांचक बिजनेस सिम्युलेशन सेशन के बाद बीएसएल की चार टीमों ने अपनी बादशाहत साबित की।

तमाम चुनौतियों को पछाड़ते हुए हॉट स्ट्रिप मिल (एचएसएम) और सीएमएम-सीटीएस की संयुक्त टीम ने पहला स्थान हासिल कर 'रणनीति' के महाविजेता का खिताब अपने नाम किया। इस विजेता टीम की कमान राहुल रंजन पांडा (वरीय प्रबंधक), राहुल सिंह (उप महाप्रबंधक) और ओवैस अहमद (वरीय प्रबंधक) के हाथों में थी। मुकाबले की अन्य टॉप टीमों का प्रदर्शन भी बेहद शानदार रहा। नगर-सेवा (विद्युत) व मानव संसाधन की तिकड़ी—आशुतोष कुमार, जय किशन साहू और रूपमनी लाल खेर द्वितीय स्थान पर रही। तीसरा स्थान आईएण्डए व मानव संसाधन के कुणाल प्रसाद, गौतम कुमार और राहुल कुमार ने हासिल किया, जबकि वित्त एवं लेखा विभाग के आयुष केडिया, सौरव कुमार अग्रवाल और गीतेश पोद्दार चतुर्थ स्थान पर रहे। समापन समारोह में जब सभी विजेताओं को चमचमाती ट्रॉफियां सौंपी गईं, तो पूरा हॉल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

जटिल व्यावसायिक चुनौतियों को खेल-खेल में सुलझाने की यह पहल महज एक प्रतियोगिता नहीं थी, बल्कि वास्तविक कॉरपोरेट माहौल में त्वरित और सटीक निर्णय लेने की एक 'स्ट्रेस टेस्ट' लैब थी। इस तरह के इनोवेटिव आयोजनों के जरिए बीएसएल ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह अपने संयंत्र के परिचालन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के साथ-साथ अपने अधिकारियों की निर्णय क्षमता को निखारने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बीएसएल में प्रबंध प्रशिक्षुओं सातदिवसीय इंडक्शन शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में बुधवाार को प्रबंध प्रशिक्षुओं (तकनीकी) – बैच-2026 के सात दिवसीय स्थानीय इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन-सह-संवाद सत्र बेहद उत्साहजनक माहौल में आयोजित किया गया। इस नए बैच में कुल 21 प्रतिभाशाली प्रबंध प्रशिक्षु शामिल हुए हैं, जिनमें से 17 प्रशिक्षु बोकारो इस्पात संयंत्र, 3 माइंस तथा 1 एसआरयू में अपनी सेवाएं देकर कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास) ने सभी अतिथियों का औपचारिक स्वागत करते हुए आगामी सात सप्ताह तक चलने वाले गहन प्रशिक्षण सत्रों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के दौरान संयंत्र का शीर्ष नेतृत्व एक साथ मंच पर नजर आया। इस अवसर पर बोकारो इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी के साथ अधिशासी निदेशक (एसआरयू), अधिशासी निदेशक (मानव संसाधन), अधिशासी निदेशक (माइंस), अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन), अधिशासी निदेशक (परियोजनाएं), अधिशासी निदेशक (संकार्य), अधिशासी निदेशक (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) तथा कार्यकारी अधिशासी निदेशक (वित्त एवं लेखा) सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अपने ओजस्वी संबोधन में निदेशक प्रभारी ने नव-नियुक्त युवा अधिकारियों को कार्यस्थल पर सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति सदैव सजग रहने का कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कार्बन फुटप्रिंट घटाने की दिशा में सेल (SAIL) के प्रयासों को रेखांकित करते हुए सतत विकास के प्रति अटूट प्रतिबद्धता जताई।

आधुनिकीकरण और नई तकनीकों से युवाओं को मिलेंगे नए अवसर- संवाद सत्र के दौरान बीएसएल के शीर्ष अधिकारियों ने युवा अभियंताओं के साथ अपने समृद्ध अनुभव साझा करते हुए उन्हें निरंतर ज्ञानार्जन, नवाचार और उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान सेल तथा बोकारो इस्पात संयंत्र में चल रही विशाल आधुनिकीकरण एवं विस्तार परियोजनाओं, आधुनिक तकनीकों के बढ़ते उपयोग और भविष्य की संभावनाओं पर भी विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। यह स्थानीय इंडक्शन प्रशिक्षण कार्यक्रम नए प्रबंध प्रशिक्षुओं को संयंत्र की उन्नत कार्य-संस्कृति, सख्त सुरक्षा मानकों, अत्याधुनिक कार्यप्रणालियों और कंपनी की रणनीतिक प्राथमिकताओं से पूरी तरह परिचित कराने की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी कदम साबित होगा।

▪ सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण सर्वोच्च प्राथमिकता : डीआई प्रिय रंजन

राशन दुकानदार का यूट्यूबर पत्रकार पर 5 हजार मासिक रंगदारी मांगने का आरोप, थाना में शिकायत

राष्ट्रीय मुख्याधारा || बृजराज सिंह

जमशेदपुर। परसुडीह थाना क्षेत्र के हलुदबनी स्थित सिद्ध फान्टू चौक पर जनवितरण प्रणाली की दुकान संचालित करने वाले अमित कुमार सिंह ने यूट्यूबर पत्रकार मनोरंजन सिन्हा पर प्रत्येक माह 5 हजार रुपये कथित रूप से रंगदारी मांगने और रकम नहीं देने पर धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। मामले को लेकर अमित कुमार सिंह ने 26 अगस्त 2026 को परसुडीह थाना प्रभारी को लिखित शिकायत सौंपकर जांच एवं कानूनी कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, जनवितरण प्रणाली की दुकान अमित कुमार सिंह की माता मंजू देवी के नाम से संचालित है। अमित का आरोप है कि जनवरी 2026 से मनोरंजन सिन्हा कथित रूप से लगातार दुकान पर पहुंचकर उनके स्टाफ एवं परिवार के सदस्यों से प्रत्येक

माह 5 हजार रुपये की मांग कर रहे हैं। शिकायतकर्ता का आरोप है कि राशि नहीं देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी जाती है। अमित कुमार सिंह ने यह भी आरोप लगाया है कि कार्डधारियों को उनके खिलाफ शिकायत करने के लिए कथित रूप से उकसाया

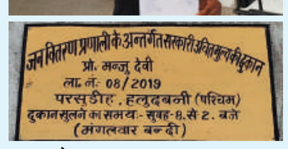

जाता है। शिकायत में 26 अगस्त की सुबह करीब 11:30 बजे दुकान पर पहुंचकर कार्डधारियों को शिकायत के लिए प्रेरित करने तथा विवाद के दौरान उनके बड़े भाई के साथ अभद्र व्यवहार और कॉलर पकड़कर मारपीट की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। अमित कुमार सिंह ने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर प्राथमिकी दर्ज करने एवं आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि लगातार कथित दबाव और धमकियों से उनका परिवार मानसिक रूप से परेशान है। वहीं, अमित कुमार सिंह ने मीडिया से बातचीत में यह भी कहा कि यदि उन्हें इसी तरह प्रताड़ित किया गया तो वे अपने परिवार के साथ आत्महत्या जैसा कदम उठाने के लिए मजबूर हो सकते हैं और इसके लिए उन्होंने मनोरंजन सिन्हा को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर उन्हें बेवजह परेशान किए जाने से बचाने की गुहार लगाई। हालांकि, मनोरंजन सिन्हा की ओर से लगाए गए आरोपों पर इस शिकायत के संदर्भ में उनका पक्ष सामने नहीं आया है। इसलिए लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस जांच और दोनों पक्षों के बयान के बाद ही मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

जमशेदपुर से बृजराज सिंह की रिपोर्ट।

बीएफसीएल वॉलीबॉल टूर्नामेंट का समापन, डीआरआई डिफेंडर्स बनी विजेता

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़। बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड में आयोजित वॉलीबॉल टूर्नामेंट रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बुधवार को फाइनल मुकाबले में डीआरआई डिफेंडर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कमर्शियल स्पाइकर्स को पराजित कर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया।

फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल, जोश और टीम भावना का प्रदर्शन किया। मुकाबला बेहद रोमांचक रहा और खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने उपस्थित दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। अंततः डीआरआई डिफेंडर्स ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए विजेता ट्रॉफी पर कब्जा जमाया।

टूर्नामेंट में कंपनी की विभिन्न विभागीय टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन कर्मचारियों के बीच स्वस्थ

प्रतिस्पर्धा, टीम भावना, आपसी समन्वय और खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था।

टूर्नामेंट के समापन अवसर पर विजेता डीआरआई डिफेंडर्स और उपविजेता कमर्शियल स्पाइकर्स के खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया।

बीएफसीएल प्रबंधन ने सभी प्रतिभागी टीमों और खिलाड़ियों को उनके उत्साहपूर्ण प्रदर्शन के लिए बधाई दी। प्रबंधन ने कहा कि कर्मचारियों के लिए आयोजित ऐसी खेल गतिविधियां उनके शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ आपसी सहयोग, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

संक्षिप्त समाचार

कुजू में आरपीएफ अधिकारियों पर लगाया गया मारपीट व दुर्व्यवहार का आरोप

निष्पक्ष जांच की मांग

कुजू। कुजू निवासी समाजसेवी सह विस्थापित शहीद परिवार के शिवा प्रसाद ने हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन में पदस्थापित आरपीएफ अधिकारियों व जवानों पर युवकों के साथ मारपीट, अभद्र व्यवहार और धमकी देने का आरोप लगाया है। साथ ही मामले की निष्पक्ष जांच व दोषियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने की मांग की गई है। इसको लेकर आरपीएफ आईजी हाजीपुर व सीनियर कमांडेंट आर पी एफ धनबाद समेत अन्य वरीय अधिकारियों को सूचित किया गया है। घटना के भुक्तभोगी आवेदक शिवा प्रसाद ने बताया कि गत 15 अगस्त को कुजू रेलवे स्टेशन के समीप खेत में कुछ युवक शौच के लिए गए थे। इसी दौरान आरपीएफ टीम को देखकर तीन युवक भाग गए। जबकि एक युवक पवन कुमार को पकड़कर आरपीएफ जवानों ने बुरी तरह पीटा गया। साथ ही उसकी बाइक को भी जब्त कर लिया गया। इसकी सूचना मिलने पर वे अपने एक मित्र के साथ कुजू रेलवे के रेस्ट हाउस के पास गए। वहां घटना के बाबत पूछने पर उनके साथ भी दुर्व्यवहार किया गया। साथ ही उनकी बुलेट मोटरसाइकिल को जब्त करते हुए उन्हें और पवन कुमार के साथ भाग गए तीन अन्य युवकों को भी हिरासत में लेकर घटनास्थल ले जाया गया। यहां उनके बुलेट मोटरसाइकिल पर अपने वाहन से केबुल निकलकर फोटोग्राफी किया गया। बाद में उन्हें व सभी चार नाबालिग युवकों को हजारीबाग टाउन रेलवे स्टेशन ले जाया गया। यहां जुर्माना वसूली करने व बर्बाद कर देने की धमकी दी गई। शिवा प्रसाद ने आरपीएफ इंस्पेक्टर बाल गोविंद गंगाधर, सब-इंस्पेक्टर अमित कुमार, सिपाही देवेंद्र भारती, उमाशंकर सिंह, अभय सिंह समेत अन्य जवानों पर अभद्र व्यवहार करने और धमकी देने का आरोप लगाया है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई का आग्रह किया है।

इधर आरपीएफ के अधिकारियों व अन्य लोगों ने ऐसी किसी भी घटना से इंकार करते हुए आरोपों को बेबुनियाद बताया। कहा कि मामला रेलवे के केबुल चोरी से संबंधित है। रेलवे लाइन के पास के जंगल में छानबीन के दौरान तीन युवक आरपीएफ टीम को देखकर भागने लगे थे। जिन्हें पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने मारपीट, अभद्र व्यवहार और धमकी देने के आरोपों से साफ इंकार किया है। साथ शामिल लोग

जमीन हड़पने की नीयत से देवर की गला दबाकर हत्या, मां-बेटा गिरफ्तार

गढवा। जमीन के विवाद में रिश्तों को तार-तार कर देने वाला सनसनीखेज मामला सामने आया है। गढवा जिले के डंडई थाना क्षेत्र के करके गांव स्थित यादव टोला में जमीन हड़पने की नीयत से भतीजे ने अपनी मां के साथ मिलकर सगे चाचा की गला दबाकर हत्या कर दी और शव को मकई के खेत में फेंक दिया। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुये आरोपित भतीजे और उसकी मां को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

बुधवार को एसडीपीओ दिलू लोहार ने पत्रकार वार्ता में इसकी जानकारी दी। एसडीपीओ ने बताया कि 24 अगस्त को पुलिस को मकई के खेत में एक व्यक्ति का शव पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान रजिन्द्र यादव उर्फ बुगी के रूप में की। शव के सिर के पीछे और पैर में चोट के निशान मिले।

पुलिस ने 25 अगस्त को मृतक के 20 वर्षीय भतीजे मुन्नू यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने हत्या की बात स्वीकार की। उसने बताया कि चाचा जमीन का बंटवारा किये बिना उसे बेच रहे थे। चाचा की दो बेटियां होने के कारण जमीन हड़पने की नीयत से उसने हत्या की और मां मिला देवी के सहयोग से शव को खेत में फेंक दिया।

मुन्नू की निशानदेही पर पुलिस ने खेत से मृतक का एचएमडी कंपनी का की-पैड मोबाईल बरामद किया। आरोपित का मोबाइल भी जब्त किया गया। मुन्नू यादव और उसकी मां मिला देवी (41) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

छापेमारी दल में पुलिस निरीक्षक बृज कुमार, डंडई थाना प्रभारी अनिमेष शांतिकारी, श्रीकांत कुमार, नवीन कुमार राणा सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

ईद-ए-मिलादुन्नबी पर तोरपा में निकला जुलूस

खूंटी। पैगंबर हजरत मोहम्मद साहब के यौम-ए-पैदाइश (जन्मदिन) के मुबारक मौके पर बुधवार को तोरपा में ईद-ए-मिलादुन्नबी का जुलूस बेहद अकीदत, एहतराम और हर्षोल्लास के साथ निकाला गया।

यह जुलूस मस्जिद-ए-अक्सा से प्रारंभ होकर मेन रोड होते हुए कुल्डा बस्ती तक गया। इसके बाद जुलूस वापस उसी मार्ग से लौटकर मस्जिद-ए-अक्सा के समीप पहुंचा, जहां दुआ-खैर के साथ इसका शांतिपूर्ण समापन हुआ।

जुलूस में बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबी, बुजुर्ग, युवा और बच्चे हाथों में इस्लामी परचम (झंडे) थामे शामिल हुए। पूरा मार्ग पैगंबर साहब के शांति व भाईचारे के संदेशों और नारों से गुंजायमान रहा।

आयोजन के दौरान मस्जिद-ए-अक्सा के इमाम शेर मोहम्मद, हाफिज एजाज अहमद, कैसर खान, मस्जिद-ए-अक्सा के सदर कलीम खान, शहजाद खान, मन्नू, शाहिद अहमद सहित अन्य मौजूद थे।

तोपा में शौंडिक संघ महिला मोर्चा का सावन महोत्सव सह सम्मान समारोह आयोजित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कुजू। झारखंड प्रदेश शौंडिक संघ जगेसर पलानी परगना महिला मोर्चा केंद्रीय कमेटी ने बुधवार को सामुदायिक भवन तोपा परियोजना में सावन महोत्सव सह सम्मान समारोह का आयोजन किया। इसमें मुख्य अतिथि हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद व विशिष्ट अतिथि बरकट्ठा जिला परिषद सदस्य कुमकुम देवी उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता महिला मोर्चा केंद्रीय अध्यक्ष सह मांडू जिला परिषद सदस्य दयामंती देवी संचालन केंद्रीय महामंत्री बिंदु देवी, केंद्रीय उपाध्यक्ष ज्योतिंद्र प्रसाद साहू व केंद्रीय कोषाध्यक्ष शंकर प्रसाद ने संयुक्त रूप से किया।

अतिथियों ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मौके पर अतिथियों समेत अन्य गणमान्य लोगों का स्वागत बुके, शॉल भेंटकर

व फूलमाला पहनाकर किया गया।

मुख्य अतिथि विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि सावन महोत्सव का आयोजन समाज में आपसी भाईचारा, एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करता है। शौंडिक समाज ने सामाजिक व सांस्कृतिक पहचान के साथ समाजहित में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कहा समाज के विकास हेतु शिक्षा, एकजुटता व युवा पीढ़ी की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने आगामी महोत्सव अपने खर्च से कराने का ऐलान किया।

विशिष्ट अतिथि जिला परिषद सदस्य कुमकुम देवी ने कहा कि सावन महोत्सव के आयोजन से महिलाओं को अपनी प्रतिभा और सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलता है। समाज की महिलाओं की सक्रिय भागीदारी संगठन को और मजबूत बनाती है। वहीं जिप सदस्य सह शौंडिक संघ महिला मोर्चा केंद्रीय अध्यक्ष दयामंती देवी ने कहा कि मोर्चा का उद्देश्य महिलाओं को एकजूट कर संगठन की मुख्यधारा से जोड़ना है। सावन महोत्सव का आयोजन इसका एक सशक्त माध्यम है। इस दौरान जिप सदस्य दयामंती देवी ने सभी महिला ग्राम कमेटी को दरी प्रदान की।

मौके पर केंद्रीय अध्यक्ष अनिल प्रसाद, कार्यकारी अध्यक्ष हरिशंकर प्रसाद, महामंत्री कुलदीप प्रसाद, कोषाध्यक्ष शंकर प्रसाद, सचिव महेंद्र प्रसाद, पूर्व संरक्षक प्रो खिरोधर प्रसाद साहू, उमेश प्रसाद, गुलाब प्रसाद साहू, संजय प्रसाद, रिंकी देवी, सरोज देवी, बैजंती देवी, कनक देवी, प्रभा देवी, किरण देवी, सोभा देवी, रागिनी देवी, छाया देवी, वंदना देवी, सुप्रिया देवी, सुशीला देवी, सावित्री देवी, कमला देवी समेत अन्य कई प्रमुख संघ के पदाधिकारी, सदस्य महिलाएं मौजूद रहीं।

डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल में सावन महोत्सव का भव्य आयोजन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। डैफोडिल्स पब्लिक स्कूल जारा , बुंडू में बुधवार को सावन महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में बच्चों के साथ-साथ विद्यालय में पहुंचीं माताओं एवं बहनों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान विभिन्न मनोरंजक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। बच्चों के लिए राखी सजावट और आरती थाल सजावट प्रतियोगिता आयोजित हुई। वहीं विद्यालय की छात्राओं ने बाहर से आए अतिथि माताओं एवं बहनों के हाथों में मेहंदी लगाकर उनका स्वागत किया। माताओं एवं बहनों के लिए मेहंदी प्रतियोगिता, जीवन एवं मां से संबंधित प्रश्नोत्तरी तथा म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। वेशभूषा सज्जा प्रतियोगिता में प्रीति कपूर ने प्रथम, शांति देवी ने द्वितीय और रिंकू देवी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में गीता देवी विजेता रहीं। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका पूनम शर्मा ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सावन महोत्सव केवल बच्चों का उत्सव नहीं, बल्कि अभिभावकों को भी विद्यालय परिवार से जोड़ने का अवसर है।

डुमरी में सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया ईद मिलादुन्नबी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

डुमरी : डुमरी प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में बुधवार को ईद मिलादुन्नबी का पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने जुलूस-ए-मोहम्मदी निकालकर पैगंबर हजरत मोहम्मद की शिक्षाओं को याद किया और शांति, भाईचारे व सद्भाव का संदेश दिया। धर्मावलंबियों ने कुरान-ए-पाक की तिलावत की और पैगंबर के जीवन व उनके नेक कार्यों की जानकारी बच्चों को दी। डुमरी क्षेत्र में दो प्रमुख जुलूस निकाले गए। एक जुलूस जामताड़ा से शुरू होकर डुमरी चौक और बेरमो चौक होते हुए डुमरी थाना तक पहुंचा। दूसरा जुलूस इसरी बस्ती से निकलकर बस स्टैंड, डुमरी चौक होते हुए रेलवे फाटक इसरी बाजार

तक गया। जुलूस में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। लोगों ने पैगंबर की शिक्षाओं के अनुरूप शांति और सामाजिक सद्भाव बनाए रखने की अपील की। कार्यक्रम में मौलाना सुलेमान कादरी, सरफराज अहमद उर्फ गुड्डू, सादिक अली, सनाउल्लाह अंसारी, समसुद्दीन अंसारी, शमीम अंसारी और हाफिज मंजूर सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसडीएम राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता, एसडीपीओ आबिद खान, सीओ शशि भूषण वर्मा, इंस्पेक्टर राजेन्द्र प्रसाद, निमियाघाट थाना प्रभारी सुमन कुमार और डुमरी थाना प्रभारी श्रीकांत कुमार पुलिस बल के साथ तैनात रहे। प्रमुख उषा देवी और मुखिया जागेश्वर यादव ने भी लोगों को ईद मिलादुन्नबी के महत्व की जानकारी देते हुए सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का संदेश दिया।

सावन महोत्सव में महिलाओं ने बिखेरे सावन के रंग, 'ऋतु रानी' प्रतियोगिता बनी आकर्षण का केंद्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पेटरवार। पूज्य तपस्वी श्री जग जीवन जी महाराज ज्योति सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, पेटरवार में सावन माह के पावन अवसर पर भव्य सावन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण ऋतु रानी (सावन क्वीन) प्रतियोगिता रही। हरे परिधानों, चूड़ियों और सावन गीतों से विद्यालय परिसर पूरी तरह सावनमय नजर आया । प्रतिभागियों ने मेहंदी, आरती थाल सज्जा, पारंपरिक गीत एवं लोकनृत्य सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडली में बुंडू पंचायत की मुखिया निहारिका सुकृति, पंचायत समिति सदस्य रश्मि कुमारी, शालिनी सिंगला एवं संगीता सिन्हा शामिल रहीं। विजेता प्रतिभागियों को मुकुट पहनाकर

आकर्षक उपहारों से सम्मानित किया गया, जबकि उपविजेताओं को भी सम्मानित किया गया। मौके पर विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव कुमार संजय सिन्हा, उपाध्यक्ष रविकांत सिंगला, प्रधानाचार्य रमेश कुमार उपाध्याय एवं सदस्य नेहा साव उपस्थित रहे। कार्यक्रम की मुख्य आयोजक मातृ भारती की कुमारी अर्पणा सिन्हा, बिनीता कुमारी सिन्हा, संध्या देवी, सुप्रिया पारीक, नेहा कुमारी एवं स्वाती कुमारी ने कहा कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत रखना तथा महिलाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करना है। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सामूहिक वंदे मातरम् गायन के साथ हुआ।

राशन वितरण में गड़बड़ी का आरोप, 450 ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चांडिल : सरायकेला-खरसावां जिले के ईचागढ़ विधानसभा क्षेत्र के लेपाटाड़ पंचायत स्थित पाटपुर गांव में राशन वितरण में कथित अनियमितता को लेकर करीब 400 से 450 ग्रामीणों ने जन वितरण प्रणाली के डीलर के खिलाफ प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि उन्हें निर्धारित मात्रा में राशन नहीं दिया जा रहा है और कई लाभुकों को चार से आठ महीने तक का राशन नहीं मिला है। ग्रामीणों ने डीलर को हटाकर नया डीलर नियुक्त करने की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार, जहां लाभुकों को 20 किलो अनाज मिलना चाहिए, वहां कई बार 10 किलो या केवल पांच किलो चावल दिया जाता है। नेटवर्क की समस्या का

हवाला देकर पहले फिंगरप्रिंट लेने और बाद में राशन नहीं देने तथा रसीद फाड़ने का भी आरोप लगाया गया। ग्रामीणों ने दुकान में करीब 25 बोरा चावल और छह बोरा गेहूं मौजूद होने का दावा करते हुए सवाल उठाया कि अनाज उपलब्ध होने के बावजूद लाभुकों को पूरा राशन क्यों नहीं दिया जा रहा है। पाटपुर मध्य विद्यालय परिसर में बैठक के बाद ग्रामीण राशन लेने के लिए झोला और बोरा लेकर डीलर की दुकान पहुंचे और व्यवस्था के खिलाफ नाराजगी जताई। ग्रामीणों ने डीलर पर महिलाओं के साथ कथित रूप से अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया, हालांकि इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले की जानकारी मिलने पर जेएलकेएम के केंद्रीय उपाध्यक्ष और ईचागढ़ के पूर्व प्रत्याशी तरुण महतो मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने उनके सामने अपनी शिकायतें रखीं। ग्रामीणों के अनुसार, इस दौरान डीलर ने अपनी गलती स्वीकार की। प्रदर्शन में जेएलकेएम प्रखंड अध्यक्ष रूपेश बनर्जी, जिला उपाध्यक्ष गुरुपद महतो, केंद्रीय सदस्य फूलचंद महतो, अनूप महतो और राम कृष्णा महतो सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि 10 दिनों के भीतर लंबित राशन का वितरण नहीं होने पर आंदोलन तेज किया जाएगा। उन्होंने 6 नवंबर तक समस्या का समाधान नहीं होने पर राज्यपाल को लिखित शिकायत देने और ईचागढ़ प्रखंड कार्यालय का घेराव करने की बात कही। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच, लंबित राशन का तत्काल वितरण और अनियमितता की पुष्टि होने पर डीलर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

इनर व्हील क्लब ने जरूरतमंदों में बांटी खिचडी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़। इनरव्हील क्लब ऑफ रामगढ़ के तत्वाधान में बुधवार को बिजुलिया स्थित जालाराम मंदिर में जरूरतमंद लोगों के बीच खिचड़ी का वितरण किया गया। सेवा कार्य का उद्देश्य जरूरतमंद और वंचित लोगों को भोजन उपलब्ध कराने के साथ समाज में सेवा और मानवता की भावना को बढ़ावा देना रहा। क्लब की सदस्यों ने स्वयं सेवा कार्य में भाग लेते हुए जरूरतमंद लोगों के बीच खिचड़ी वितरित की। इस दौरान क्लब की अध्यक्ष श्वेता जैन ने कहा कि इनरव्हील क्लब सदैव सामाजिक सेवा और जरूरतमंदों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध है। ऐसे सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा।

कार्यक्रम में अध्यक्ष श्वेता जैन, पिंकी बंसल, विनिता अग्रवाल, जसप्रीत कौर, जस्मित सोनी, मीडिया प्रभारी प्रियंका जैन सहित क्लब की अन्य सदस्य उपस्थित रही।

संक्षिप्त समाचार

बन्ना गुप्ता का केंद्र पर हमला, एमएमडीआर बिल को बताया झारखंड के अधिकारों पर प्रहार

जमशेदपुर, एजेंसी। कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने केंद्र सरकार के एमएमडीआर संशोधन बिल, 2026 का विरोध करते हुए केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि आज भाजपा में कम्पटीशन चल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री देश को डूबाने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस उनके मनसूबे को कभी कामयाब नहीं होने देगी। जमशेदपुर के बिष्टुपुर स्थित कांग्रेस कार्यालय में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता के अलावा जिला कार्यकारी अध्यक्ष अवदेश सिंह, संजय सिंह आजाद के साथ कमेटी के कई सदस्य मौजूद रहे। पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने बताया कि केंद्र सरकार के इस नये कानून से झारखंड पर आर्थिक असर पड़ेगा, जिसका सीधा असर राज्य सरकार द्वारा जनता के लिए संचालित लाभकारी योजनाओं पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि झारखंड के बीजेपी विधायक और सांसद राज्य की स्थिति से अवगत हैं, ऐसे में उनके द्वारा इस अधिनियम का विरोध होना चाहिए था। उन्होंने बताया कि इस पूरे मामले को लेकर पार्टी ने आंदोलन की रुपरेखा तैयार की है। घोषित आंदोलन के तहत कई चरणों में धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित होंगे। दरअसल, 27 अगस्त 2026 को पूर्वी सिंहभूम जिला उपायुक्त कार्यालय में धरना-प्रदर्शन होगा एवं राष्ट्रपति के नाम मांग पत्र उपायुक्त को सौंपा जाएगा। दूसरे चरण में आगामी 7 सितंबर 2026 को रांची में लोकभवन के समक्ष महाधरना कार्यक्रम होगा। तीसरे चरण में 9 सितंबर से 16 सितंबर 2026 तक प्रखंड मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित होगा।

देवेंद्र नाथ महतो की राज्य सरकार को चेतावनी, कहा- निर्दोष छात्रों पर एफआईआर करना बंद करें

हजारीबाग, एजेंसी। भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा की शुरुआत रामगढ़ जिले के नेमार गांव से हो चुकी है। यात्रा अपने अगले पड़ाव के दौरान हजारीबाग पहुंची, जहां छात्रों ने जोरदार स्वागत किया। छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने इस दौरान राज्य सरकार को चेतावनी दी है कि निर्दोष छात्रों पर एफआईआर करना बंद करें, यदि स्रङ्कूकरना है तो देवेंद्र नाथ महतो पर करें। देवेंद्र नाथ महतो ने हजारीबाग की धरती को नमन करते हुए कहा कि यह वीरों की धरती है। लगभग 1 घंटे के कार्यक्रम में भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा से जुड़े छात्र नेताओं ने अपनी बातों को साझा करते हुए बताया कि अब यह लड़ाई निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। छात्रों को अब पीछे हटने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने कई परीक्षा के दौरान 'सीट बेचा' है, जो सरासर गलत है। देवेंद्र नाथ महतो ने आरोप लगाते हुए कहा कि झारखंड में गलत हो रहा है। संवैधानिक आंदोलन को कुचलने का प्रयास सरकार कर रही है। किसी भी तरह के आश्वासन पर छात्र विश्वास नहीं करेंगे, छात्रों को परिणाम चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बार ठोस कदम उठाना है, सिर्फ यात्रा नहीं बल्कि संकल्प है। भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा 2 दिनों में 3 जिलों में छात्रों से संवाद स्थापित करके कोडरमा जिले के लिए निकल चुकी है। इस दौरान गांधी मैदान में छात्रों का उत्साह देखने लायक रहा। इस दौरान देवेंद्र नाथ को छात्र अपने कंधे पर उठाकर विभिन्न रास्तों से होते हुए नीलांबर पीतांबर चौक ले गए। इस दौरान गाड़ी पर झारखंड के आंदोलनकारियों की तस्वीर और पूरी यात्रा के विवरण ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम के दौरान हजारीबाग के छात्रों ने आर्थिक मदद भी पहुंचाई।

पैसे देने से इनकार करने पर काट दी पत्नी की जीभ, आरोपी पति गिरफ्तार

धनबाद, एजेंसी। गोमो के हरिहरपुर थाना क्षेत्र के बरवाडीह में एक बेरहम शख्स ने आपसी विवाद और पैसे देने से इनकार करने पर अपनी पत्नी की जीभ काट दी। पत्नी की हालत गंभीर है और उसका इलाज एसएनएमएमसीएच धनबाद में चल रहा है। मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है मामले की जांच में जुट गई है। घायल महिला की बड़ी बहन आशा देवी के अनुसार, उसकी छोटी बहन मधु की शादी राजेश गोस्वामी से हुई थी। दोनों ने प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद मधु अपने पति के साथ ससुराल में रहती है। उन्होंने बताया कि उसकी छोटी बहन मधु के बैंक खाते में आवास योजना की रकम आई थी और उसका पति उससे पैसे मांग रहा था, लेकिन वह नहीं दे रही थी। आशा देवी के अनुसार, आज फिर उसका पति शराब के नशे में अपने घर पहुंचा था और मांस-मछली लाने के लिए पत्नी से पैसे मांग रहा था। पत्नी ने पैसे देने से इनकार कर दिया तो विवाद बढ़ गया और पति ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि ससुराल के अन्य सदस्यों ने महिला को पकड़ लिया और इसी दौरान पति ने पत्नी की जीभ काट दी। घायल महिला के मायका पक्ष के लोगों ने बताया कि घटना के बाद मधु ने किसी तरह खुद को बचाया और आस-पड़ोस के लोगों के सहयोग से उसे स्हस्स्ष्ट॥ लाया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। परिजनों का यह भी आरोप है कि पति पहले भी पैसे को लेकर मधु देवी के साथ मारपीट करता रहा है। परिवार का कहना है कि घटना के बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई। परिजन मामले में पति के साथ-साथ घटना में शामिल ससुराल पक्ष के सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। वहीं, इस संबंध में हरिहरपुर थाना प्रभारी संतोष महतो ने बताया कि मामला पति-पत्नी के बीच विवाद का है। महिला की जीभ काटे जाने की बात सामने आई है। पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है।अब पुलिस की जांच में यह स्पष्ट होगा कि घटना के दौरान वास्तव में क्या हुआ और इसमें ससुराल के अन्य सदस्यों की क्या भूमिका थी।

जयराम महतो-पुलिस विवाद में बाबूलाल मरांडी की एंट्री, बोले-

मर्यादा सिर्फ जनप्रतिनिधियों के लिए क्यों?

रांची, एजेंसी। जेएलकेएम विधायक जयराम महतो और धनबाद के बरवाअड्डा थाना प्रभारी के बीच फोन पर कथित तौर पर हुई गाली-गलौज और अमर्यादित भाषा के इस्तेमाल का मामला अब राजनीतिक रंग लेता जा रहा है। मामले को लेकर पुलिस एसोसिएशन ने विधायक जयराम महतो के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए उनसे माफी मांगने की मांग की है। वहीं, अब नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने जयराम महतो का पक्ष लेते हुए पुलिस एसोसिएशन को ही कुछ सवालों के जवाब देने की नसीहत दी है।

बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि जनप्रतिनिधियों और पुलिस अधिकारियों के बीच बातचीत में भाषा, शिष्टाचार और मर्यादा का पालन होना चाहिए, लेकिन सवाल यह भी है कि मर्यादा और शिष्टाचार की जिम्मेदारी क्या सिर्फ जनप्रतिनिधियों की है? उन्होंने पुलिस एसोसिएशन से पूछा कि जब आम लोगों के साथ पुलिसकर्मियों की ओर से कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल या गाली-गलौज की शिकायतें सामने आती हैं, तब एसोसिएशन की ओर से ऐसी घटनाओं की निंदा या संबंधित पुलिसकर्मियों को नसीहत देने की पहल कितनी बार हुई है। उनका सवाल है कि अगर किसी आम नागरिक के साथ पुलिस का व्यवहार अमर्यादित हो तो उस पर भी उसी गंभीरता से सवाल क्यों नहीं उठना चाहिए?

बाबूलाल मरांडी ने बातचीत को बिना सहमति रिकॉर्ड कर उसे वायरल किए जाने के पहलू पर भी सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि किसी व्यक्ति की निजी बातचीत को उसकी सहमति के बिना रिकॉर्ड करना और सार्वजनिक करना निजता के अधिकार से जुड़ा गंभीर विषय है। ऐसे में सवाल यह भी उठता है कि कानून और निजता से जुड़े नियम क्या सभी पर समान रूप से लागू होने चाहिए या नहीं?

उन्होंने कुछ महीने पहले बोकारो के चास थाना प्रभारी से जुड़ा कथित गाली-गलौज वाला ऑडियो वायरल होने का भी जिक्र किया। बाबूलाल मरांडी के मुताबिक उस समय सरकार से मामले में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई की मांग की गई थी, लेकिन उनके आरोप के अनुसार कार्रवाई के बजाय संबंधित पुलिस अधिकारियों को संरक्षण मिला।

बीजेपी नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा कि थानों में आम लोगों के साथ कथित दुर्व्यवहार, फोन पर अभद्र भाषा और गाली-गलौज की शिकायतें समय-समय पर सामने आती रही हैं। ऐसे में अगर आज जनप्रतिनिधि और पुलिस के बीच भी विवाद इस स्तर तक पहुंच रहा है, तो इसके पीछे व्यवस्था और पुलिसिंग के तरीके पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है।

दरअसल, पूरा विवाद इस बात पर केंद्रित है कि जनप्रतिनिधि हों या पुलिस अधिकारी, सार्वजनिक जीवन में रहने वाले हर व्यक्ति से भाषा और व्यवहार में मर्यादा की अपेक्षा की जाती है, लेकिन इसी कसौटी पर पुलिसकर्मियों के व्यवहार को भी परखा जाना चाहिए। अगर किसी आम नागरिक द्वारा पुलिसकर्मी के साथ गाली-गलौज को गलत माना जाता है, तो पुलिसकर्मी द्वारा आम नागरिक के साथ अपशब्दों के इस्तेमाल को भी किसी विशेषाधिकार के तहत सही नहीं ठहराया जा सकता।

बाबूलाल मरांडी ने सरकार से भी ऐसे मामलों में केवल निलंबन जैसी विभागीय कार्रवाई तक सीमित नहीं रहने की मांग की है। उनका कहना है कि जहां कानून का उल्लंघन हुआ है, वहां नियमों के मुताबिक प्राथमिकी और सख्त कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए।

विधायक जयराम महतो और थाना प्रभारी के बीच विवाद अब सिर्फ दो व्यक्तियों के बीच कथित हॉट-टॉक का मामला नहीं रह गया है। पुलिस एसोसिएशन की आपत्ति, विधायक से माफी की मांग और बाबूलाल मरांडी के सवालों के बाद यह बहस पुलिस के आचरण, जनप्रतिनिधियों की जवाबदेही और आम जनता के साथ थानों में होने वाले व्यवहार तक पहुंच गई है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद रांची नगर निगम की सख्ती, कोचिंग संस्थानों और अवैध होर्डिंग्स पर कार्रवाई

रांची, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट और झारखंड हाईकोर्ट के आदेशों के आलोक में रांची नगर निगम ने शहर में नियमों का उल्लंघन करने वाले कोचिंग संस्थानों, लाइब्रेरी और अवैध होर्डिंग्स के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। नगर निगम का स्पष्ट कहना है कि विद्यार्थियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और भवन की वैधता, स्वीकृत नक्शा, अनुमोदित उपयोग, ट्रेड लाइसेंस तथा अग्नि सुरक्षा मानकों से किसी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा।

नगर निगम की नगर निवेश शाखा ने पहले चरण में 20 कोचिंग संस्थानों और लाइब्रेरी को नोटिस जारी किया है। नोटिस पाने वाले संस्थानों से भवन और संस्थान से संबंधित आवश्यक दस्तावेज मांगे जाएंगे। इनमें स्वीकृत भवन मानचित्र, भवन के अनुमोदित उपयोग, ट्रेड लाइसेंस, आवश्यक अनुमतियां, फायर एनओसी और अन्य सुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी।

नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि स्वीकृत नक्शे के विपरीत निर्माण अथवा बिना आवश्यक अनुमति के संचालित गतिविधियां नियमों के दायरे में कार्रवाई के योग्य होंगी। स्वीकृत आवासीय भवन का व्यावसायिक उपयोग कर कोचिंग संस्थान या अन्य व्यावसायिक गतिविधि संचालित किए जाने पर भी भवन के स्वीकृत उपयोग और संबंधित नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों वाले कोचिंग संस्थानों और लाइब्रेरी में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था, फायर एग्जिट, वैध फायर एनओसी समेत निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन अनिवार्य किया गया है। जांच में सुरक्षा प्रावधानों की कमी मिलने पर संबंधित संस्था और भवन के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

रांची के झिरी डंपिंग यार्ड में गंदगी, प्रदूषण और बीमारियां बनी लोगों के लिए चुनौती, क्या वाकई बदल रही तस्वीर

रांची, एजेंसी। शहर से करीब 15 किलोमीटर दूर झिरी। एक तरफ 33 एकड़ में फैला कचरे का विशाल पहाड़ और दूसरी तरफ उसी कचरे के बीच जिंदगी जीने को मजबूर बस्तियां। पिछले करीब 25 वर्षों से रांची शहर का कचरा यहां पहुंचता रहा है। करीब 2।40 लाख घरों से निकलने वाले कचरे ने इस जगह को एक बड़े लैंडफिल में बदल दिया। निगम के आंकड़ों में यहां जमा पुराने कचरे की मात्रा 18 से 22 लाख टन के बीच बताई गई है।

लेकिन झिरी की कहानी सिर्फ कचरे के पहाड़ की नहीं है। इस पहाड़ के ठीक आसपास ऐसे परिवार रहते हैं, जिनके लिए यह कचरा रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। बदबू, मच्छर, मक्खियां और प्रदूषण के बीच बच्चों की पढ़ाई से लेकर परिवार की नींद तक प्रभावित होने की शिकायतें सामने आती हैं।

झिरी की बस्ती में रहने वाले लोगों के लिए कचरे का पहाड़ सिर्फ कुछ मीटर दूर मौजूद कचरा नहीं है। यह उनके रोजमर्रा के जीवन का हिस्सा बन चुका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गर्मी हो या बारिश, दुर्गंध की समस्या बनी रहती है। बारिश के दिनों में जब कचरे का पहाड़ भीगता है, तो बदबू और तेज हो जाती है। आसपास मक्खी और मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ जाता है।

कई परिवारों का कहना है कि रात में सोते समय तो मच्छरदानी लगानी ही पड़ती है, दिन में भी बच्चों को पढ़ाने के दौरान मच्छरों से बचाने के लिए मच्छरदानी का सहारा लेना पड़ता है। एक घर का नजारा इस समस्या की गंभीरता बताता है बच्चा किताब लेकर बैठा है, लेकिन खुले कमरे में नहीं। वह मच्छरदानी के भीतर बैठकर पढ़ाई कर रहा है। यह तस्वीर सिर्फ मच्छरों की समस्या नहीं दिखाती, बल्कि यह बताती है कि डंपिंग यार्ड का असर घर की सामान्य जिंदगी तक पहुंच चुका है। बस्ती के लोगों के मुताबिक, शाम होते ही मच्छरों की संख्या बढ़ जाती है। ऐसे में बच्चों के लिए पढ़ाई करना मुश्किल हो जाता है। कई परिवारों को बच्चों को मच्छरदानी के अंदर बैठाकर पढ़ाना पड़ता है। स्थानीय अभिभावकों का कहना है कि बच्चों को बार-बार मच्छर काटने और मौसम बदलने के दौरान स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कई परिवार बच्चों के बीमार पड़ने की शिकायत भी करते हैं। स्थानीय लोगों की चिंता यह है कि कचरे के इतने बड़े ढेर के आसपास रहना उनके बच्चों के स्वास्थ्य और भविष्य के लिए कितना सुरक्षित है?

यही सवाल झिरी की इस कहानी को सिर्फ वेस्ट मैनेजमेंट की खबर नहीं रहने देता। यह सवाल बन जाता है, क्या विकास और कचरा प्रबंधन की कीमत आसपास रहने वाले परिवारों को अपनी सेहत और सामान्य जीवन से चुकानी पड़ रही है ?

स्थानीय लोगों के मुताबिक, डंपिंग यार्ड के आसपास कई किलोमीटर के इलाके में मच्छरों की समस्या गंभीर है। घरों में दरवाजों और खिड़कियों पर मच्छरदानी लगाने के साथ-साथ रात में सोने के लिए भी मच्छरदानी का इस्तेमाल करना पड़ता है।

बाल मजदूरी और नाबालिग से मारपीट के आरोप में पुलिस दंपती पर कार्रवाई, महिला थाना प्रभारी और एसआई सस्पेंड

चतरा, एजेंसी। नाबालिग बच्ची को कथित तौर पर अवैध तरीके से सरकारी आवास में रखकर उससे बाल मजदूरी कराने और मारपीट करने के गंभीर आरोपों में चतरा एसपी अनिमेष नैथानी ने बड़ी कार्रवाई की है।

जिला एसपी ने महिला थाना प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक फिरदौस नाज तथा सदर थाना में पदस्थापित उनके पति पुलिस अवर निरीक्षक टीपू अंसारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

बाल कल्याण समिति की शिकायत और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सन्नी वर्धन की रिपोर्ट के आधार पर कि गई कार्रवाई के तहत दोनों आरोपी दारोगा दंपती को निलंबन अवधि में पुलिस लाइन में योगदान देने का निर्देश दिया गया है। साथ ही पूरे मामले में विभागीय कार्रवाई शुरू करने के भी आदेश दिये गए हैं।

एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने इस कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि महिला थाना प्रभारी फिरदौस नाज और उनके पति टीपू अंसारी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करने के लिए बाल कल्याण समिति से पत्र प्राप्त हो चुका है। सदर थाना प्रभारी को मामला दर्ज कर दोषियों के विरुद्ध विधि-सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि कानून सबके लिए बराबर है और गलत करने वाले को कानून के तहत दंडित किया जाएगा।

वहीं चतरा एसपी अनिमेष नैथानी ने कहा कि नाबालिग बच्ची से बाल मजदूरी कराना और उसके साथ बेरहमी से मारपीट करना किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कानून गरीबों और जरूरतमंदों की सुरक्षा के लिए है और कानून की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि विगत रविवार को गुप्त सूचना के आधार पर सीडब्ल्यूडी की विशेष टीम ने सदस्य सह बेंच ऑफ मजिस्ट्रेट प्रियंका अधिकारी के नेतृत्व में सदर थाना परिसर स्थित दारोगा दंपती के संयुक्त सरकारी आवास में छापेमारी की थी। इस दौरान टीम ने वहां से एक नाबालिग बच्ची को रेस्क्यू किया, जिसके चेहरे पर चोट के निशान पाए गए थे।

आरोप है कि बच्ची ने सीडब्ल्यूडी टीम के समक्ष महिला थाना प्रभारी और उनके एसआई पति पर घरेलू काम कराने और नियमित रूप से मारपीट व प्रताड़ित करने का आरोप लगाई है। इसके बाद बच्ची को सीसीआई में भेज दिया गया। सीडब्ल्यूडी ने बच्ची का मेडिकल परीक्षण भी कराया है था बेंच ऑफ मजिस्ट्रेट के समक्ष उसका बयान भी दर्ज करा दिया गया है।

शिक्षा के लिए संघर्ष कर रहे बच्चों का हाथ थामेगा प्रशासन! पलामू में स्कूलों का शुरू हुआ स्पेशल सर्वे

पलामू, एजेंसी। झारखंड के पलामू जिले के सरकारी स्कूलों का स्पेशल सर्वे शुरू हुआ है। पलामू में मैट्रिक इंटर के रिजल्ट को बेहतर करने और पढ़ाई के लिए संघर्ष कर रहे बच्चों की मदद के लिए योजना तैयार की गई है। स्पेशल सर्वे में सरकारी स्कूलों के आधारभूत संरचना, छात्र और शिक्षकों के अनुपात, स्कूलों में मौजूद स्पेशल टीचर, छात्रों की पढ़ाई की गुणवत्ता का आकलन किया जा रहा है। पलामू राज्य का पहला ऐसा जिला है, जहां शिक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए यह पहल की जा रही है।

पलामू में सीएम एक्सीलेंस स्कूल, कस्तूरबा गांधी आवासीय स्कूल और हाई स्कूल को मजबूत किया जा रहा है। दरअसल, पलामू में 2,641 सरकारी स्कूल है। पहले चरण के सर्वे में 530 स्कूलों को शामिल किया गया है। 2026 के मैट्रिक के रिजल्ट में पलामू को राज्य में आठवां स्थान मिला था। जिला प्रशासन का टारगेट है कि 2027 में पलामू मैट्रिक की परीक्षा में राज्य भर में टॉप पर रहे। कमजोर बच्चों के लिए स्पेशल कोचिंग की भी तैयारी की जा रही है। पलामू के 26 सरकारी स्कूलों को पीएमश्री स्कूल में रखा गया है।

पलामू जिला प्रशासन रिजल्ट को बेहतर करने और शिक्षा में व्यवस्था में सुधार करने के लिए ग्रामीण और नक्सल इलाकों के लिए चरणबद्ध तरीके से योजना तैयार किया है। ग्रामीण और नक्सल इलाकों में पढ़ाई करने वाले बच्चों का स्पेशल सर्वे किया जा रहा है। वैसे बच्चे जो पढ़ाई के लिए संघर्ष कर रहे हैं और बेहतर करना चाहते हैं, उन्हें जिला प्रशासन मदद करेगी। बच्चों की मदद के लिए उच्च स्तरीय कोचिंग की व्यवस्था किया जाना है। शिक्षा विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, पलामू के सरकारी स्कूलों में 4।15 लाख के करीब बच्चे पढ़ाई करते हैं। वैसे स्कूल जहां छात्रों के अनुपात में शिक्षक कम हैं, वहां शिक्षकों की संख्या बढ़ाई जाएगी, जबकि मैट्रिक और इंटर के छात्रों के लिए विशेषज्ञ शिक्षकों की भी तैनाती की जाएगी।

तीन दिन बदला रहेगा मौसम, आज कई इलाकों में भारी बारिश और तेज हवा का अलर्ट

रांची, एजेंसी। झारखंड में मानसून एक बार फिर सक्रिय है। राज्य में अगले तीन दिनों तक बादल छाए रहने के साथ कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और मेघ गर्जन की संभावना है। इस दौरान कुछ जिलों में भारी बारिश के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। राज्य में आज से 28 अगस्त के बीच मौसम का असर अलग-अलग इलाकों में देखने को मिलेगा। आज यानी 26 अगस्त को झारखंड के अधिकांश हिस्सों में आसमान में बादल छाए रहने की संभावना है। राज्य के कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ सकती हैं। मौसम केंद्र, रांची के मुताबिक दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों के कुछ इलाकों में भारी बारिश का असर देखने को मिल सकता है।

सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इसके अलावा गुमला और खूंटी में भी कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। बारिश के दौरान गरज-चमक और तेज हवा को लेकर भी लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

27 अगस्त को भी झारखंड में बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ मेघ गर्जन हो सकता है। हालांकि इस दिन भारी बारिश का असर मुख्य रूप से राज्य के मध्य, उत्तर-पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी हिस्सों में देखने को मिल सकता है। मौसम केंद्र के पूर्वानुमान के मुताबिक रामगढ़, हजारीबाग, कोडरमा, बोकारो और धनबाद में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। वहीं चतरा और गिरिडीह के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान गरज-चमक के साथ 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है।

28 अगस्त को भी राज्य के कई हिस्सों में बादल छाए रहेंगे और हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रह सकता है। इस दिन भारी

बारिश का असर मुख्य रूप से दक्षिणी झारखंड में रहने का अनुमान है। सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम के कुछ इलाकों में भारी बारिश की संभावना है। इसके साथ ही गुमला में भी कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। राज्य के अन्य हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश और मेघ गर्जन की स्थिति बन सकती है।

पिछले 24 घंटे में वर्षापात की स्थिति पिछले 24 घंटे में सबसे ज्यादा बारिश हजारीबाग में 43।4 मिलीमीटर और पंचेत डीवीसी, धनबाद में 40।8 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड हुई। राज्य के उत्तरी और मध्य हिस्सों में बारिश का असर ज्यादा रहा। इसके अलावा जमशेदपुर, डाल्टनगंज , चाईबासा, बोकारो और रांची में 7 से 2 मिलीमीटर के बीच बारिश हुई।

तापमान की बात करें तो राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान बहरागोड़ा में 35 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान लातेहार में 21।8 डिग्री रहा। रांची का अधिकतम तापमान 28।6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 1।4 डिग्री कम है। हालांकि यहां न्यूनतम तापमान 23 डिग्री रहा, जो सामान्य से 0।6 डिग्री अधिक है। जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 31।6 डिग्री रहा, जो सामान्य से 0।7 डिग्री कम है। यहां न्यूनतम तापमान 26।8 डिग्री रहा, यानी सामान्य से 2 डिग्री अधिक।

डाल्टनगंज में अधिकतम तापमान 30।2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 1।9 डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 26 डिग्री रहा और यह सामान्य से 0।6 डिग्री अधिक है। वहीं बोकारो में अधिकतम तापमान 32।1 डिग्री दर्ज हुआ, जो सामान्य से 1।7 डिग्री ज्यादा है। यहां न्यूनतम तापमान 26।2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 3।2 डिग्री अधिक है। चाईबासा में अधिकतम तापमान 31।8 डिग्री रहा, जो सामान्य से 0।5 डिग्री अधिक है, जबकि न्यूनतम तापमान 24।6 डिग्री रहा, जो सामान्य से 0।2 डिग्री कम है।

माइक पकड़ने से कोई पत्रकार नहीं बन जाता

पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश '

पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है। इसका मतलब सिर्फ इतना नहीं है कि किसी के हाथ में माइक हो, मोबाइल हो और वह कैमरे के सामने सवाल पूछने लगे। पत्रकारिता का असली मतलब है सच की तलाश, जनता की आवाज उठाना और अपनी खबर के लिए जवाबदेह रहना। लेकिन डिजिटल मीडिया के दौर में यह फर्क तेजी से मिटता जा रहा है। आज कोई भी व्यक्ति मोबाइल और सस्ते माइक के सहारे खुद को पत्रकार, ब्यूरो चीफ या इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्टर बताने लगता है। समस्या तब गंभीर हो जाती है, जब खबर के नाम पर डर दिखाना, बदनाम करना और पैसे की मांग करना शुरू हो जाए।

दिल्ली हाईकोर्ट की टिप्पणी ने इसी समस्या की तरफ ध्यान खींचा है। अदालत ने उस स्थिति पर चिंता जताई जिसमें कोई भी व्यक्ति मोबाइल और माइक्रोफोन लेकर खुद को पत्रकार घोषित कर देता है, जबकि उसे पत्रकारिता की बुनियादी समझ और जिम्मेदारी का पता तक नहीं होता। यह बात केवल अदालत की टिप्पणी समझकर भूल जाने वाली नहीं है। छोटे शहरों और कस्बों में इसकी सच्चाई रोज दिखाई देती है।

कई जगह ऐसे लोग सरकारी दफ्तरों, अस्पतालों, स्कूलों और दुकानों में कैमरा लेकर पहुंच जाते हैं। कोई अधिकारी या कर्मचारी सवाल का जवाब तुरंत नहीं दे पाया तो कैमरे के सामने उसे कटघरे में खड़ा कर दिया जाता है। फिर अधूरी जानकारी के साथ वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिया जाता है। कई मामलों में वीडियो हटाने या खबर रोकने के बदले पैसे मांगने की शिकायतें भी सामने आती हैं। अगर किसी व्यक्ति का असली मकसद खबर करना नहीं, बल्कि किसी को डराकर पैसा वसूलना है, तो उसे पत्रकारिता का नाम देना पूरी पत्रकार बिरादरी के साथ अन्याय है।

इसका सबसे बड़ा नुकसान उन पत्रकारों को होता है जो सालों से ईमानदारी के साथ काम कर रहे हैं। जब हर दूसरा व्यक्ति खुद को पत्रकार बताने लगेगा तो आम आदमी के लिए असली और नकली पत्रकार में फर्क करना मुश्किल हो जाएगा। धीरे-धीरे पूरे मीडिया पर भरोसा कम होगा। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए अच्छी नहीं है।

यहां एक बात साफ करना जरूरी है कि डिजिटल पत्रकारिता अपने आप में कोई समस्या नहीं है। मोबाइल और इंटरनेट ने गांव-कस्बों की आवाज को भी जगह दी है। कई स्वतंत्र डिजिटल पत्रकार बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। उन्होंने ऐसी खबरें सामने रखी हैं जिन्हें बड़े मीडिया संस्थान भी नहीं पहुंचा पाए। इसलिए जरूरत डिजिटल मीडिया को रोकने की नहीं, बल्कि उसमें जवाबदेही लाने की है।

इसी दिशा में समाचार आधारित डिजिटल प्लेटफॉर्म और पत्रकारों के लिए न्यूनतम मानक तय किए जाने चाहिए। किसी मान्यता प्राप्त सेल्फ रेगुलेटरी बॉडी यानी एसआरबी से जुड़ाव, पत्रकारिता का औपचारिक प्रशिक्षण, मीडिया कानून, मानहानि, निजता, तथ्य सत्यापन और आचार संहिता की बुनियादी जानकारी जैसे मानक तय किए जा सकते हैं। वेब जर्नलिस्ट्स स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी जैसी स्व-नियामक संस्थाओं की भूमिका भी इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण हो सकती है।

लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं होना चाहिए कि सरकार पत्रकारिता पर अपना नियंत्रण स्थापित कर ले। नियमन और नियंत्रण में बहुत बड़ा फर्क है। व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें ईमानदार पत्रकार को काम करने की पूरी आजादी मिले, लेकिन पत्रकारिता के नाम पर ब्लैकमेलिंग और जबरन वसूली करने वाले को संरक्षण न मिले। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हर नागरिक का अधिकार है, लेकिन किसी को यह अधिकार नहीं मिल जाता कि वह किसी दूसरे की प्रतिष्ठा और निजता को नुकसान पहुंचाकर उसे पैसे देने के लिए मजबूर करे।

देशव्यापी कानून या स्पष्ट व्यवस्था बनने में समय लग सकता है। लेकिन तब तक स्थानीय प्रशासन हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठ सकता। जिले के उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक और संबंधित अधिकारी अपने मौजूदा कानूनी अधिकारों और प्रशासनिक विवेक का इस्तेमाल कर ऐसे मामलों पर कार्रवाई कर सकते हैं। किसी को केवल माइक पकड़ लेने से सरकारी कार्यालय में दबाव बनाने, धमकाने या अवैध वसूली करने का अधिकार नहीं मिल जाता। यदि कोई व्यक्ति पत्रकारिता की आड़ में अपराध करता है तो उसके खिलाफ सामान्य कानून के तहत कार्रवाई होनी ही चाहिए।

साथ ही प्रशासन को वास्तविक पत्रकारों की पहचान और सुविधा के लिए पारदर्शी व्यवस्था बनानी चाहिए। मान्यता प्राप्त संस्थानों और जिम्मेदार डिजिटल मीडिया संगठनों से जुड़े पत्रकारों के लिए स्पष्ट पहचान व्यवस्था हो। शिकायत आने पर पत्रकार होने की आड़ में मामला दबाने के बजाय निष्पक्ष जांच हो। इससे प्रशासन और मीडिया दोनों के बीच भरोसा बढ़ेगा।

आखिर में बात बहुत सीधी है। माइक पकड़ना आसान है, पत्रकार बनना मुश्किल। पत्रकारिता एक जिम्मेदारी है, पहचान पत्र या कैमरा नहीं। अगर हम चाहते हैं कि जनता का भरोसा मीडिया पर बना रहे तो असली पत्रकारों की गरिमा बचानी होगी और पत्रकारिता के नाम पर चल रहे डर और वसूली के कारोबार पर रोक लगानी होगी। केंद्र स्तर पर ठोस व्यवस्था बने, यह जरूरी है, लेकिन तब तक जिला प्रशासन और पुलिस अपने अधिकारों का इस्तेमाल कर सकते हैं। फर्जी पत्रकारों पर कार्रवाई किसी की आवाज दबाना नहीं, बल्कि पत्रकारिता की असली आवाज को बचाना है।

धान की फसल में कीट प्रकोप से बचाव के लिए किसान रहें सतर्क

ना छेदक और पत्ती मोड़क कीट की समय पर पहचान कर करें नियंत्रण, अधिक उर्वरक और जलभराव से बचने की सलाह

धान की फसल में तना छेदक एवं पत्ती मोड़क कीट के प्रकोप को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों को सतर्क रहने और फसल की नियमित निगरानी करने की सलाह दी है। विभाग ने कहा है कि कीटों के शुरुआती लक्षणों की समय पर पहचान कर उचित नियंत्रण उपाय अपनाने से फसल को होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। खेतों में आवश्यकता से अधिक उर्वरकों का उपयोग तथा लंबे समय तक अधिक जलभराव रहने से इन कीटों का प्रकोप बढ़ सकता है, इसलिए किसान संतुलित उर्वरक उपयोग और उचित जल प्रबंधन पर विशेष ध्यान दें।

तना छेदक कीट से फसल को पहुंचता है नुकसानः तना छेदक धान की फसल को नुकसान पहुंचाने वाले प्रमुख कीटों में शामिल है। प्रारंभिक अवस्था में इसके प्रकोप की पहचान करना आसान है। प्रभावित पौधों की पत्तियां पीली पडऩे लगती हैं। पौधे के तने के निचले हिस्से में छोटे-छोटे छेद दिखाई देते हैं तथा मुख्य तना अंदर से खोखला हो जाता है।

बालियां सफेद पडऩा गंभीर प्रकोप का संकेतः तना छेदक का प्रकोप बढऩे पर धान की बालियां सफेद होकर पूरी तरह सूख जाती हैं। इससे पौधे में दाने बनने की प्रक्रिया प्रभावित होती है और उत्पादन में कमी आ सकती है। इसलिए खेत में यदि कुछ पौधों की पत्तियां अचानक पीली पड़ती दिखाई दें या तने में छेद नजर आएं, तो किसान तुरंत फसल का निरीक्षण कर आवश्यक नियंत्रण उपाय अपनाएं।

तना छेदक के नियंत्रण के लिए अनुशंसित छिड़कावः कृषि विभाग ने तना छेदक की रोकथाम के लिए क्लोरोसाइपर (क्लोरपाइरीफास 50 प्रतिशत + साइपरमेथ्रिन 5 प्रतिशत) का 50 मिलीलीटर प्रति स्प्रेयर की दर से छिड़काव करने की सलाह दी है।

पंडित राजकुमार शुक्ल की स्मृति का पुनरागमन

कुमार कृष्णन

पंडित राजकुमार शुक्ल वह नाम है, जो चंपारण की मिट्टी से उठी वह आवाज, जिसने महात्मा गांधी को चंपारण तक पहुंचने के लिए लगातार आग्रह किया, लंबे समय तक इतिहास के बड़े आख्यान में गांधी की छाया में दिखाई देती रही। राजकुमार शुक्ल की 151वीं जयंती ने इस छाया को थोड़ा हटाया है। बिहार विधान परिषद के एनेक्सी सभागार में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने घोषणा की कि अगले वर्ष से पंडित राजकुमार शुक्ल की जयंती राजकीय समारोह के रूप में मनाई जाएगी। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने उनकी जीवनी को बिहार के स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की घोषणा की, जबकि कला एवं संस्कृति मंत्री प्रमोद कुमार ने उनके नाम पर संग्रहालय बनाने की बात कही।

सरकारी घोषणाओं की अपनी चमक होती है। लेकिन इस समारोह की असली रोशनी उन सवालों से निकली, जो इतिहास के अंधेरे कोनों से उठे—राजकुमार शुक्ल आखिर कौन थे? क्या उनका परिचय केवल इतना है कि वे गांधी को चंपारण लेकर आए थे? क्या चंपारण सत्याग्रह की कहानी गांधी के आगमन से शुरू होती है? और गांधी के जाने के बाद उस आदमी का क्या हुआ, जिसने चंपारण की पीड़ा को राष्ट्रीय राजनीति के दरवाजे तक पहुंचाया था? इन सवालों के बीच 151वीं जयंती एक समारोह से अधिक एक स्मृति-यात्रा बन गई। समारोह की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ इतिहासकार प्रो. अशोक आंशुमान ने कहा कि पंडित राजकुमार शुक्ल ने चंपारण के किसानों की समस्या को राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाया। उनके प्रयासों के कारण ही गांधी चंपारण पहुंचे और वहां सफल हुए। उन्होंने शुक्ल को स्वतंत्रता संग्राम की अग्रिम पंक्ति का सेनापति बताया। उनकी बात का एक दूसरा पहलू भी ध्यान खींचता है। उन्होंने कहा कि गांधी के स्थान पर कोई दूसरा नेता चंपारण आता तो वह भी सफल हो सकता था। इस कथन को गांधी के महत्व को कम करने की कोशिश के रूप में नहीं, बल्कि चंपारण के उस सामाजिक धरातल की ओर संकेत के रूप में देखना चाहिए, जिसे अक्सर गांधी के आगमन की विराट कथा ढक देती है। गांधी किसी खाली मैदान में नहीं उतरे थे। उनके आने से पहले चंपारण में किसानों की पीड़ा थी, नीलहों का अत्याचार था, प्रतिरोध की बेचैनी थी और उस बेचैनी को आवाज देने वाला एक आदमी था—राजकुमार शुक्ल। शुक्ल की सबसे बड़ी ताकत शायद यही थी कि वे इतिहास के मंच पर किसी बड़े पद, राजनीतिक हैसियत या सरकारी संरक्षण के साथ नहीं आए थे। वे किसान थे। उनके पास सत्ता नहीं थी, लेकिन किसानों का दुख था। उनके पास कोई बड़ा राजनीतिक संगठन नहीं था, लेकिन जिद थी। ऐसी जिद, जो किसी सामान्य व्यक्ति को असाधारण बना देती है। लखनऊ कांग्रेस अधिवेशन में गांधी से मुलाकात के बाद उन्हें चंपारण ले जाने का आग्रह शुक्ल ने छोड़ा नहीं। गांधी के व्यस्त कार्यक्रम के बीच वे उनके पीछे लगे रहे। यह आग्रह अंततः चंपारण पहुंचने का कारण बना। इतिहास में कभी-कभी बड़ी घटनाओं की शुरुआत किसी बड़ी सभा या बड़े भाषण से नहीं, बल्कि किसी एक व्यक्ति की लगातार की गई जिद से होती है। राजकुमार शुक्ल की कहानी ऐसी ही जिद की कहानी है। इतिहास की बड़ी घटनाएं अक्सर बड़े नेताओं के नाम से दर्ज होती हैं। लेकिन उनके पीछे छोटे-छोटे नामों की एक लंबी कतार होती है। वे नाम कभी-कभी फुटनोट बन जाते हैं, जबकि इतिहास की असली जमीन उन्हीं के पैरों से बनी होती है। पश्चिम बंगाल के विश्व भारती विश्वविद्यालय के इतिहासकार प्रो. हितेंद्र पटेल ने इसी जमीन की ओर ध्यान खींचा। उनका वक्तव्य समारोह का महत्वपूर्ण बौद्धिक हस्तक्षेप था। उन्होंने कहा, "इतिहास लेखन हमारी सामूहिक स्मृति की जिम्मेदारी है, न कि सरकार के किसी अधिकारी की।" यह वाक्य केवल एक टिप्पणी नहीं, बल्कि इतिहास के प्रति हमारे सामाजिक व्यवहार पर सवाल है। प्रो. पटेल ने जालियांवाला बाग का उदाहरण देते हुए पूछा कि लगभग हर भारतीय इस घटना को जानता है, लेकिन वहां मारे गए सैकड़ों सामान्य लोगों के नाम कितने लोग जानते हैं? लोकप्रिय स्मृति में जनरल डायर का नाम तुरंत सामने आता है, जिसने गोली चलवाई थी। लेकिन जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई, वे कौन थे, कहां से आए थे, उनके परिवारों पर क्या बीती और उस घटना का सामाजिक इतिहास क्या था—इन सवालों पर अपेक्षाकृत कम चर्चा होती है। जालियांवाला बाग हमारी राष्ट्रीय स्मृति में इसलिए जीवित है कि उसमें औपनिवेशिक सत्ता की हिंसा का एक तीखा अनुभव संघनित है। लेकिन उस अनुभव को पूरा करने के लिए उन सामान्य लोगों को भी याद करना होगा, जिनके जीवन और मृत्यु ने उस इतिहास को अर्थ दिया। यही बात राजकुमार शुक्ल के मामले में भी लागू होती है।उन्हें गांधी को चंपारण लाने वाले व्यक्ति के रूप में याद किया जाता है, लेकिन उनके अपने संघर्ष, किसानों के बीच उनकी भूमिका और गांधी के चंपारण से चले जाने के बाद उनके सामाजिक सरोकारों पर अपेक्षाकृत कम बात होती है। प्रो. पटेल ने आग्रह किया कि अपने गांव, शहर, जिले और क्षेत्र के उन लोगों को खोजिए जो इतिहास के कालक्रम में कहीं छूट गए। उनके दस्तावेज खोजिए। बुजुर्गों से बात कीजिए। पुराने स्थानीय अखबार देखिए। पत्र और डायरियां तलाशिए। साहित्य पढ़िए। लोकगीत सुनिए। स्मारकों और ऐतिहासिक स्थलों को समझिए। और सबसे महत्वपूर्ण—अपनी स्मृति की पूरी जिम्मेदारी किसी सरकार, किसी दल या किसी बड़े नेता पर मत छोड़िए। राजकुमार शुक्ल हमारे इसलिए नहीं हैं कि किसी सरकार ने अब उनके नाम को स्वीकार कर लिया है। वे हमारे इसलिए हैं कि उनके संघर्ष ने चंपारण के किसानों के जीवन और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन पर गहरा निशान छोड़ा। मंगल पांडे, खुदीराम बोस, भगत सिंह, 1942 के शहीद और असंख्य अज्ञात किसान एवं कार्यकर्ता भी हमारी स्मृति में इसलिए जीवित हैं कि उनके संघर्ष ने समाज पर अपना निशान छोड़ा। प्रो. पटेल के विचारों का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी था कि इतिहासकार का काम स्मृति को खारिज करना नहीं, उसकी तह तक जाना है। इतिहासकार को सत्ता के पीछे चलने के बजाय स्मृति और साक्ष्य के बीच संवाद स्थापित करना चाहिए। प्रसिद्ध और गुमनाम के बीच संतुलन बनाना चाहिए। बड़े नेता के साथ उस साधारण कार्यकर्ता को भी देखना चाहिए जिसके बिना आंदोलन संभव ही नहीं होता।राजकुमार शुक्ल का इतिहास इसी संतुलन की मांग करता है।विशिष्ट वक्ता भैरव लाल दास ने याद दिलाया कि महात्मा गांधी से पहले ही राजकुमार शुक्ल चंपारण में नीलहों के शोषण से किसानों को मुक्ति दिलाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। गांधी के चंपारण से चले जाने के बाद भी उनका सामाजिक संघर्ष जारी रहा।अर्थात शुक्ल की कहानी गांधी के आने पर शुरू नहीं होती और गांधी के जाने पर खत्म नहीं होती। यही वह बिंदु है जहां इतिहास और स्मृति के बीच अंतर दिखाई देता है। इतिहास में किसी व्यक्ति का नाम दर्ज हो सकता है, लेकिन स्मृति में उसका अर्थ तभी जीवित रहता है जब समाज उसके संघर्ष को समझे। किसी प्रतिमा पर फूल चढ़ा देना स्मृति नहीं है। स्मृति तब बनती है जब अगली पीढ़ी यह जानना चाहे कि उस व्यक्ति ने अपने समय में क्या देखा, किसके लिए संघर्ष किया और उसकी लड़ाई का समाज पर क्या असर पड़ा।

मुंगेर विश्वविद्यालय के प्रो. गिरीश चंद्र पांडेय ने कहा कि राजकुमार शुक्ल के बिना बिहार का इतिहास नहीं लिखा जा सकता। एल. पी. राय ने उन्हें भारत रत्न देने की मांग उठाई। समारोह में कमल नयन श्रीवास्तव, डॉ. शिव कुमार मिश्र, भारत भूषण झा, सफदर इमाम कादरी, रविशंकर उपाध्याय, एस. एन. शर्मा, पुरुलिया विश्वविद्यालय की प्रोफेसर नंदिता, रचना प्रियदर्शिनी और डॉ. नम्रता कुमारी सहित अनेक इतिहासप्रेमी उपस्थित रहे। गांधी संग्रहालय के सचिव आसिफ वसी ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री दिव्या ने किया। जनार्दन शर्मा योगी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जबकि पंडित राजकुमार शुक्ल स्मारक न्यास के महासचिव सुमित वत्स ने अतिथियों का सम्मान और धन्यवाद ज्ञापन किया। इस समारोह की एक दूसरी कहानी भी है—सरकारी स्मृति से अलग समाज की स्मृति की कहानी। राजकुमार शुक्ल के नाती रवि भूषण राय लंबे समय से गैर-सरकारी स्तर पर उनकी जयंती का आयोजन करते रहे हैं। तत्कालीन राज्यपाल ए. आर. किदवई के समय से इन आयोजनों में देश के अनेक विद्वान भाग लेते रहे हैं। इसका अर्थ यह है कि राजकुमार शुक्ल की स्मृति सरकारी घोषणा की प्रतीक्षा में निष्प्राण नहीं पड़ी थी। कुछ लोग उसे अपनी तरह से बचाए हुए थे। अब सरकार ने उस स्मृति को संस्थागत आधार देने की पहल की है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की राजकीय समारोह की घोषणा स्वागतयोग्य है। लेकिन स्मृति को सरकारी कैलेंडर में दर्ज कर देना उसका अंतिम पड़ाव नहीं, बल्कि शुरुआत होनी चाहिए। शिक्षा मंत्री द्वारा शुक्ल की जीवनी को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की घोषणा भी महत्वपूर्ण है। लेकिन पाठ्यपुस्तक में उनका नाम और कुछ पंक्तियां जोड़ देना पर्याप्त नहीं होगा।

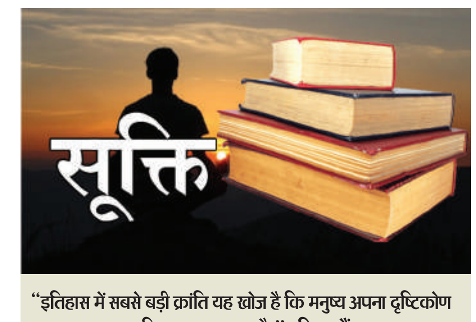

"इतिहास में सबसे बड़ी क्रांति यह खोज है कि मनुष्य अपना दृष्टिकोण बदलकर अपना भविष्य बदल सकता है।" -विल डुरैंट

"इतिहास अतीत की घटनाओं का केवल दस्तावेज़ नहीं है, यह यह समझने की कुंजी है कि हम कौन हैं और हम कहाँ जा सकते हैं।" -इ. एच. कार

शुभ संवत 2083, शाके 1948, माहः श्रावण मास महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशीः प्रातः 09:09 बजे तक पूर्णिमाः प्रातः 09:09 बजे से प्रारंभ होकर अगले दिन (28 अगस्त) प्रातः 09:48 बजे तक, अभिजित मुहूर्त (दिन का सबसे श्रेष्ठ मुहूर्त): दोपहर 11:57 AM से 12:48 PM।

आज जन्म लिए बालक का फल...

कुंभ या मीन -जन्म के समय (सूर्योदय से पूर्व या बाद) के आधार पर चंद्रमा का गोचर रहेगा। शतभिषा या पूर्वाभाद्रपद, जन्मे बच्चे मानसिक रूप से काफी तेज, तार्किक और दूरदर्शी सोच वाले होते हैं। इन पर सूर्य (तारीख 27 का मूलांक 9 - मंगल और अगस्त का सूर्य प्रभाव) और शनि/गुरु का मिला-जुला प्रभाव रहता है।

मेष राशिः नए कार्य की शुरुआत करेंगे, जिसमें जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

वृष राशिः किसी चीज को बिना जाने-समझे फैसला करने से बचें।

मिथुन राशिः इस राशि के बच्चे मन लगाकर पढ़ाई करेंगे, टेस्ट में अच्छे अंक प्राप्त होंगे।

कर्क राशिः कोर्ट-कचहरी के मामलों में सफलता मिल सकती है, जिससे मन शांत रहेगा। का

सिंह राशिः काम से जुड़ी अथॉरिटी मिल सकती है, जिससे बेहतर तरीके से काम कर पाएंगे।

कन्या राशिः घर में परिवारजनों के साथ नवीनीकरण व साज-सज्जा को लेकर विमर्श होगा।

तुला राशिः अपनी कार्यप्रणाली व्यवस्थित बनाए रखेंगे, जिससे समय की बचत होगी।

वृश्चिक राशिः बिजनेस में सोच-समझकर निर्णय लेने की आवश्यकता है।

धनु राशिः समय दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ बीतेगा, जिससे रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी।

मकर राशिः व्यावसायिक योजना बनाने में सफल रहेंगे, जिससे आगे अच्छा लाभ होगा।

कुंभ राशिः आर्थिक रूप से समृद्ध रहेंगे और दांपत्य जीवन खुशहाल रहेगा।

मीन राशिः कार्यक्षेत्र में नई योजनाएं बनाएंगे, जिसमें कर्मचारियों का सहयोग मिलेगा।

अंतरिक्ष में भारत की निजी शक्ति एवं वैज्ञानिक सामर्थ्य की उड़ान

ललित गर्ग

भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब केवल सरकारी संस्थानों और वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं तक सीमित नहीं रह गई है। यह यात्रा आज नवाचार, उद्यमिता, युवा प्रतिभा, निजी पूंजी और वैश्विक महत्वाकांक्षा के ऐसे संगम में बदल रही है, जिसने भारत को अंतरिक्ष महाशक्ति बनने की दिशा में एक नई गति प्रदान की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी सहभागिता के द्वार खोलने का निर्णय इसी परिवर्तन का निर्णायक पड़ाव है। कभी जिस अंतरिक्ष क्षेत्र को लगभग पूरी तरह सरकारी नियंत्रण और संस्थागत सीमाओं के भीतर देखा जाता था, आज वहां सैकड़ों नवोदित उद्यम अपने सपनों, तकनीक और साहस के साथ नई संभावनाओं का आकाश तलाश रहे हैं। प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्यमियों से संवाद कर उन्हें प्रेरित करना केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भविष्य के भारत की दिशा का उद्घोष है। इसमें उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ भारत को विश्व की अंतरिक्ष प्रतिभा, निवेश और उद्यमिता का आकर्षण-केंद्र बनाने का सपना प्रस्तुत किया, वह भारत की बदलती वैश्विक भूमिका का भी संकेत है। भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों का इतिहास अपने आप में असाधारण है। सीमित संसाधनों के बीच भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने जिस वैज्ञानिक अनुशासन, आत्मनिर्भरता और संकल्प का परिचय दिया, उसने दुनिया को चकित किया है। आर्यभट्ट से प्रारंभ हुई यात्रा मंगलयान तक पहुंची, चंद्रयान ने चंद्रमा के रहस्यों को समझने की भारतीय क्षमता सिद्ध की और चंद्रयान-3 ने भारत को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र में सफलतापूर्वक उतरने वाला पहला देश बनाकर इतिहास रचा। यह उपलब्धि केवल एक वैज्ञानिक सफलता नहीं थी, यह भारतीय प्रतिभा, तकनीकी आत्मविश्वास और असंभव को संभव करने की राष्ट्रीय क्षमता का प्रमाण थी। मंगलयान ने कम लागत में अंतरग्रहीय अभियान की सफलता से दुनिया को भारत की वैज्ञानिक दक्षता का परिचय दिया। आदित्य-एल1 ने सूर्य के अध्ययन की दिशा में भारत की महत्वाकांक्षा को नई ऊंचाई दी। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति की तैयारी से जुड़ा गगनयान अभियान भारत की अगली बड़ी छलांग का संकेत है। इस पूरी यात्रा ने यह स्पष्ट किया है कि भारत अब अंतरिक्ष विज्ञान मंद केवल उपलब्धियों का अनुकरण करने वाला देश नहीं, बल्कि नए मानदंड स्थापित करने की क्षमता रखने वाला राष्ट्र है।

इस उपलब्धि की अगली स्वाभाविक कड़ी निजी क्षेत्र की भागीदारी है। अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों के बाद भारत में लगभग 440 अंतरिक्ष-प्रौद्योगिकी नवोदित उद्यमों का उभरना इस परिवर्तन की गहराई को दर्शाता है। इनमें कुछ उपग्रह निर्माण में लगे हैं, कुछ प्रक्षेपण यानों की तकनीक विकसित कर रहे हैं, कुछ अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों के विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पृथ्वी अवलोकन, संचार, मौसम पूर्वानुमान और अंतरिक्ष मलबे के प्रबंधन जैसी अत्याधुनिक दिशाओं में काम कर रहे हैं। स्काईरूट एयरोस्पेस ने निजी क्षेत्र के रॉकेट प्रक्षेपण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाया है, जबकि अग्निकुल कॉसमॉस ने स्वदेशी तकनीक और आधुनिक निर्माण पद्धतियों के माध्यम से यह दिखाया है कि भारतीय निजी उद्यम अंतरिक्ष प्रक्षेपण के कठिन क्षेत्र में भी अपनी जगह बना सकते हैं। ये प्रयास उस मानसिकता को बदल रहे हैं जिसमें अंतरिक्ष केवल वैज्ञानिक प्रतिष्ठानों का क्षेत्र माना जाता था। अब यह युवा उद्यमियों के लिए रोजगार, अनुसंधान, निवेश और वैश्विक व्यापार का नया क्षेत्र बन रहा है। इस परिवर्तन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अंतरिक्ष अब केवल आकाश में उपलब्धियों का विषय नहीं, बल्कि धरती पर जीवन को बेहतर बनाने का साधन भी बन रहा है। उपग्रह आधारित सेवाएं कृषि की उत्पादकता बढ़ाने, फसल की निगरानी करने, जल संसाधनों की पहचान, मौसम की सटीक जानकारी देने, मछली पालन, वन संरक्षण और आपदा प्रबंधन में उपयोगी हो सकती हैं। बाढ़, चक्रवात, सूखा और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय अंतरिक्ष से प्राप्त सूचनाएं राहत और बचाव कार्यों को अधिक प्रभावी बना सकती हैं। गांवों और दूरदराज के क्षेत्रों में संचार तथा डिजिटल सेवाओं के विस्तार में भी अंतरिक्ष तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसलिए भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम अब केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और आर्थिक विकास का शक्तिशाली माध्यम बन रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष संबंधी दृष्टिकोण इसी व्यापक सोच पर आधारित दिखाई देता है। उनका सपना भारत को केवल अंतरिक्ष में पहुंचने वाला देश बनाना नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अग्रणी शक्ति बनाना है। वे चाहते हैं कि दुनिया की प्रतिभाएं भारत आएं, भारतीय युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में नए विचारों के साथ आगे बढ़ें और भारत वैश्विक अंतरिक्ष कंपनियों तथा निवेशकों के लिए विश्वसनीय केंद्र बने। यह दृष्टिकोण भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा दे सकता है। अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में संचार, मौसम, रक्षा, कृषि, परिवहन, ऊर्जा, आपदा प्रबंधन और डिजिटल सेवाओं के साथ गहराई से जुड़ने वाली है। ऐसे में जो देश इस क्षेत्र में तकनीकी नेतृत्व स्थापित करेगा, उसकी आर्थिक और रणनीतिक शक्ति भी बढ़ेगी। निजी अंतरिक्ष उद्यमों के सामने संभावनाएं जितनी बड़ी हैं, चुनौतियां भी उतनी ही गंभीर हैं। अंतरिक्ष तकनीक में अनुसंधान और विकास के लिए भारी पूंजी चाहिए। प्रक्षेपण की असफलता का जोखिम सामान्य उद्योगों की तुलना में कहीं अधिक होता है। अत्यंत जटिल तकनीक, कठोर सुरक्षा मानक, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक निवेश की आवश्यकता इस क्षेत्र को कठिन बनाती है। इसलिए सरकार की भूमिका केवल नियम बनाने तक सीमित नहीं रह सकती। उसे ऐसी नीतियां बनानी होंगी जो नवाचार को प्रोत्साहित करें, निजी उद्यमों को परीक्षण सुविधाएं उपलब्ध कराएं, अनुसंधान संस्थानों और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाएं तथा निवेशकों का विश्वास कायम रखें। अंतरिक्ष क्षेत्र की एकल खिड़की व्यवस्था और भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र जैसी संस्थागत व्यवस्थाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण आधार तैयार कर रही हैं।

भारत के लिए एक और बड़ी संभावना अंतरिक्ष में लागत और दक्षता की अपनी पारंपरिक ताकत को वैश्विक बाजार से जोड़ना है। भारत ने पहले ही यह सिद्ध किया है कि सीमित लागत में उच्च गुणवत्ता वाली अंतरिक्ष सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं। यदि यही क्षमता निजी क्षेत्र की गति, नवाचार और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति से जुड़ती है तो भारत छोटे उपग्रहों के प्रक्षेपण, उपग्रह निर्माण, अंतरिक्ष आधारित आंकड़ों और वैश्विक अंतरिक्ष सेवाओं के क्षेत्र में बड़ा बाजार हासिल कर सकता है। इससे विदेशी मुद्रा अर्जन के साथ-साथ उच्च कौशल वाले रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यहां भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का अनुभव निजी क्षेत्र के लिए अमूल्य पूंजी है। दशकों की वैज्ञानिक साधना से अर्जित ज्ञान, प्रक्षेपण तकनीक, उपग्रह निर्माण की क्षमता और मिशन प्रबंधन का अनुभव अब देश के नवोदित उद्यमों के लिए मार्गदर्शक शक्ति बन सकता है। सरकारी संस्थान और निजी उद्यम यदि प्रतिस्पर्धा के साथ सहयोग की संस्कृति विकसित करें तो भारत की अंतरिक्ष शक्ति कई गुना बढ़ सकती है। सरकार का काम रास्ता खोलना है, वैज्ञानिक संस्थानों का काम ज्ञान और अनुभव उपलब्ध कराना है और निजी क्षेत्र का काम गति, नवाचार और बाजार की शक्ति को आगे बढ़ाना है। इन तीनों का समन्वय भारत को नई ऊंचाई दे सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी का यह आह्वान कि भारत ऐसा वातावरण बनाए जहां दुनिया भर के युवा अंतरिक्ष क्षेत्र में अपना भविष्य बनाने के लिए यहां आने की सोचें, वास्तव में प्रतिभा की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत की नई आकांक्षा को व्यक्त करता है। यह केवल रॉकेटों की संख्या बढ़ाने का लक्ष्य नहीं है, यह भारत को अंतरिक्ष आधारित ज्ञान, तकनीक और अर्थव्यवस्था का केंद्र बनाने की कल्पना है। आने वाले समय में अंतरिक्ष में भारत की सफलता का मूल्यांकन केवल कितने उपग्रह भेजे गए या कितने रॉकेट छोड़े गए, इससे नहीं होगा। असली कसौटी यह होगी कि अंतरिक्ष तकनीक ने भारतीय किसान, विद्यार्थी, उद्यमी, सैनिक, वैज्ञानिक और सामान्य नागरिक के जीवन को कितना बेहतर बनाया। भारत की अंतरिक्ष यात्रा अब उस मुकाम पर है जहां आकाश सीमा नहीं, बल्कि अवसर है। चंद्रयान-3 की चंद्र विजय से लेकर सूर्य की ओर आदित्य-एल1 की यात्रा, मंगलयान की ऐतिहासिक सफलता से लेकर मानव को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी और सरकारी संस्थानों से निकलकर निजी स्टार्टअप के प्रक्षेपण तक भारत ने लंबी दूरी तय की है। अब अगला अध्याय और अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। आवश्यकता है कि वैज्ञानिक जिज्ञासा को उद्यमिता से, सरकारी नीति को निजी ऊर्जा से और भारतीय प्रतिभा को वैश्विक अवसरों से जोड़ा जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अंतरिक्ष विजन इसी समन्वय को दिशा देता है। भारत ने धरती से चंद्रमा तक अपनी क्षमता सिद्ध कर दी है, अब चुनौती है कि वह अंतरिक्ष में अपनी वैज्ञानिक शक्ति के साथ-साथ आर्थिक, तकनीकी और मानवीय नेतृत्व की भी ऐसी छाप छोड़े, जिसे दुनिया लंबे समय तक याद रखे। यही नई अंतरिक्ष उड़ान आत्मनिर्भर भारत को विकसित भारत की व्यापक आकांक्षा से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी बन सकती है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

मदर टेरेसाः गरीबों की सांसों में बसने वाली संत

योगेश कुमार गोयल

मदर टेरेसा का नाम सुनते ही मानवता, करुणा और सेवा का पवित्र स्वरूप आंखों के सामने उभर आता है। उनका जीवन इस तथ्य का सबसे बड़ा प्रमाण है कि निस्वार्थ भाव से दूसरों के दुःख को दूर करने का संकल्प ही मनुष्य को वास्तविक अर्थों में महान बनाता है। 26 अगस्त 1910 को अल्बानिया के स्कोप्जे में एगनेस गोंझा बोयाज्यू के रूप में जन्मी इस नन्हीं बालिका ने बचपन से ही धर्म और सेवा के प्रति गहरी आस्था प्रकट की थी। जब वे केवल 12 वर्ष की थी, तभी उनके भीतर यह संकल्प जाग उठा था कि उनका जीवन केवल दूसरों की भलाई के लिए समर्पित होगा। यही संकल्प आगे चलकर उन्हें पूरी मानवता के लिए करुणा की मूर्ति बना गया।

18 वर्ष की आयु में उन्होंने 'सिस्टर्स ऑफ लोरेटो' से जुड़कर धार्मिक जीवन की ओर कदम बढ़ाए और 1929 में भारत आईं। कलकत्ता स्थित सेंट मैरी स्कूल में उन्होंने अध्यापिका के रूप में कार्य करना शुरू किया। अध्यापन कार्य के दौरान वे छात्रों को केवल पढ़ाई ही नहीं, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का भी पाठ पढ़ाती थी किंतु धीरे-धीरे उनका मन स्कूल की चारदीवारी से बाहर रहने वाले निर्धन, रोगग्रस्त और बेसहारा लोगों की ओर अधिक खिंचने लगा। 1946 में दार्जिलिंग की यात्रा के दौरान उन्हें अपने जीवन का वास्तविक ध्येय मिला। उन्होंने महसूस किया कि उन्हें शिक्षण कार्य से ऊपर उठकर गरीबों और असहायों की सीधी सेवा करनी चाहिए। यह क्षण उनके जीवन की दिशा बदल देने वाला साबित हुआ।

कलकत्ता की झुग्गियों और गलियों में रहने वाले लोगों की असहनीय पीड़ा को देखकर उन्होंने 1950 में 'मिशनरीज ऑफ चैरिटी' की स्थापना की। इस संस्था का मुख्य उद्देश्य था सबसे गरीब, सबसे लाचार और सबसे उपेक्षित लोगों की निःस्वार्थ सेवा करना। संस्था का ध्येय वाक्य ही था, 'सबसे गरीबों में भी सबसे गरीब की सेवा।' मदर टेरेसा ने सेवा की परिभाषा केवल भोजन और दवा देने तक सीमित नहीं रखी बल्कि उनके लिए सेवा का अर्थ था पीड़ित व्यक्ति को यह अनुभव कराना कि वह अकेला नहीं है, उसे प्यार और सम्मान मिला हुआ है। यही कारण था कि वे सदैव कहा करती थी, 'हम बड़े-बड़े कार्य नहीं कर सकते लेकिन हम छोटे-छोटे कार्य बड़े प्रेम से कर सकते हैं।'

उनके आश्रमों में केवल भोजन या उपचार की सुविधा ही नहीं दी जाती थी बल्कि वहां पीड़ित व्यक्तियों को जीवन की गरिमा और आत्मसम्मान भी लौटाया जाता था। उन्होंने कुष्ठ रोगियों को समाज में सम्मान दिलाने के लिए आश्रम बनाए, अनाथ और परित्यक्त बच्चों के लिए घर खोले और मृत्युशैया पर पड़े लोगों को अंतिम क्षणों में भी प्रेम और स्नेह का अहसास कराया। उनकी संस्था धीरे-धीरे भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में फैल गई, जिसके सैंकड़ों केंद्र आज विभिन्न देशों में मानव सेवा का कार्य कर रहे हैं। मदर टेरेसा की असाधारण सेवाओं को देखते हुए उन्हें अनेक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। 1962 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से अलंकृत किया और 1980 में 'भारत रत्न' प्रदान कर सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। विश्व स्तर पर उन्हें 1979 में नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। इसके अतिरिक्त अनेक देशों ने उन्हें अपने सर्वोच्च सम्मानों से विभूषित किया किंतु इन सब पुरस्कारों और मान-सम्मानों के बीच भी वे सदैव विनम्र बनी रही और स्वयं को केवल ईश्वर का साधन मानती रही।

उनके जीवन और कार्यों की इतनी ऊंचाई होने के बावजूद वे आलोचनाओं से अछूती नहीं रही। कई बार उन पर धर्मांतरण के आरोप लगाए गए तो कई बार उनके आश्रमों में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कमी की बात उठाई गई किंतु यह निर्विवाद सत्य है।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय- गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो-827013. झारखंड। रांची कार्यालय- 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।

संपादकः Purnendu 'Pusshpesh'*; प्रबंध संपादकः राजेश मोहन सहाय; धनबाद ब्यूरोचीफः राजीव रंजन। बिहार प्रभारीः संतोष श्रीवास्तव. Mob: 9288319159; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com *समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल से पानी छोड़ा, वैशाली में बाढ़ का अलर्ट, गंडक-गंगा का जलस्तर बढ़ेगा, अगले 48 घंटे महत्वपूर्ण

हाजीपुर। नेपाल में नारायणी नदी से अचानक बड़ी मात्रा में नेपाल में नारायणी नदी में अचानक बड़ी मात्रा में पानी छोड़े जाने के बाद वैशाली जिले में गंडक और गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से वृद्धि की आशंका जताई गई है। जिला आपदा प्रबंधन शाखा ने इसे लेकर अलर्ट जारी किया है। प्रशासन के अनुसार वैशाली, लालगंज, हाजीपुर, राघोपुर, बिदुपुर, देसरी, सहदेई बुजुर्ग और महनार प्रखंड के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा बन सकता है। जिला प्रशासन ने नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सुरक्षित ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की है। प्रशासन ने कहा है कि स्थिति को देखते हुए अगले 48 घंटे बेहद महत्वपूर्ण हैं। आम लोगों से नदी, घाट और अन्य जलस्रोतों के पास नहीं जाने को कहा गया है।पानी छोड़े जाने के बाद वैशाली जिले में बाढ़ का अलर्ट जारी किया गया है। जिला आपदा प्रबंधन शाखा ने गंडक और गंगा नदी के जलस्तर में तेजी से वृद्धि की आशंका जताई है। प्रशासन के अनुसार, वैशाली, लालगंज, हाजीपुर, राघोपुर, बिदुपुर, देसरी, सहदेई बुजुर्ग और महनार प्रखंड के निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। जिला प्रशासन ने नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से सुरक्षित ऊंचे स्थानों पर जाने की अपील की है। स्थिति को देखते हुए अगले 48 घंटे बेहद महत्वपूर्ण बताए गए हैं। आम लोगों से नदी, घाट और अन्य जलस्रोतों के पास नहीं जाने को कहा गया है। आपात स्थिति में सहायता के लिए जिला आपातकालीन संचालन केंद्र (DEOC) से 06224-260233, 06224-260234 या मोबाइल नंबर 9470082146 पर संपर्क किया जा सकता है। जिला प्रशासन ने बताया कि आपदा की स्थिति में आवश्यक सहायता के लिए 24 घंटे व्यवस्था सक्रिय रहेगी।

पानी में खड़े ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन, वैशाली में पाया नंबर 26 से जफराबाद पेठिया तक सड़क निर्माण की मांग

हाजीपुर। वैशाली के राघोपुर में कच्ची दरगाह-बिदुपुर सिक्सलेन पुल के पाया नंबर 26 से जफराबाद पेठिया तक ऊंची और पक्की सड़क के निर्माण की मांग को लेकर मंगलवार को ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया। जाफराबाद पंचायत के दर्जनों ग्रामीण बाढ़ के पानी में खड़े होकर जिलाधिकारी से सड़क निर्माण की गुहार लगाते दिखे। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क के अभाव में जाफराबाद और जहांगीरपुर पंचायत के लगभग 20 से 25 हजार लोगों को सालभर आवागमन में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। जाफराबाद पंचायत के उपमुखिया भाई अखिलेश कुमार और सरपंच विजय साहब ने जिला प्रशासन और सरकार से पाया नंबर 26 से जफराबाद पेठिया तक पुल-पुलिया सहित सड़क के ऊंचीकरण और पक्कीकरण की मांग की। पंचायत प्रतिनिधियों ने बताया कि बाढ़ के दौरान यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जिससे लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। ग्रामीणों के अनुसार, इस सड़क के निर्माण से पटना और हाजीपुर जाने वाले मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचने में आसानी होगी। छात्र-छात्राओं को स्कूल-कॉलेज जाने तथा आम लोगों को रोजी-रोजगार के लिए आवागमन में सुविधा मिलेगी। इसके अतिरिक्त, हर साल बाढ़ के कारण होने वाली परेशानियों से भी बड़ी राहत मिलेगी। इस अवसर पर ग्रामीण सन्नी कुमार यादव, दिनेश कुमार, देवेंद्र राय, रामप्रवेश राय, रवि कुमार सहित सैकड़ों पंचायतवासी मौजूद थे। सभी ने एक स्वर में प्रशासन से जनहित को ध्यान में रखते हुए सड़क का ऊंचीकरण कर निर्माण कार्य शीघ्र शुरू करने की अपील की।

छात्राओं को साइबर ठगी से बचने की सीख

हाजीपुर। हाजीपुर के गर्ल हाई स्कूल में छात्राओं को ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में साइबर डीएसपी चांदनी कुमारी ने फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल के जरिए दोस्ती कर वीडियो कॉल की रिकॉर्डिंग या स्क्रीनशॉट के माध्यम से ब्लैकमेल करने वाले साइबर अपराधियों से सावधान रहने की अपील की। साइबर डीएसपी ने छात्राओं से कहा कि वे किसी अनजान व्यक्ति से ऑनलाइन दोस्ती करने या वीडियो कॉल करने से बचें। अपनी निजी जानकारी, फोटो, वीडियो या अन्य संवेदनशील सामग्री किसी अजनबी के साथ साझा न करें। उन्होंने बताया कि साइबर अपराधी पहले फर्जी प्रोफाइल बनाकर लोगों का भरोसा जीतते हैं और फिर निजी फोटो या वीडियो का इस्तेमाल कर ब्लैकमेल करते हैं। ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करनी चाहिए। कार्यक्रम में जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन के डायरेक्टर सह सचिव सुधीर कुमार शुक्ला ने ऑनलाइन यौन शोषण की समस्या को गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि इसको लेकर देशभर में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बच्चों और अभिभावकों से अजनबियों से ऑनलाइन बातचीत से बचने की अपील की। साथ ही किसी घटना की स्थिति में चैट, फोटो और वीडियो जैसे साक्ष्यों को सुरक्षित रखने और तुरंत अभिभावक या शिक्षक को जानकारी देने की सलाह दी। कार्यक्रम में बताया गया कि साइबर अपराध से जुड़ी शिकायत के लिए 1930 और बच्चों से संबंधित मामलों में 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन पर सूचना दी जा सकती है। बाल संरक्षण पदाधिकारी अमूल्य कुमार ने भी ऑनलाइन यौन शोषण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी।

दयानंद विद्यालय में दानदाता और कमेटी को लेकर विवाद गहराया, प्रभारी प्राचार्य बोले- वेवजजह विधायक को जोड़ रहे

पटना। पटना के मीठापुर स्थित दयानंद विद्यालय +2 में दानदाता, जमीन, भवन और स्कूल कमिटी के सदस्यों को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मामला सोशल मीडिया से लेकर शिक्षा विभाग तक पहुंच गया है। दोनों पक्ष विद्यालय से जुड़े दस्तावेज और अधिकार को लेकर अलग-अलग दावे कर रहे हैं। दानदाता ब्रजनंदन सिंह के वंशज होने का दावा करने वाले संदीप कुमार सिंह उर्फ गोपाल सिंह का कहना है कि विद्यालय की जमीन और भवन उनके दादा ने दान में दिया था। उन्होंने इस संबंध में शिक्षा विभाग को आवेदन भी दिया है। उनका आरोप है कि वर्तमान में विद्यालय की जमीन और भवन की सही तरीके से देखरेख नहीं हो रही है, जिससे स्थिति धीरे-धीरे जर्जर होती जा रही है। वहीं, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य मनीष कुमार ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। उनका कहना है कि विद्यालय की जमीन और भवन चंदे के पैसे से खरीदे और बनाए गए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग की ओर से पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद चौरसिया और उनके बेटे दीपक चौरसिया को दानदाता सदस्य बनाया गया है, जबकि कमिटी के सदस्यों का मनोनयन शिक्षा विभाग ने किया है। प्रभारी प्राचार्य ने कहा कि बेवजह संजीव चौरसिया MLA को इसमें जोड़ा जा रहा है। उनका इस विद्यालय से कोई लेना देना नहीं है। वह मेंबर भी नहीं हैं।

प्राचार्य ने दावा किया कि वर्ष 1928 से विद्यालय संचालित हो रहा है, लेकिन इतने वर्षों में किसी ने दानदाता या जमीन को लेकर ऐसी दावेदारी नहीं की। अब अचानक दावेदारी सामने आना विद्यालय पर कब्जे की कोशिश है। उन्होंने बताया कि संबंधित लोगों से जमीन के दस्तावेज मांगे गए, लेकिन उपलब्ध नहीं कराए गए। इस संबंध में DEO को भी पत्र भेजा गया है। विद्यालय प्रबंधन ने आर्थिक अनियमितता के आरोपों को भी खारिज किया है। प्राचार्य के अनुसार छात्रों से मिलने वाली फीस अब बैंक खाते में जमा होती है। कक्षा 9वीं से 12वीं तक करीब 1377 छात्र पढ़ते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि 1994 से पहले से वे विद्यालय में कार्यरत हैं और वरिष्ठता के आधार पर प्रभारी प्राचार्य की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। फिलहाल दोनों पक्षों के दावों के बीच विद्यालय की जमीन, भवन और कमिटी की वैधता को लेकर विवाद बना हुआ है। मामले में शिक्षा विभाग के स्तर से स्थिति स्पष्ट होने का इंतजार है।

युवक को घर में घुसकर मारी गोली एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य

एजेंसी, पटना

पटना जिले के बिक्रम थाना क्षेत्र के उदरचक गांव में मंगलवार देर रात अपराधियों ने घर में घुसकर 28 वर्षीय युवक अमित कुमार को चार गोलियां मार दीं। गंभीर रूप से घायल अमित को इलाज के लिए पटना के पारस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है।

तीन हथियारबंद अपराधी घर में घुसे: जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात करीब 11:30 बजे तीन हथियारबंद अपराधी अमित कुमार के घर में घुस गए। इसके बाद उन्होंने अमित पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से अमित गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। वारदात के बाद तीनों अपराधी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए।

CHC से पटना किया गया रेफर: घटना के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बिक्रम थाना पुलिस ने घायल अमित को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बिक्रम पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए पटना रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उसे पारस अस्पताल ले गए, जहां उसका इलाज चल रहा है।

पहले से मिल रही थी धमकी: परिजनों ने पुलिस को दिए आवेदन में बताया है कि मसौढ़ी थाना क्षेत्र के कुछ लोगों की ओर से अमित को पहले से फोन पर धमकी दी जा रही थी। परिजनों को आशंका है कि पुराने विवाद के चलते ही इस हमले को अंजाम दिया गया है। हालांकि, घटना की वास्तविक वजह पुलिस जांच के बाद स्पष्ट होगी।

मौके से चार खोखे बरामद: बुधवार को परिजनों ने बिक्रम थाना में लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल टीम को भी बुलाया गया। बिक्रम थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। घटनास्थल से चार गोलियों के खोखे बरामद किए गए हैं।

वारदात के बाद गांव में दहशत: घर में घुसकर हुई गोलीबारी की घटना के बाद उदरचक गांव और आसपास के इलाके में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने पुलिस से जल्द से जल्द आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी करने की मांग की है।

नेपाल की बाढ़ से गंडक नदी में अचानक पानी बढ़ा

एजेंसी, पटना

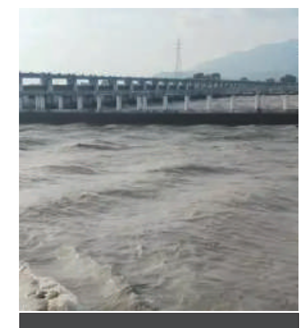

♦ बैराज के 36 गेट खोले गए, मोतिहारी-गोपालगंज समेत बिहार के 8 जिलों में हाई अलर्ट

नेपाल के रसुवा जिले में बाढ़ से तबाही के बाद बिहार की गंडक नदी में अचानक पानी बढ़ गया। बिहार के बागहा स्थित गंडक बैराज के 36 गेट खोल दिए गए हैं। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, इस बाढ़ के बाद गंडक में 3 मीटर ऊंची लहरें उठ सकती हैं, फ्लैश फ्लड आने की भी आशंका है। बिहार के 8 जिलों में हाईअलर्ट जारी किया गया है। ये जिले पश्चिमी चंपारण (बगहा), पूर्वी चंपारण (मोतिहारी), गोपालगंज, सारण, मुजफ्फरपुर, वैशाली, सीतामढ़ी और शिवहर हैं। बिहार के CM सम्राट चौधरी ने अधिकारियों के साथ बैठक की। अधिकारियों को अलर्ट रहने और स्थिति पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने CM सम्राट चौधरी को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए NDRF को भी तैनात किया जा रहा है।

बगहा में अलर्ट जारी किया गया: बगहा में SP राकेश कुमार कहा है कि बगहा में गंडक के किनारे बसे गांवों में बाढ़ आने की आशंका है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए कि आपातकालीन स्थिति के लिए तैयार रहें। वहीं तरनजोत सिंह ने कहा कि पैनिक होने की जरूरत नहीं है। स्थिति पर नजर रखी जा रही है। वाल्मीकिनगर गंडक बराज पर फ्लड का पानी शाम करीब 7 बजे पहुंचने की संभावना है।

कोल्ड ड्रिंक ठंडी नहीं मिली तो दुकानदार को मारा चाकू

एजेंसी, पटना

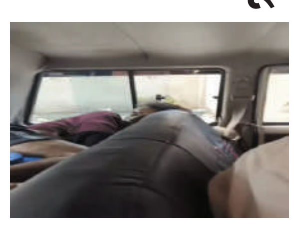

❒ बचाने आए दोस्त को भी किया घायल, दोनों पीएमसीएच रेफर आरोपी गिरफ्तार

पटना के श्रीकृष्णापुरी इलाके में कोल्ड ड्रिंक को लेकर हुए विवाद में चाकूबाजी की घटना सामने आई है। इस घटना में दुकानदार नीतीश और उसका दोस्त निशांत घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए पहले गार्डिनर अस्पताल ले जाया गया, जहां से PMCH रेफर कर दिया गया है। घटना कस्तूरबा पथ नाला के पास शिव मंदिर से लगे एक दुकान पर हुई।

कोल्ड ड्रिंक ठंडी नहीं थी तो मारा चाकू: जानकारी के मुताबिक, आरोपी ग्राहक बनकर दुकान पर आया था। उसने एक कोल्ड ड्रिंक खरीदी, लेकिन वह ठंडी नहीं थी। इससे नाराज होकर आरोपी ने कोल्ड ड्रिंक वापस करने और पैसे लौटाने की मांग की। उसका दुकानदार नीतीश से विवाद हो गया। देखते ही देखते आरोपी ने चाकू निकाल लिया और नीतीश पर हमला कर दिया। नीतीश को बचाने के लिए उसका दोस्त निशांत बीच में आया, लेकिन आरोपी ने उस पर भी चाकू से हमला कर दिया। चाकूबाजी में एक युवक के पेट और दूसरे की पीठ में चाकू लगा है। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। श्रीकृष्णापुरी थानेदार जितेंद्र राणा ने बताया, 'आरोपी को पकड़ लिया गया है। घटना के दौरान स्थानीय लोगों ने आरोपी की भी पिटाई कर दी थी। उसे प्राथमिक उपचार के लिए गार्डिनर अस्पताल भेजा गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए दोनों को PMCH भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिक्रम में छह कट्ठा जमीन के लिए मर्डर, विवादित जमीन पर मकान बनाने को लेकर भिड़े दो पक्ष

एजेंसी, पटना

❒ मारपीट में एक की मौत, आरोपी फरार

पटना जिले के पालीगंज अनुमंडल के बिक्रम थाना क्षेत्र के जमालपुर गांव में बुधवार को जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान चंद्रभूषण यादव के रूप में हुई है। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

विवादित जमीन पर मकान निर्माण को लेकर विवाद: जानकारी के अनुसार, चंद्रभूषण यादव और सतीश यादव के बीच पिछले कई महीनों से 6 कट्ठा जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। बुधवार को चंद्रभूषण इसी विवादित जमीन पर मकान निर्माण का काम शुरू कर रहे थे। इसी दौरान सतीश यादव और उसके परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए। दोनों पक्षों के बीच पहले कहासुनी हुई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। मारपीट में चंद्रभूषण यादव गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन और स्थानीय लोग उन्हें इलाज के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

मौत की सूचना पर पहुंची पुलिस और FSL टीम: घटना की सूचना मिलते ही बिक्रम थाना पुलिस मौके पर पहुंची। मामले की गंभीरता को देखते हुए पटना से FSL टीम को भी बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए और घटना के कारणों की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेज दिया है।

मुख्य आरोपी समेत सभी फरार: पालीगंज अनुमंडल डीएसपी-2 पंकज शर्मा ने बताया, 'जमालपुर गांव में 6 कट्ठा जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हुई थी, जिसमें चंद्रभूषण यादव की मौत हुई है। उन्होंने बताया, 'प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि चंद्रभूषण विवादित जमीन पर मकान निर्माण शुरू कर रहे थे। इसी दौरान दोनों पक्षों में मारपीट हुई। घटना के बाद मुख्य आरोपी समेत अन्य लोग फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही है।'

पुलिस के मुताबिक, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और FSL जांच के बाद घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की स्थिति और स्पष्ट होगी। फिलहाल पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। मृतक की पहचान जमालपुर गांव निवासी बैकुंठ यादव का 45 वर्षीय पुत्र चंद्रभूषण यादव के रूप में हुई है जो एक पेशे से किसान थे। सतीश यादव और चंद्रभूषण यादव दोनों पटीदार है। दोनों को 6 कट्ठा जमीन हिस्सा में दिया गया था।

आज चंद्रभूषण यादव अपने हिस्से वाले जमीन में घर का निर्माण कार्य शुरू कर रहे थे। इसी को लेकर सतीश यादव और उसके परिवार के लोगों को शक हुआ कि वे लोग उनके हिस्से के भी जमीन को अपने हिस्से में लेकर घर बना रहे हैं। इसी विवाद को लेकर सतीश यादव उसका पुत्र आकाश यादव आर्यन और उसके अन्य परिवार के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और विवाद शुरू हुआ। दोनों के बीच मारपीट हुई ईट पत्थर चले। जिसमें चंद्रभूषण यादव को गंभीर सर में चोट लगी। इसके बाद उन्हें अस्पताल लाया गया। इलाज के क्रम में मौत हो गई। इधर घटना के बाद सतीश यादव और उसका पूरा परिवार फरार है।दोनों पक्षों में एक दर्जन से अधिक लोग मौके पर पहुंचे थे जिसके बाद विवाद और बढ़ गया।

पटना जंक्शन पर लूटेरा गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस को देखकर भागने लगे, घेराबंदी कर 8 चोरों को दबोचा

एजेंसी, पटना

पटना जंक्शन पर यात्रियों को निशाना बनाने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। रेल पुलिस ने इस मामले में आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी के सात मोबाइल फोन और चांदी के जेवर बरामद किए गए हैं। यह कार्रवाई मंगलवार को स्टेशन परिसर में निगरानी के दौरान की गई। बरामद मोबाइल फोन रियलमी, वीवो और रेडमी कंपनियों के हैं। चांदी के जेवरों में बाजूबंद, पायल, चूड़ी और लॉकेट शामिल हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इन बरामद सामानों को किन यात्रियों से चुराया गया था।

पुलिस को देखकर भागने लगे, घेराबंदी कर दबोचा: रेल पुलिस के मुताबिक, मंगलवार को स्टेशन परिसर में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान प्लेटफॉर्म संख्या 4-5 के पश्चिमी छोर पर आठ युवक एक साथ बातचीत करते दिखे। पुलिस टीम को अपनी ओर आता देख सभी संदिग्ध भागने लगे, जिसके बाद पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से चोरी के मोबाइल फोन और चांदी के जेवर मिले।

चोर गरोह के 8 लोगों को किया गिरफ्तार: गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पटना निवासी सुमित कुमार, मो. ताजू, सिट्टू कुमार, मो. इरशाद आलम और सुनील कुमार के रूप में हुई है। इनके अतिरिक्त, नालंदा के राहुल कुमार, सीतामढ़ी के रूपेश कुमार और अरवल के रोहित कुमार भी पकड़े गए हैं। इस कार्रवाई के बाद स्टेशन परिसर में सक्रिय चोर गिरोहों को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है। पुलिस सभी आरोपियों के आपसी संबंध और गिरोह में उनकी भूमिका की जांच कर रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि ये लोग कब से स्टेशन और आसपास के इलाकों में सक्रिय थे।

फोन और जेवर के मालिकों का पता लगा रही पुलिस: पुलिस अब मोबाइल फोन और जेवर के मालिकों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए बरामद मोबाइल के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ और तकनीकी जांच के जरिए चोरी की अन्य घटनाओं का भी खुलासा हो सकता है।

भीड़ में यात्रियों को बनाते थे निशाना: पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि भीड़भाड़ का फायदा उठाकर यात्रियों के मोबाइल और जेवर चोरी करने की बात स्वीकार की है। पुलिस के मुताबिक, रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की आवाजाही अधिक होने के कारण आरोपी भीड़ में घुसकर वारदात को अंजाम देते थे। इसके बाद सामान लेकर चंपत हो जाते थे। रेल पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह के साथ और कितने लोग जुड़े हैं। साथ ही पटना जंक्शन के अलावा दूसरे रेलवे स्टेशनों पर भी इनके सक्रिय होने की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में से सभी या कुछ आरोपियों के खिलाफ रेल थाना समेत विभिन्न थानों में पहले से कई मामले दर्ज हैं।

'सरकार सुन रही समस्याएं समय पर होगा समाधान'

एजेंसी, पटना

बिहार में छात्रों के आंदोलन को लेकर सियासत तेज हो गई है। जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय झा ने छात्र आंदोलन को लेकर कहा कि छात्रों की अपनी समस्याएं हैं और सरकार उनकी समस्याओं को सुन रही है। उन्होंने भरोसा दिया कि छात्रों की सभी समस्याओं का समय पर समाधान किया जाएगा। संजय झा ने कहा कि कुछ लोग आंदोलन को राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकार छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से ले रही है और समय आने पर सभी मुद्दों पर फैसला किया जाएगा। फरक्का संधि को लेकर संजय झा ने राष्ट्रीय जनता दल पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा, 'आज आरजेडी के लोग इस मुद्दे पर प्रवचन दे रहे हैं। उन्हें बताना चाहिए कि 1996 में जब यह संधि हुई थी, तब बिहार में किसकी सरकार थी और मुख्यमंत्री कौन थे? उन्होंने स्पष्ट कहा कि जदयू फरक्का संधि के खिलाफ है। केंद्र सरकार से भी इस संधि को आगे नहीं बढ़ाने के लिए कहा गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि फरक्का संधि से बिहार का अहित हुआ है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की सरकार की ओर से महिला सशक्तिकरण को लेकर लिए जा रहे तीन बड़े फैसलों पर भी संजय झा ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं के लिए नीतीश कुमार ने जो काम किया है, उसका इतिहास लिखा जाएगा।

नेपाल में आई बाढ़ के बाद बिहार में लोग सतर्क रहें, घबराएं नहीं : विजय चौधरी

एजेंसी, पटना

नेपाल में आई बाढ़ के बाद बिहार में भी बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री सह जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि अगले पांच-छह घंटे से लेकर पूरी रात बिहार में अलर्ट रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समस्या पहले की तुलना में बड़ी है, लेकिन फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और सरकार पूरी स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

विजय कुमार चौधरी ने बताया कि गंडक नदी पर दबाव बढ़ने की आशंका है। वाल्मीकिनगर बराज तक नेपाल से आने वाले पानी को पहुंचने में करीब दो से तीन घंटे लग सकते हैं। संभावित स्थिति को देखते हुए सरकार ने बाढ़ राहत कार्यों के लिए अतिरिक्त टीमों की तैनाती की है। राहत कार्य में इस्तेमाल होने वाली आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध करा दी गई है। उन्होंने बताया कि नेपाल सरकार की ओर से स्थिति का आकलन कर भारत को जानकारी दी गई है। नेपाल के तिब्बत प्रभाग में ग्लेशियर फटने के कारण पानी तेजी से बढ़ रहा है। यह पानी त्रिशूली नदी के रास्ते देवघाट और उसके बाद गंडक नदी में पहुंचेगा। हालांकि राहत की बात यह है कि फिलहाल गंडक नदी का जलस्तर अपेक्षाकृत कम है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा आकलन के अनुसार करीब ढाई लाख क्यूसेक पानी गंडक बराज से गुजरने की संभावना है। पानी तेजी से बिहार की ओर आने की आशंका को देखते हुए जल संसाधन विभाग लगातार स्थिति की निगरानी कर रहा है।

चिराग ने राजू तिवारी को प्रदेश अध्यक्ष से हटाया, सुरेंद्र विवेक को बिहार की कमान

एजेंसी, पटना

चिराग पासवान ने अपनी पार्टी लोजपा (रामविलास) के बिहार और झारखंड सहित कई राज्यों में प्रदेश अध्यक्ष बदल दिए हैं। राजू तिवारी से अब बिहार की कमान ले ली गई है। एलजेपी (आर) ने सुरेंद्र विवेक को अब बिहार प्रदेश का नया अध्यक्ष बनाया है। राजू तिवार को अब राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया है। वे पिछले 5 साल से इस पद पर थे। सुरेंद्र विवेक बेगूसराय के साहेबपुर कमाल विधानसभा क्षेत्र से 2 बार पार्टी के कैंडिडेट रह चुके हैं। ये भूमिहार समाज से आते हैं। राजू तिवारी को राष्ट्रीय कार्यसमिति में महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। देश के 8 राज्यों में आने वाले समय में चुनाव से पहले चिराग पासवान ने ये बदलाव किया है। सुरेंद्र विवेक इससे पहले प्रदेश प्रवक्ता और प्रदेश कोषाध्यक्ष की भूमिका निभा चुके हैं।

बेगूसराय जिले में इनकी पहचान एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर रही है। कुछ साल पहले सुरेंद्र विवेक को पार्टी ने बिहार चुनाव अभियान का प्रमुख भी बनाया था। नई कार्यकारिणी में युवाओं, महिलाओं और जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं को खास प्रतिनिधित्व दिया गया है। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि संगठन में उन कार्यकर्ताओं पर भरोसा जताया गया है, जिन्होंने लगातार जमीन पर काम कर पार्टी को मजबूत करने में भूमिका निभाई है।

चिराग पासवान राष्ट्रीय अध्यक्ष, केंद्रीय संसदीय बोर्ड के चेयरमैन भी: चिराग पासवान को राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय संसदीय बोर्ड का चेयरमैन बनाया गया है। उनके साथ ललित कुमार गौतम, हरमीत सिंह और एडवोकेट सरदार तारा सिंह को स्थायी आमंत्रित सदस्य बनाया गया है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्षों की जिम्मेदारी मनीषंकर पांडेय, मोहम्मद शमीम एम. हवा, वीरेंद्र प्रधान, कुंवर आसिम खान, डॉ. सत्यनंद शर्मा और डॉ. कामला कुमारी को दी गई है। वहीं, अब्दुल खालिक को राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है। राजेश वर्मा, सांसद को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। राष्ट्रीय महासचिव के तौर पर मिथिलेश कुमार सिंह, राजू तिवारी, वीणा देवी, अजय कुमार, पंकज अरोड़ा, डॉ. केपी चौधरी, वीरेंद्र बिधूड़ी, डॉ. सुखातो ए. सेमा, धीरेंद्र कुमार सिन्हा 'मुन्ना', अशरफ अंसारी, अरविंद कुमार सिंह और सी. विद्याधरन को जिम्मेदारी मिली है।

पांच दिन में विधायक जयराम महतो की गिरफ्तारी नहीं हुई तो राज्यभर में आंदोलन करेगा झारखंड पुलिस एसोसिएशन

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : धनबाद के बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार के साथ कथित फोन पर गाली-गलौज और धमकी देने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने डुमरी विधायक जयराम महतो समेत अन्य आरोपितों के खिलाफ दर्ज मामले में शीघ्र कार्रवाई और गिरफ्तारी की मांग की है। एसोसिएशन ने चेतावनी दी है कि यदि पांच दिनों के भीतर गिरफ्तारी नहीं हुई तो राज्यभर के पुलिस पदाधिकारी और पुलिसकर्मी आंदोलन करेंगे।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन ने सरकार और पुलिस प्रशासन से मामले में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। संगठन की धनबाद शाखा ने घटना के विरोध में पुलिसकर्मियों द्वारा काला बिल्ला लगाकर ड्यूटी करने और ड्यूटी पर नहीं लौटने के निर्णय के लिए केंद्रीय संगठन से अनुमति मांगी है। एसोसिएशन ने कहा है कि पांच दिन के भीतर विधायक जयराम महतो और अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो राज्य की सभी शाखाओं के पदाधिकारी एवं सदस्य सामूहिक रूप से आंदोलन करेंगे।

झारखंड पुलिस एसोसिएशन के केंद्रीय अध्यक्ष राहुल कुमार मुर्मू ने बताया कि 25 अगस्त को धनबाद पुलिस एसोसिएशन, शाखा-धनबाद के पत्र के माध्यम से उन्हें घटना की जानकारी मिली। एसोसिएशन के अनुसार, 21 अगस्त की रात बरवाअड्डा थाना प्रभारी रवि कुमार को जयराम महतो ने फोन किया और कथित तौर पर धमकी दी कि उनका तबादला कराने के बावजूद राज्य के जिस थाने में वह रहेंगे, वहां उनकी नौकरी बर्बाद कर दी जाएगी।

एसोसिएशन का आरोप है कि फोन पर कथित धमकी के बाद देर रात विधायक अपने समर्थकों के साथ बरवाअड्डा थाना पहुंचे। इस दौरान थाना प्रभारी की टेबल पर रखे सामान को इधर-उधर किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। पुलिस एसोसिएशन ने इसे पुलिस पदाधिकारी के सम्मान और गरिमा को ठेस पहुंचाने वाला कृत्य बताया है।

पुलिस एसोसिएशन के मुताबिक, घटना को लेकर बरवाअड्डा थाना में कांड संख्या 146/26, दिनांक 22 अगस्त 2026 को भारतीय न्याय संहिता की धारा 221, 224, 132, 351(2), 352 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले में विधायक जयराम महतो समेत करीब 10 लोगों को आरोपित बनाया गया है।

एसोसिएशन का कहना है कि प्राथमिकी दर्ज होने के बावजूद अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। संगठन ने पुलिस पदाधिकारियों और पुलिसकर्मियों के सम्मान एवं गरिमा की रक्षा को अपना दायित्व बताते हुए आरोपितों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

एसोसिएशन ने विधायक जयराम महतो की ओर से सोशल मीडिया और प्रेस के माध्यम से पुलिसकर्मियों के खिलाफ लगातार की जा रही कथित बयानबाजी पर भी आपत्ति जताई है। संगठन के अनुसार, विधायक की ओर से पुलिसकर्मियों के प्रति आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल करते हुए वीडियो जारी किए जा रहे हैं।

एसोसिएशन का कहना है कि इस तरह की बयानबाजी से पुलिस पदाधिकारियों और कर्मचारियों के सम्मान एवं गरिमा को ठेस पहुंच रही है। संगठन ने यह भी आरोप लगाया है कि विधायक की ओर से बरवाअड्डा थाना प्रभारी को ऑफ ड्यूटी पीटने की बात कही गई है।

पुलिस एसोसिएशन ने ऐसी कथित बयानबाजी से थाना प्रभारी रवि कुमार और अन्य पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। संगठन का कहना है कि इस तरह के बयानों से पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों के जान-माल को नुकसान पहुंचने की आशंका है।

एसोसिएशन ने सरकार और पुलिस प्रशासन से मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपितों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की मांग की है। साथ ही स्पष्ट किया है कि पांच दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो राज्यभर के पुलिसकर्मी सामूहिक आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

कुख्यात अपराधी रियाज़ हुआ जिला बदर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़ : रामगढ़ जिले से कुख्यात अपराधी रियाज अंसारी को जिला बदल कर दिया गया है। एसपी मुकेश कुमार लुनायत की अनुशंसा पर डीसी ऋतुराज ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की है। इसके साथ ही तीन अपराधियों को हर सप्ताह हाज़िरी लगाने का निर्देश दिया है। जिला प्रशासन की इस कार्रवाई से अपराधियों में हड़कंप मचा हुआ है।

डीसी के न्यायालय में झारखंड अपराध नियंत्रण अधिनियम 2002 के तहत वैसे अपराधियों जो कि जेल से छूटकर आने पर अपने घर पर न रहकर बाहर से ही व्यावसाईयों एवं ठेकेदारों से रंगदारी की मांग कर रहे हैं पर सख्त कार्रवाई की। अपराधी धमकी देने, विभिन्न स्रोतों से खबर भिजवाकर या खुद जाकर अपने प्रभाव क्षेत्र के ठेकेदारों व्यवसाईयों, ट्रांसपोर्टरों तथा सीसीएल के पदाधिकारियों, कर्मियों को लेवी के लिए भयभीत करने का कार्य करते हैं। डीसी ने बताया कि अपराधकर्मी निशांत सिंह, प्रभात कुमार सिंह उर्फ सिक्कू सिंह और गुलशन कुमार सिंह को आगामी 3 महीने के लिए प्रत्येक सप्ताह में एक दिन थाना के समक्ष हाजिरी लगाने के लिए आदेश दिया गया है। यदि कोई अनुज्ञप्ति आधारित शस्त्र है तो अविलंब उसे स्थानीय थाने में जमा करना होगा एवं इस अवधि में किसी भी स्थिति में शस्त्र धारित नहीं करना होगा।

इसके अलावा डीसी की ओर से कुख्यात अपराधी रियाज अंसारी को 3 महीने तक रामगढ़ जिला क्षेत्राधिकार से निष्कासित (जिला बदर) किया गया है। आरोपित को आदेश पारित होने के 24 घंटे के अंदर जिले की सीमा को छोड़ना होगा । यदि कोई अनुज्ञप्ति लाइसेंस आधारित शस्त्र है तो अविलंब उसे स्थानीय थाने में जमा कराएंगे एवं इस अवधि में किसी भी स्थिति में शस्त्रधारित नहीं करेंगे।

थानेदार के घर काम कर रही नाबालिग को बालिका गृह भेजने पर मां ने एसपी से मांगी जांच

राष्ट्रीय मुख्यधारा

चतरा : नाबालिग बच्ची को महिला थाना प्रभारी के घर से कथित रूप से रेस्क्यू कर बालिका गृह में रखे जाने का मामला अब तूल पकड़ने लगा है। बच्ची की मां ने चतरा के पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर बेटी को वापस दिलाने और पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। आवेदन में महिला थाना प्रभारी फिरदोस नाज के घर में बच्ची के रहने और बाद में वहां से उसे ले जाने से जुड़े घटनाक्रम का उल्लेख किया गया है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, वह महिला थाना प्रभारी के घर में घरेलू काम करती थी और इसी दौरान उसकी नाबालिग बेटी भी उसके साथ रहने लगी थी। महिला का कहना है कि बच्ची घरेलू काम नहीं करती थी और उसे मां के साथ रहने की अनुमति थी। आवेदन के मुताबिक, 23 अगस्त की शाम करीब सात बजे उसे बेटी के संबंध में फोन पर जानकारी मिली। बाद में बच्ची को किसी अन्य स्थान से लाकर महिला थाना प्रभारी के घर छोड़े जाने की बात सामने आई।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इसके बाद कुछ लोग महिला थाना प्रभारी के घर पहुंचे और बच्ची को अपने साथ ले जाने लगे। इसी दौरान बच्ची को कथित रूप से घर से बाहर निकाला गया। बाद में बाल कल्याण समिति के दो सदस्यों द्वारा बच्ची को संरक्षण में लिए जाने और बालिका गृह भेजे जाने की बात आवेदन में कही गई है। हालांकि, आवेदन में रेस्क्यू करने वाले सदस्यों के नाम और कार्रवाई की विस्तृत प्रक्रिया का स्पष्ट उल्लेख नहीं है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, 24 अगस्त को वह बेटी से मिलने संबंधित बाल संरक्षण संस्था पहुंची। शुरुआत में उसे बच्ची से मिलने में परेशानी हुई और बाद में शाम करीब पांच बजे मुलाकात हो सकी। महिला का आरोप है कि वह बेटी को अपने साथ घर ले जाना चाहती थी, लेकिन उसे साथ ले जाने की अनुमति नहीं दी गई। उसने दावा किया कि बच्ची इस घटनाक्रम से भयभीत है और उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध मां से अलग किया गया है।

महिला ने पुलिस अधीक्षक से बच्ची को संरक्षण में लेने की पूरी प्रक्रिया, उसकी वर्तमान स्थिति और महिला थाना प्रभारी के घर में उसके रहने से जुड़े घटनाक्रम की जांच कराने की मांग की है। साथ ही उसने बेटी को उसके सुपुर्द करने का अनुरोध किया है। मामले में लगाए गए आरोप शिकायतकर्ता के आवेदन पर आधारित हैं और उनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। महिला थाना प्रभारी फिरदोस नाज, बाल कल्याण समिति या रेस्क्यू में शामिल सदस्यों का आधिकारिक पक्ष सामने आने के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। नाबालिग बच्ची और उसकी मां की पहचान सार्वजनिक नहीं की जा रही है।

मारे गए नक्सली भी फरारी सूची में, तीन जिलों में पुलिस की जांच

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू : पलामू, गढ़वा और लातेहार जिलों में पुलिस की फरारी सूची को लेकर जांच में गंभीर लापरवाही सामने आई है। कई मामलों में मुठभेड़ में मारे जा चुके, गिरफ्तार हो चुके या आत्मसमर्पण कर चुके नक्सलियों के नाम अब भी फरारी सूची में दर्ज हैं। कुछ ऐसे अपराधियों के नाम भी सूची में पाए गए हैं, जो फिलहाल जेल में बंद हैं। मामले का खुलासा पलामू रेंज के डीआईजी किशोर कौशल के बरवाडीह थाना निरीक्षण के दौरान हुआ।

डीआईजी ने इसके बाद तीनों जिलों में फरारी सूची की समीक्षा शुरू करने का निर्देश दिया है। सभी थाना प्रभारियों के कामकाज की भी जांच की जा रही है। इसमें यह देखा जाएगा कि उनके कार्यकाल के दौरान कितने फरार नक्सली और अपराधी गिरफ्तार हुए, कितनों ने आत्मसमर्पण किया या मुठभेड़ में मारे गए और इसके बाद फरारी सूची को कितना अपडेट किया गया। लापरवाही मिलने पर संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

किशोर कौशल ने बताया कि जांच के दौरान ऐसे कई नाम सामने आए हैं, जो गिरफ्तार हो चुके हैं, आत्मसमर्पण कर चुके हैं या मुठभेड़ में मारे जा चुके हैं, लेकिन अब भी फरारी सूची में दर्ज हैं। उन्होंने तीनों जिलों के एसपी को सूची को दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही वर्षों से फरार चल रहे अपराधियों और नक्सलियों की गिरफ्तारी के लिए थाना प्रभारियों को विशेष टास्क दिया गया है।

पुलिस अब आठ से दस साल पुराने उन मामलों की भी समीक्षा कर रही है, जिनमें आरोपी अब तक फरार हैं। ऐसे आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए तीनों जिलों में अभियान चलाने की तैयारी है। पुलिस उन आरोपियों की भी तलाश करेगी, जो अपना घर छोड़कर दूसरे स्थानों पर चले गए हैं। इसके लिए पुराने मामलों और फरार आरोपियों की सूची तैयार की जा रही है।

पलामू रेंज में नक्सल गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान के बाद इनामी नक्सलियों की संख्या में भी कमी आई है। वर्ष 2015-16 में रेंज में 53 से अधिक इनामी नक्सली कमांडर थे, जिनकी संख्या 2019 तक घटकर 18 और वर्ष 2026 में सात रह गई है। पुलिस के अनुसार, वर्ष 2015 के बाद पलामू, गढ़वा और लातेहार में चलाए गए अभियानों के दौरान बड़ी संख्या में नक्सली गिरफ्तार हुए या उन्होंने आत्मसमर्पण किया। इसी अवधि में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में 31 से अधिक नक्सली मारे गए हैं।

"जांच के दौरान देखा गया है कई नाम फरारी सूची में शामिल हैं जो पकड़े गए हैं, सरेंडर कर चुके हैं या मुठभेड़ में मारे गए हैं. सूची को लेकर तीनों जिलों के एसपी को निर्देश दिए गए हैं. फरार अपराधियों और नक्सलियों के मामले में सभी थाना प्रभारी के कार्यों की समीक्षा होगी. थाना प्रभारियों ने अपने कार्यकाल में कितने फरारियों के खिलाफ कार्रवाई की है. वर्षों से फरार अपराधियों और आरोपियों को लेकर भी टास्क दिया गया है." - किशोर कौशल, डीआईजी, पलामू

संक्षिप्त समाचार

जेल कक्षपाल भर्ती का वॉक-इन इंटरव्यू 30 सितंबर को

रांची । झारखंड के जेलों में कक्षपाल और महिला कक्षपाल के 186 पदों पर संविदा आधारित भर्ती के लिए दुमका में होने वाले वॉक-इन इंटरव्यू की तारीख बदल दी गई है। पहले इंटरव्यू 3 सितंबर 2026 को होना था, जिसे अब 30 सितंबर 2026 को आयोजित किया जाएगा। कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं निरीक्षणालय ने 25 अगस्त को इस संबंध में सूचना जारी की है। महानिरीक्षक कारा एवं सुधारात्मक सेवाएं सुदर्शन प्रसाद मंडल ने बताया कि दुमका केंद्रीय कारा के अधीक्षक के अनुरोध पर इंटरव्यू की तारीख में बदलाव किया गया है। यह भर्ती भूतपूर्व सैनिकों और अर्द्धसैनिक बलों के पूर्व जवानों के लिए संविदा के आधार पर की जा रही है। इसके लिए विभाग ने 25 जून 2026 को विज्ञापन संख्या 04/जेल/2026 जारी किया था। विभाग के अनुसार, इंटरव्यू की तारीख में बदलाव के अलावा भर्ती से संबंधित विज्ञापन की अन्य सभी शर्तें पहले की तरह लागू रहेंगी।।

नौकरी का झांसा देकर शोषण का आरोप, होमगार्ड जवान गिरफ्तार

हजारीबाग । होमगार्ड में नौकरी दिलाने का झांसा देकर संपर्क बढ़ाने और आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लंबे समय तक शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव डालने के आरोप में मुफस्सिल थाना पुलिस ने एक होमगार्ड जवान को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान इचाक थाना क्षेत्र के कारीमाटी गांव निवासी बालेश्वर कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने पूछताछ और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मुफस्सिल थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह के अनुसार, महिला ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि बालेश्वर कुमार ने होमगार्ड में नौकरी लगवाने का भरोसा देकर उससे संपर्क किया था। महिला का आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने उसका आपत्तिजनक वीडियो बना लिया और उसे वायरल करने की धमकी देकर शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव डालने लगा। शिकायतकर्ता के अनुसार, विरोध करने पर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। महिला ने आरोप लगाया कि करीब दो वर्षों तक कथित रूप से धमकी और दबाव का सिलसिला चलता रहा। इससे परेशान होकर उसने मुफस्सिल थाना में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर बालेश्वर कुमार को गिरफ्तार किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपों से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जा रही है।

रेलवे ट्रैक पर युवक का सिर कटा शव मिला

बोकारो : रेलवे स्टेशन से करीब पांच किलोमीटर दूर बालीडीह थाना क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर बुधवार को एक युवक का सिर कटा शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर बोकारो जीआरपी और बालीडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। प्रारंभिक आशंका है कि युवक ट्रेन की चपेट में आया होगा, हालांकि पुलिस ने मौत के कारण की पुष्टि नहीं की है।

बोकारो जीआरपी थाना के इंस्पेक्टर अमरेंद्र प्रसाद ने बताया कि घटनास्थल बालीडीह थाना क्षेत्र में आता है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आसपास के इलाके की जांच की और आवश्यक साक्ष्य जुटाए। मृतक की पहचान 22 वर्षीय संदीप कुमार के रूप में हुई है, जो बिहार के जमुई जिले के धर्मपुर गांव का निवासी था और फिलहाल बोकारो में रह रहा था।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक प्रक्रिया शुरू कर दी है और परिजनों को सूचना देने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि हादसा ट्रेन की चपेट में आने से हुआ या मौत के पीछे कोई अन्य कारण है, यह जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से भी मौत के कारण की जानकारी मिलने की उम्मीद है। जीआरपी और बालीडीह थाना पुलिस सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है।।

चार एकड़ जमीन के लिए चाचा की हत्या, मां-बेटा गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

गढ़वा : डंडई थाना क्षेत्र के करके गांव में जमीन के विवाद को लेकर एक व्यक्ति की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मामले का खुलासा घटना के करीब चार घंटे के भीतर करते हुए मृतक राजेंद्र की भाभी मिला देवी और उसके बेटे मुन्नू यादव को गिरफ्तार किया है। दोनों पर राजेंद्र की हत्या की साजिश रचने और वारदात को अंजाम देने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार, राजेंद्र के नाम करीब चार एकड़ जमीन थी और उसकी दो बेटियां हैं। आरोपियों को कथित तौर पर आशंका थी कि राजेंद्र की मौत के बाद उसकी जमीन पर उनका अधिकार हो जाएगा। इसी लालच में मिला देवी और मुन्नू यादव ने राजेंद्र की हत्या की योजना बनाई। बताया गया कि पूर्व नियोजित साजिश के तहत मां-बेटे ने राजेंद्र की गला घोंटकर हत्या कर दी और शव को गांव के मकई के खेत में फेंक दिया। खेत में शव मिलने की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर जांच शुरू की।

गढ़वा एसडीपीओ दिल्लू लोहार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह जमीन विवाद सामने आई है। पुलिस ने संदेह के आधार पर मिला देवी और मुन्नू यादव को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें दोनों ने कथित तौर पर हत्या की बात स्वीकार की। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

दिनदहाड़े चेन स्नैचिंग, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

राष्ट्रीय मुख्यधारा

कोडरमा : जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में चेन स्नैचरों के हौसले एक बार फिर बुलंद नजर आए। बुधवार को अड्डी बंग्ला इलाके में बाइक सवार दो बदमाशों ने दिनदहाड़े एक महिला के गले से सोने की चेन झपट ली और फरार हो गए। घटना उस समय हुई, जब महिला टोटो से उतरकर घर के अंदर जाने वाली थीं। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

जानकारी के अनुसार झुमरीतिलैया निवासी संगीता जैन बुधवार को अड्डी बंग्ला निवासी अजय जैन के घर खाना लेकर पहुंची थीं। जैन गुरु सुयश सागर जी महाराज के आगमन को लेकर उनके भोजन की व्यवस्था अजय जैन के घर की गई थी। संगीता जैन अपने जन्मदिन के अवसर पर गुरुजी को अपने हाथों से बनाया भोजन खिलाने के लिए वहां पहुंची थीं।

बताया जाता है कि जैसे ही संगीता जैन टोटो से उतरकर घर की ओर बढ़ीं, उसी दौरान बाइक सवार दो युवक वहां पहुंचे। महिला कुछ समझ पातीं, इससे पहले ही बाइक पर पीछे बैठे अपराधी ने झपट्टा मारकर उनके गले से सोने की चेन खींच ली। वारदात को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश तेज गति से बाइक लेकर फरार हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पीड़िता और आसपास मौजूद लोगों ने अपराधियों का पीछा करने का प्रयास किया, लेकिन वे हाथ नहीं आ सके।

पीड़िता के अनुसार छीनी गई सोने की चेन की कीमत दो लाख रुपये से अधिक बताई जा रही है।

घटना की सूचना मिलते ही तिलैया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। अजय जैन के घर के सामने लगे कैमरे में पूरी वारदात रिकॉर्ड हो गई है। फुटेज में दोनों बदमाश बाइक से आते, महिला के गले से चेन झपटते और तेजी से फरार होते साफ दिखाई दे रहे हैं।

दिनदहाड़े हुई इस घटना के बाद इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर लोगों में चिंता बढ़ गई है। वहीं पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दोनों अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए छापेमारी में जुट गई है। तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही दोनों बदमाशों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रांची में मोटरसाइकिल चोरी गिरोह का पर्दाफाश, आठ गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रांची : राजधानी में मोटरसाइकिल चोरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह से जुड़े आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर चोरी की 10 मोटरसाइकिल बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य अलग-अलग इलाकों से मोटरसाइकिल चोरी करने के बाद नंबर प्लेट और चेसिस में छेड़छाड़ कर उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में बेचते थे।

सिटी एसपी पारस राणा ने बताया कि धुर्वा थाना पुलिस स्वर्णरेखा नदी पुल के पास धुर्वा-सिदो-कान्हू मार्ग पर वाहन जांच कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार तीन युवकों ने पुलिस को देखकर भागने का प्रयास किया। पुलिस और सशस्त्र बल की मदद से तीनों को पकड़ लिया गया। जांच में उनके पास मिली मोटरसाइकिल चोरी की निकली। पूछताछ के दौरान पुलिस को गिरोह के अन्य सदस्यों और चोरी के वाहनों की जानकारी मिली।

मामले की गंभीरता को देखते हुए हटिया डीएसपी के नेतृत्व में विभिन्न थानों के पुलिस पदाधिकारियों को शामिल कर विशेष टीम गठित की गई। टीम ने आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अन्य सदस्यों को गिरफ्तार किया और उनकी निशानदेही पर चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कीं।

गिरफ्तार आरोपियों में भरत बैठा के खिलाफ कोतवाली, चुटिया, धुर्वा, बालूमाथ, कुरू, नामकुम और जगन्नाथपुर थानों में चोरी, छिनतई समेत अन्य मामलों में प्राथमिकी दर्ज है। सुनील करमाली के खिलाफ खलारी थाना में मामला दर्ज है, जबकि रोहित उरांव के खिलाफ बालूमाथ, धुर्वा और नामकुम थानों में मामले दर्ज हैं। पुलिस ने रोहित कुमार मुंडा, प्रदीप उरांव, संजय गंजू, सरजू मुंडा और सुमित उरांव को भी गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने बरामद 10 मोटरसाइकिलों के नंबर प्लेट, इंजन और चेसिस नंबर की जांच शुरू कर दी है। इनमें झारखंड के अलग-अलग जिलों के पंजीकरण नंबर वाली मोटरसाइकिलें शामिल हैं। पुलिस अब वाहनों के वास्तविक मालिकों की पहचान करने और उनसे जुड़े चोरी के मामलों का सत्यापन कर रही है।

कार से 60 लाख का गांजा बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

राष्ट्रीय मुख्यधारा

पलामू : जिले में नशीले पदार्थों की खरीद बिक्री रोकने को लेकर चलाये जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत पुलिस को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-39 पर वाहन जांच के क्रम में एक कार से 121 किलो गांजा बरामद किया गया है। इसकी कीमत 60 लाख रुपये है।

गांजा को ओडिशा से हरिहरगंज ले जाया जा रहा था। इस सिलसिले में जिले के सतबरवा इलाके के दो तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। एसपी कपिल चौधरी ने बुधवार शाम पांच बजे बताया कि सतबरवा पुलिस ने मंगलवार रात गुप्त सूचना के आधार पर वाहन चेकिंग के दौरान एक सफेद रंग की कार रोककर तलाशी ली, जिसमें डिक्की और आगे की सीट के नीचे छिपाकर ले जाये जा रहे 117 पैकेट में 121 किलो गांजा मिला।

मौके से दो मोबाइल और दो फर्जी नंबर प्लेट भी बरामद हुए।

पुलिस ने मामले में सनोज कुमार यादव उर्फ बाबू (25) और शम्भू कुमार यादव (30) को गिरफ्तार किया है। शंभू हरिहरगंज में सीएसपी संचालक है, जबकि सनोज ड्राइवरी का काम करता है।

मामले में सतबरवा थाना में एनडीपीएस एक्ट के तहत कांड दर्ज कर दोनों तस्करों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन का समर्थन जारी रहने तक ईयू के साथ रचनात्मक बातचीत असंभव : रूसी विदेश मंत्रालय

मॉस्को। रूसी विदेश मंत्रालय के सर्वोच्च राजनयिक अलेक्जेंडर ट्रोफिमोव ने कहा है कि जब तक यूरोपीय देश यूक्रेन और कीव का समर्थन करते रहेंगे, तब तक रूस और यूरोप के बीच रचनात्मक बातचीत संभव नहीं है। रूसी समाचार एजेंसी रिया नोवोस्ती से बातचीत में अलेक्जेंडर ट्रोफिमोव ने पश्चिमी देशों पर रूस के खिलाफ आक्रामक और अनुचित कदम उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम का उद्देश्य रूस को रणनीतिक हार देना है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय देशों का मौजूदा लक्ष्य यूक्रेन की सरकार को समर्थन देना, रूस पर सैन्य दबाव बनाए रखना और इस दौरान अपनी सैन्य-औद्योगिक क्षमता को मजबूत करना है। ट्रोफिमोव के मुताबिक, जब तक यूरोपीय देशों का यह रुख कायम रहता है, तब तक किसी रचनात्मक मुद्दे पर बातचीत मुश्किल है। रूसी राजनयिक ने कहा कि मॉस्को के पास पश्चिमी यूरेशिया के बाहर भी कई सहयोगी और साझेदार हैं। रूस उनके साथ समानता और अविभाज्यता के सिद्धांतों के आधार पर यूरेशिया में एक व्यापक सुरक्षा ढांचा विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। ट्रोफिमोव का यह बयान रूस और यूरोपीय देशों के बीच यूक्रेन संघर्ष को लेकर जारी मतभेदों के बीच आया है। रूस लगातार पश्चिमी देशों की सैन्य और राजनीतिक मदद की आलोचना करता रहा है, जबकि यूरोपीय देश यूक्रेन के समर्थन को उसकी सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए जरूरी बताते हैं।

चीन ने एआई के लिए लगभग 200 मानक तैयार किए : उप-मंत्री

बीजिंग। चीन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उद्योग के टिकाऊ और व्यवस्थित विकास को बढ़ावा देने के लिए करीब 200 अहम मानक तैयार किए हैं। चीन के उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी उप-मंत्री शिन गुओबिन ने बुधवार को यह जानकारी दी। शिन गुओबिन ने एक प्रेसवार्ता में कहा कि एआई के क्षेत्र में शासन और मानकीकरण के लिहाज से करीब 200 महत्वपूर्ण मानक सफलतापूर्वक विकसित किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि देश के कई शहरों में एआई के उपयोग से जुड़े नैतिक पहलुओं की समीक्षा और मूल्यांकन की प्रक्रिया भी चल रही है। उप-मंत्री ने कहा कि चीन की कंप्यूटिंग क्षमता लगातार मजबूत हो रही है। उनके मुताबिक, जून के अंत तक देश की इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग क्षमता 2,185 एक्साफ्लॉप्स तक पहुंच गई थी। शिन गुओबिन के अनुसार, एआई का इस्तेमाल अब उद्योग की लगभग पूरी वैल्यू चेन में हो रहा है। इसमें अनुसंधान एवं विकास, डिजाइन, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण और रखरखाव जैसे क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि एआई के बढ़ते इस्तेमाल से विभिन्न उद्योगों में तकनीकी बदलाव और अपग्रेडेशन की गति तेज हुई है। उन्होंने बताया कि वास्तविक दुनिया के प्रशिक्षण और प्रयोगों के जरिए रोबोट्स को मैन्युफैक्चरिंग, आपातकालीन बचाव और फूड सर्विस जैसे क्षेत्रों में काम करने के लिए सक्षम बनाया जा रहा है। उद्योग और सूचना प्रौद्योगिकी उप-मंत्री शिन गुओबिन ने कहा कि एआई के नैतिक मूल्यांकन और संबंधित सेवाओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं लागू करने को लेकर चीन के कई शहरों में तैयारियां की जा रही हैं। इससे एआई के विकास के साथ-साथ इसके सुरक्षित और जिम्मेदार इस्तेमाल को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है।

भारत जल्द नेपाल भेजेगा राहत सामग्री, बाढ़ प्रभावितों के लिए मदद की तैयारी

नई दिल्ली। नेपाल में भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ से उत्पन्न हालात के बीच भारत सरकार प्रभावित लोगों की मदद के लिए जल्द से जल्द राहत सामग्री भेजने की तैयारी कर रही है। इस बीच नेपाल स्थित भारतीय दूतावास ने बाढ़ से प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए आपातकालीन संपर्क नंबर जारी किए हैं। भारतीय नागरिक +977 985 131 6807 और +977 970 910 7500 पर संपर्क कर सकते हैं। नेपाल के तिब्बत सीमा के पास स्थित रसुवा जिले में बुधवार को भोटे कोशी नदी में अचानक बाढ़ आ गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तिब्बती क्षेत्र की ओर ग्लेशियर में अचानक पानी बढ़ने या हिमस्खलन को इस बाढ़ की संभावित वजह माना जा रहा है। बाढ़ से कई गांवों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत परियोजनाओं को नुकसान पहुंचा है। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, हादसे में कम से कम 8-9 लोगों की मौत हुई है, जबकि 380 से अधिक लोग लापता बताए जा रहे हैं। लापता लोगों में करीब 105 भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। भारतीय दूतावास स्थिति पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित भारतीयों के परिजनों की सहायता के लिए संपर्क व्यवस्था सक्रिय की गई है।

पुणे रेलवे जंक्शन पर 3.41 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त, महिला गिरफ्तार

मुंबई। डायरेक्टरेट ऑफ़ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) की टीम ने पुणे रेलवे जंक्शन पर करीब 3.41 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ के साथ भारतीय महिला यात्री को गिरफ्तार किया है। डीआरआई टीम मामले की गहन छानबीन कर रही है। डीआरआई अधिकारी ने बुधवार को बताया कि दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से आ रही ट्रेन में ड्रग्स की खेप के साथ महिला के आने की गोपनीय जानकारी मिली थी। इसी के आधार पर डीआरआई टीम ने पुणे स्टेशन पर निगरानी रखी थी। मंगलवार को जैसे ही दिल्ली से आ रही ट्रेन पुणे स्टेशन पर रुकी, डीआरआई टीम ने संबंधित महिला के सामान की तलाशी ली। महिला के सामान में 2,532 ग्राम सफेद/पीले रंग का क्रिस्टलनुमा पदार्थ मिला, जिसके एम्फेटामाइन होने का संदेह है। इसके अलावा 878 ग्राम अलग-अलग रंगों की गोलियां बरामद हुईं, जिनके एमडीएमए होने का शक है। इन सभी नशीले पदार्थ को डीआरआई की टीम ने जब्त कर लिया। जब्त किए गए मादक पदार्थ की कीमत करीब 3.41 करोड़ रुपये आंकी गई है। बरामदगी के बाद महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। एजेंसी इन पदार्थों के स्रोत और गंतव्य का पता लगाने के साथ-साथ इस कथित तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने के लिए जांच कर रही है।

दशनामी अखाड़ा मंदिर से बूढ़ा अमरनाथ मंदिर मंडी के लिए पवित्र छड़ी यात्रा रवाना

पुंछ। पुंछ नगर स्थित प्राचीन दशनामी अखाड़ा मंदिर से बुधवार को बूढ़ा अमरनाथ मंदिर मंडी के लिए भगवान शिव और देवी पार्वती के स्वरूप के प्रतीक पवित्र छड़ी यात्रा निकाली गई। दशनामी अखाड़ा राज गुरु गद्दी के वर्तमान महन्त महामंडलेश्वर 1008 स्वामी विश्वात्मा नंद सरस्वती महाराज की अगुवाई में 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने बम बम बोले और हर हर महादेव के जयकारों के साथ भाग लिया। सबसे पहले पवित्र छड़ी का वैदिक मंत्रों के साथ विधि-विधान से पूजन किया गया, जिसके उपरांत पवित्र छड़ी को दशनामी अखाड़ा मंदिर के बाहर लाया गया, तो वहां पर जम्मू कश्मीर पुलिस की तरफ से पुलिस बैंड की धुन पर छड़ी को सलामी दी गई। इसके बाद छड़ी यात्रा बूढ़ा अमरनाथ मंदिर के लिए रवाना हो गई। छड़ी यात्रा में उपमुख्यमंत्री सुरेन्द्र चौधरी सहित कई बड़े नेता, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल रहे। यह छड़ी यात्रा देर शाम को बूढ़ा अमरनाथ मंदिर पहुंचेगी, जहां पर एक बार फिर पुलिस की तरफ से सलामी देने के उपरान्त छड़ी का पूजन कर उसे भगवान भोलेनाथ के स्वयंभू शिवलिंग पर स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही मंदिर में तीन दिवसीय रक्षा बंधन, दर्शन, पूजन और मेले का शुभारंभ किया जाएगा।

मिलावटखोरी पर कार्रवाई, 5.61 करोड़ रुपये की खाद्य सामग्री जब्त

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश में रक्षाबंधन के त्योहार से पहले मिलावटखोरों पर बड़ी कार्रवाई हुई है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने 20 जुलाई से मंगलवार, 25 अगस्त तक अभियान चलाकर क गई इस कार्रवाई में 5.61 करोड़ रुपये कीमत की 11.73 लाख किलो संदिग्ध और मिलावटी खाद्य सामग्री जब्त की गई है। जांच में घी, मावा, मिठाई, पनीर और अन्य खाद्य पदार्थों के नमूनों में गड़बड़ी सामने आई है। सबसे बड़ा खुलासा घी को लेकर हुआ है। भोपाल-इंदौर समेत आठ शहरों में 25 ब्रांड के घी के नमूने अमानक मिले हैं। कुछ नमूनों में पाम ऑयल समेत अन्य मिलावट की पुष्टि हुई है। भोपाल में 9, इंदौर में 7 और उज्जैन में 3 नमूने फेल हुए हैं। इसके अलावा कटनी, नर्मदापुरम, डिंडौरी, धार और दमोह में भी घी के अमानक नमूने मिले हैं।

खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा मंगलवार को जानकारी दी गई कि अभियान के दौरान प्रदेशभर से 4,642 नमूने लिए गए। इनमें 2,605 वैधानिक और 2,037 निगरानी नमूने हैं। प्रयोगशाला में जांचे गए 680 नमूनों में से 174 अमानक पाए गए। कार्रवाई में 18 प्रतिष्ठानों के लाइसेंस या पंजीयन निरस्त किए गए और 172 नोटिस जारी किए गए।

10,835 किलो प्रतिबंधित एनालॉग पनीर जब्तः प्रतिबंधित एनालॉग पनीर के खिलाफ भी कार्रवाई की गई। विभाग ने 10,835 किलो स्टॉक जब्त किया है। इसके उत्पादन, बिक्री और उपयोग पर रोक के बाद अब ऐसे कारोबारियों पर निगरानी बढ़ाई गई है।

नागपुर से आया 166 किलो मिल्क केक भी फेलः भोपाल के नादरा बस स्टैंड से जब्त 166 किलो मिल्क केक का नमूना भी अमानक पाया गया। सोमवार को कार्रवाई के दौरान 150 किलो मावा और 166 किलो मिल्क केक जब्त किया गया था। जांच में मिल्क केक मानकों पर खरा नहीं उतरा। विभाग के मुताबिक यह मिल्क केक नागपुर के जरीपटका स्थित मनन स्वीट्स से भोपाल लाया गया था। खाद्य सुरक्षा नियंत्रक मनोज पुष्प ने नागपुर कलेक्टर को पत्र भेजकर संबंधित कारोबारियों पर कार्रवाई के लिए कहा है।

गुजरात के घी निर्माता पर भी कार्रवाईः खेड़ा जिले की बालाजी डेयरी प्रोडक्ट्स के घी का नमूना भी जांच में असुरक्षित पाया गया। खाद्य सुरक्षा नियंत्रक ने गुजरात के खाद्य सुरक्षा आयुक्त को पत्र भेजकर निर्माता के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है।

25 घी ब्रांड पर कोर्ट केस की तैयारीः असुरक्षित पाए गए घी के ब्रांडों के निर्माता और विक्रेताओं के खिलाफ न्यायालय में प्रकरण दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। संबंधित राज्यों के खाद्य सुरक्षा आयुक्तों को भी प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के लिए पत्र भेजे जा रहे हैं। त्योहारों से पहले हुई इस कार्रवाई ने बाजार में बिक रहे घी, मावा, मिठाई और पनीर की गुणवत्ता पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। खाद्य विभाग का कहना है कि मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

'जय जगन्नाथ' पर विवाद गहराया, गोवर्धन मठ के शंकराचार्य ने एनिमेटेड चित्रण पर उठाए सवाल

एजेंसी, भुवनेश्वर

भगवान जगन्नाथ पर प्रस्तावित एनिमेटेड फिल्म और सीरियल 'जय जगन्नाथ' को लेकर विवाद बढ़ गया है। पुरी स्थित गोवर्धन मठ के जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने भगवान जगन्नाथ के कथित विकृत चित्रण पर कड़ी आपत्ति जताई है।

गजपति महाराजा दिव्यसिंह देव के आवासीय कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शंकराचार्य ने भुवनेश्वर की एली एनिमेशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तैयार की जा रही एनिमेटेड प्रस्तुतियों को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की है। इसके बाद मुक्तिमंडप पंडित सभा ने शंकराचार्य के निर्णय से गजपति महाराजा को अवगत कराया।

शंकराचार्य ने कहा कि शास्त्रों में वर्णित भगवान जगन्नाथ के 'दारु ब्रह्म' स्वरूप को विकृत तरीके से प्रस्तुत करना धार्मिक परंपराओं के प्रति गंभीर आपत्ति का विषय है। उन्होंने कहा कि सनातन धार्मिक परंपराओं में देवी-देवताओं के स्वरूप और उनकी लीलाओं को असत्यापित या विकृत रूप में प्रस्तुत नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने पंचकृत्य—सृष्टि, स्थिति, संहार, तिरोधान और अनुग्रह को दैवी सिद्धांतों का मूल बताते हुए कहा कि इनसे जुड़ी धार्मिक परंपराओं के प्रति असम्मानजनक प्रस्तुति उचित नहीं है।

शंकराचार्य ने भगवान जगन्नाथ और अन्य देवी-देवताओं के कथित विकृत स्वरूपों तथा उनकी दिव्य लीलाओं को दर्शाने वाली असत्यापित एनिमेटेड सामग्री के प्रसार पर रोक लगाने की मांग की है।

वहीं, मुक्तिमंडप पंडित सभा ने फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से इनकार करने वाले सुप्रीम कोर्ट के पूर्व निर्णय पर पुनर्विचार की मांग भी की है। इस घटनाक्रम के बाद प्रस्तावित फिल्म और सीरियल को लेकर धार्मिक, सांस्कृतिक और कानूनी स्तर पर बहस तेज हो गई है।

कडलूर में पुलिस मुठभेड़ के बाद 30 से अधिक मामलों का हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

एजेंसी, कडलूर

तमिलनाडु के कडलूर जिले में हत्या के एक मामले में फरार चल रहे हिस्ट्रीशीटर गोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान पुलिस की गोली लगने से गोपी घायल हो गया। उसके खिलाफ विभिन्न थानों में 30 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। घायल गोपी का कडलूर सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पुलिस के मुताबिक, नेयवेली क्षेत्र में गोपी के नेतृत्व वाले गिरोह और आनंदराज के नेतृत्व वाले दूसरे गिरोह के बीच लंबे समय से वर्चस्व को लेकर गैंगवार चल रही थी। दोनों गिरोहों के बीच जारी विवाद ने 16 अगस्त को हिंसक रूप ले लिया। उस दिन नेयवेली में शराब पी रहे आनंदराज गिरोह के सदस्यों पर गोपी के समर्थकों ने अचानक हमला कर दिया। हमले में नरेश नामक युवक की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई, जबकि आनंदराज गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार जारी है। इस हत्या के मामले में गोपी को मुख्य आरोपित बनाया गया था। घटना के बाद से वह फरार था और पुलिस उसकी तलाश में लगातार अभियान चला रही थी। इसी बीच पुलिस को सूचना मिली कि गोपी कडलूर के मुथांडिक्कुप्पम इलाके में छिपा हुआ है। सूचना के आधार पर नेयवेली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी कर गोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास किया।

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए गोपी ने अपने पास मौजूद अरिवाल (धारदार हथियार) से पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया।

'दिल्ली लक्ष्मी योजना' की पहली 2500 महिलाओं को स्वीकृति पत्र दिए गए

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को 'दिल्ली लक्ष्मी योजना" की पहली 2,500 लाभार्थी महिलाओं स्वीकृति पत्र प्रदान दिए। इसके बैंक खातों में एक सितंबर को दिल्ली लक्ष्मी योजना पैसा आएंगा। लक्ष्मी योजना के तहत अब तक 9,20,590 रजिस्ट्रेशन और 6,63,215 आवेदन फाइनल रूप से जमा किए गए। तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, आशीष सूद, कपिल मिश्रा, सांसद और विधायक मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज दिल्ली लक्ष्मी योजना की ऐतिहासिक शुरुआत हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमने नारी सशक्तिकरण का जो संकल्प लिया था, आज वह संकल्प दिल्ली की बहनों के जीवन में नई शक्ति बनकर उतरा है। योजना की पहली 2,500 लाभार्थी बहनों को स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। उन्होंने कहा कि मेरी बहनों, आपकी खुशी ही हमारी खुशी है, आपका विश्वास ही हमारी ताकत है और आपका आशीर्वाद ही हमारी सबसे बड़ी पूंजी है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार आपके सम्मान, स्वावलंबन और उज्ज्वल भविष्य के लिए पूरी निष्ठा से काम करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी योजनाओं का केंद्र महिलाएं है। महिलाओं के कल्याण के लिए लखपति, फ्री साइकिल और पिंक कार्ड जैसे योजनाएं दिल्ली में चल रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के कर्ज को चुकाने में ही हमें एक साल लग गए। इसके बाद भी राजधानी के विकास के लिए अन्य योजनाओं का शुभारंभ किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने अपने वादे को पुरा करते हुए दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए बजट में 5100 करोड़ रुपये करोड़ रुपये रखे हैं। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि तालकटोरा स्टेडियम में 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने से देश मजबूत होता है। इसी सोच और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रेरित यह पहल महिलाओं को 2,500 प्रति माह की सीधी आर्थिक सहायता देगी, जिससे उनकी गरिमा, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि 'नारी शक्ति' को आधुनिक, समावेशी और सशक्त विकसित दिल्ली की नींव बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है।

उपराज्यपाल ने कहा कि महिलाओं को सुरक्षित वातावरण देना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को वित्त रूप से आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उनकी सुरक्षा को लेकर कई योजनाएं चल रही है।

देश को बांटने वाले बयान दे रहे राहुल गांधी : शेखावत

एजेंसी, जोधपुर

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार देश को बांटने वाले बयान दे रहे हैं। उन्हें भारत की हजारों साल पुरानी संस्कृति, सभ्यतागत चेतना, वेदों, पुराणों और उपनिषदों की कितनी जानकारी है, यह उनके मनुस्मृति पर दिए गए बयान से स्वयं स्पष्ट हो गया है। बुधवार को मीडिया से बातचीत में शेखावत ने कहा कि किसी भी ऐतिहासिक या सांस्कृतिक विषय पर उसके मूल संदर्भ और तत्कालीन परिस्थितियों को समझे बिना टिप्पणी करना या अपने राजनीतिक लाभ के लिए उसे तोड़-मरोड़ कर पेश करना सर्वथा अनुचित और निंदनीय है।

उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यतागत चेतना और सांस्कृतिक मान-बिंदुओं के प्रति जन-आस्था को प्रदूषित करने तथा हमारे गौरवशाली इतिहास को नीचा दिखाने के लिए पिछले लगभग 200 वर्षों में कई सुनियोजित प्रयास हुए। अंग्रेजों ने जानबूझकर यह काम किया। स्वतंत्रता के बाद जब हमारे पास अवसर था कि हम अपने इतिहास और सांस्कृतिक मान-बिंदुओं को सही करते, तब राहुल गांधी के पूर्वजों के शासनकाल में इसे सुधारने के बजाय और अधिक गति से हमारी सभ्यतागत चेतना को दूषित करने का कार्य किया गया। आज भी उसी मानसिकता के साथ देश को बांटने वाले बयान दिए जा रहे हैं।

शेखावत ने कहा कि भारत वह समाज और सभ्यता है, जिसने मातृशक्ति को इंस्टीट्यूशनलाइज्ड रिस्पेक्ट दिया है। जहां ज्ञान के लिए मां सरस्वती, शक्ति के लिए मां दुर्गा और धन-समृद्धि के लिए मां महालक्ष्मी की पूजा की जाती है। जहां गार्गी, मैत्रेयी और कात्यायनी जैसी महान विदुषी स्त्रियां हुई हों, उस महान समाज और व्यवस्था के विषय में इस प्रकार की अनर्गल टिप्पणी करना न केवल अशोभनीय व निंदनीय है, बल्कि यह उनके ज्ञान के उथलेपन को भी उजागर करता है। जयपुर में नकली नोटों की बरामदगी और कांग्रेस नेता के पुत्र का नाम आने के सवाल पर शेखावत ने कहा कि देश में और देश के बाहर बैठी भारतविरोधी ताकतें, जिन्हें भारत की अर्थव्यवस्था की प्रगति और इसकी तेज गति पच नहीं रही है, वे इस तरह के षड्यंत्र और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में लिप्त हैं। हमारी सरकार पूर्ण सजगता के साथ ऐसी हर गतिविधि, अपराध और प्रयास को रोकने के लिए तत्परता से काम कर रही है। शेखावत ने कहा कि जयपुर में जो नकली नोटों की खेप पकड़ी गई है, उसकी पुलिस द्वारा शुरुआत से अंत तक गहन जांच होनी चाहिए। इसका मुख्य स्रोत क्या है? ये नोट कहां प्रिंट हुए और इनका सप्लायर कौन है? ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति को पूरी तरह रोका जा सके। शेखावत ने कहा कि चुनाव के इस संवेदनशील माहौल में यदि कांग्रेस पार्टी के किसी जिम्मेदार कार्यकर्ता या राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े परिवार के बच्चों के पास से इतनी बड़ी खेप बरामद होती है तो यह और भी अधिक चिंताजनक विषय है।

शेखावत ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रचंड बहुमत से जोधपुर और राजस्थान के लगभग सभी निकायों में विजय हासिल करने वाली है। डबल इंजन सरकार ने पिछले ढाई वर्षों में जिस तरह से काम किया है, उसे देखते हुए मैं पूरे भरोसे के साथ कह सकता हूं कि पार्टी निकाय चुनाव में एक बार फिर नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए अपना परचम फहराएगी।

खेड़ा को झूठ के लिए मिली राज्यसभा सीट जिसके वो हकदार नहीं थेः किरेन रिजिजू

एजेंसी, नई दिल्ली

केन्द्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को आरोप लगाया है कि असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा और उनकी पत्नी पर झूठे आरोप लगाने के चलते कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को राज्यसभा सीट दी गई। उन्होंने कहा कि आरोप का तो असर उल्टा हुआ लेकिन खेड़ा राज्यसभा पहुंच गए जबकि वे इसके हकदार नहीं थे।

सोशल मीडिया पर वाद-विवाद के बीच केन्द्रीय मंत्री रिजिजू ने यह आरोप लगाए। उन्होंने कहा, "दो वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं ने मुझे बताया कि राहुल गांधी ने पवन खेड़ा को असम चुनाव के अंतिम समय में हिमंत बिस्वा और रिनिकी जी (हेमंत की पत्नी) के खिलाफ झूठे आरोप लगाने के लिए कहा था। जब ये झूठ उल्टा पड़ गया तो खेड़ा को राज्यसभा की सीट इनाम के तौर पर दे दी गई, जिसके वो हकदार नहीं थे!"

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा और किरेन रिजिजू के बीच सोशल मीडिया पर वाद-विवाद रविवार से चल रहा है। रिजिजू ने अरुणाचल में नदी में तैरने का एक वीडियो डाला जिसके बाद पवन खेड़ा ने उनपर टिप्पणी की और फिर विवाद बढ़ गया। कल रिजिजू ने कहा था कि पवन खेड़ा राज्यसभा में अपनी पार्टी की ओर से मनोनीत पहले कार्यकाल के सांसद हैं और वे 8 बार चुनाव लड़ चुके हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि खेड़ा को 'अभद्र टिप्पणी' करने का अधिकार मिल जाता है।

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्देशक कुकू कोहली को नम आंखों से अंतिम विदाई दी

एजेंसी, मुंबई

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्म निर्देशक कुकू कोहली का बुधवार को मुंबई के ओशिवारा श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान उनकी पत्नी और अभिनेत्री अरुणा ईरानी समेत परिवार के अन्य सदस्य मौजूद रहे। अंतिम विदाई के दौरान अरुणा ईरानी बेहद भावुक नजर आईं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में परिजन उन्हें संभालते दिखाई दे रहे हैं।

फिल्म निर्देशक कुकू कोहली का 25 अगस्त को 77 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। दिल का दौरा पड़ने से हुई उनकी मौत से फिल्म जगत में शोक की लहर है। कुकू कोहली की अंतिम यात्रा अंधेरी पश्चिम स्थित उनके ग्रीन एकर्स आवास से शुरू हुई। ओशिवारा श्मशान घाट पर परिवार और करीबी लोगों ने उन्हें नम आंखों से अंतिम विदाई दी। सामने आए एक वीडियो में अरुणा ईरानी सफेद कपड़ों में नजर आ रही हैं और उनके चेहरे पर पति को खोने का गहरा दर्द साफ दिखाई दे रहा है। एक अन्य वीडियो में वह फूट-फूटकर रोती नजर आईं। इन भावुक दृश्यों ने उनके प्रशंसकों और फिल्म जगत से जुड़े लोगों को भी भावुक कर दिया। कुकू कोहली को अंतिम विदाई देने बॉलीवुड की कई हस्तियां भी पहुंचीं। विक्की कौशल, कैटरीना कैफ, अशोक पंडित और रोहित शेट्टी समेत कई कलाकारों और फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने दिवंगत निर्देशक को श्रद्धांजलि दी। कुकू कोहली ने अपने करियर में कई चर्चित फिल्मों का निर्देशन किया था। खास तौर पर 'फूल और कांटे' के जरिए उन्होंने अजय देवगन को बतौर अभिनेता लॉन्च किया था। 'सुहाग', 'हकीकत' और 'ये दिल आशिकाना' जैसी फिल्मों के लिए भी उन्हें याद किया जाता है।

चरवाहों को लाभार्थी नहीं, संरक्षणकर्ता मानकर हो चरागाह क्षेत्रों की पुनर्स्थापनाः भूपेंद्र यादव

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगोलिया के उलानबतार में संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम कनवेंशन (यूएनसीसीडी) के 17वें सम्मेलन (सीओपी-17) में चरागाह क्षेत्रों की पुनर्स्थापना में स्थानीय समुदायों की भागीदारी को केंद्रीय भूमिका देने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सफल पुनर्स्थापना की शुरुआत चरवाहों को केवल लाभार्थी मानने के बजाय उन्हें प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षणकर्ता मानने से होती है।

केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अनुसार, यूएनसीसीडी सीओपी-17 के दौरान 'चरागाह क्षेत्रों की पुनर्स्थापना और चरवाहा समुदायों का कल्याण' विषय पर आयोजित मंत्रीस्तरीय संवाद को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि भारत ने वैज्ञानिक योजना और सामुदायिक भागीदारी के जरिए घासभूमियों और चरागाहों के संरक्षण एवं पुनर्स्थापना का अनुभव विकसित किया है। उन्होंने कहा कि भारत में चरागाह क्षेत्र हिमालयी चरागाहों, मध्य भारत के सवाना क्षेत्रों, राजस्थान के शुष्क थार और कच्छ से लेकर दक्षिण भारत के शोला क्षेत्रों तक फैले हैं। ये क्षेत्र देश की बड़ी पशुधन आबादी के साथ लाखों लोगों की आजीविका का आधार हैं।

यादव ने कहा कि पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़कर ऐसी पुनर्स्थापना सुनिश्चित की जा सकती है जो पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ, आर्थिक रूप से व्यवहार्य और सामाजिक रूप से समावेशी हो। उन्होंने बताया कि उपग्रह आधारित मरुस्थलीकरण और भूमि क्षरण एटलस घासभूमियों की पहचान और पुनर्स्थापना की वैज्ञानिक योजना बनाने में मदद कर रहे हैं। वहीं, चराई अधिकार और सामुदायिक वन संसाधन अधिकारों की मान्यता स्थानीय समुदायों की भूमिका को मजबूत करती है।

केंद्रीय मंत्री ने राजस्थान के 'ओरण' का उदाहरण देते हुए कहा कि ये पवित्र उपवन स्थानीय समुदायों की पारंपरिक संरक्षण व्यवस्था का महत्वपूर्ण उदाहरण हैं। देशभर में करीब 25 हजार ऐसे सामुदायिक रूप से संरक्षित पवित्र उपवन हैं, जो लगभग छह लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फैले हैं। ये क्षेत्र स्थानीय समुदायों की भागीदारी से संरक्षित होने के साथ चरागाहों और महत्वपूर्ण वन्यजीव आवासों के संरक्षण में भी योगदान देते हैं। इनमें ग्रेट इंडियन बस्टर्ड जैसे संकटग्रस्त पक्षियों के महत्वपूर्ण आवास भी शामिल हैं। यादव ने कहा कि भारत खुले वन और घासभूमि पारिस्थितिकी तंत्रों की पुनर्स्थापना के लिए भी काम कर रहा है। उन्होंने चीता पुनर्वास कार्यक्रम और गुजरात के बन्नी जैसे घासभूमि क्षेत्रों में इसके संभावित विस्तार का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि गहरी जड़ वाली घासें मिट्टी में कार्बन के भंडारण, पानी के जमीन में पहुंचने और भूजल पुनर्भरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

एशियाई खेलों से पहले फिटनेस पर मीराबाई का फोकस, हर सप्ताह लेती हैं अमेरिकी विशेषज्ञ से सलाह

एजेंसी, नई दिल्ली

टोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू एशियाई खेलों में अपने पहले पदक के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह जुटी हुई हैं। सितंबर में जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों से पहले चोट से बचना उनकी प्राथमिकता है। इसके लिए वह अमेरिकी स्ट्रेंथ एवं कंडीशनिंग विशेषज्ञ डॉ. आरोन हॉर्शिंग से हर सप्ताह वीडियो कॉल के जरिए प्रशिक्षण और फिटनेस पर चर्चा करती हैं। मीराबाई ने साई मीडिया से कहा, ''हर गुरुवार को वीडियो कॉल में प्रशिक्षण, रिकवरी और आगे की रणनीति पर चर्चा करते हैं। हर चीज की बारीकी से समीक्षा होती है। डॉ. हॉर्शिंग खुद भारोत्तोलक रहे हैं, इसलिए वह शरीर की हर मांसपेशी को समझते हैं। लगातार समीक्षा से मैं फिट रहने में सफल रही हूं।'' मीराबाई और हॉर्शिंग का साथ नवंबर, 2020 से है। मीराबाई अपने लंबे समय के कोच विजय शर्मा के साथ मोदीनगर में अभ्यास कर रही हैं। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में तीसरा स्वर्ण पदक जीतने के बाद भी उन्होंने प्रशिक्षण में कोई ब्रेक नहीं लिया। मीराबाई ने कहा, ''मैं सीधे मोदीनगर लौटकर प्रशिक्षण में लग गई। मैं घर, मणिपुर भी नहीं गई। मैंने खुद के लिए चुनौती रखी है कि जब तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीतती, घर नहीं जाऊंगी।'' एशियाई खेलों का पदक मीराबाई के शानदार करियर में अब तक अधूरा अध्याय है। वह ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीत चुकी हैं। हालांकि चोट के कारण 2018 जकार्ता एशियाई खेलों से बाहर रही थीं, जबकि 2022 हांगझोउ एशियाई खेलों में कूल्हे और जांघ की चोट के कारण चौथे स्थान पर रही थीं। ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में मीराबाई ने महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में कुल 190 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने स्नैच में 85 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 105 किग्रा वजन उठाया तथा तीनों वर्गों में राष्ट्रमंडल खेलों के रिकॉर्ड बनाए। हालांकि मीराबाई ग्लासगो में प्रतिस्पर्धा के स्तर को लेकर बहुत उत्साहित नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो राष्ट्रमंडल खेलों की प्रतियोगिता मेरे लिए बहुत कठिन नहीं थी। असली परीक्षा आगे है।'' मीराबाई के अनुसार एशियाई खेलों में चीन, उत्तर कोरिया, जापान और थाईलैंड की भारोत्तोलकों से सबसे कड़ी चुनौती मिलने की उम्मीद है।

श्रीलंका 290 रन पर ऑलआउट, भारत ने दिया फॉलोऑन

एजेंसी, कोलंबो

भारत ने दूसरे और अंतिम टेस्ट के चौथे दिन श्रीलंका को पहली पारी में 290 रन पर ऑलआउट कर फॉलोऑन के लिए मजबूर कर दिया। भारत ने अपनी पहली पारी नौ विकेट पर 503 रन बनाकर घोषित की थी। दिन की शुरुआत के बाद भारत को श्रीलंका की आखिरी दो विकेट हासिल करने में सिर्फ 15 मिनट लगे। सोनल दिनूषा ने शानदार 103 रन बनाए। यह इस सीरीज में उनका दूसरा शतक है। वह श्रीलंका की पारी के आखिरी बल्लेबाज के रूप में आउट हुए।

भारत के लिए पदार्पण कर रहे स्पिनर सारांश जैन ने श्रीलंका के आखिरी दोनों विकेट झटके। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और स्पिनर मानव सुथार ने भी तीन-तीन विकेट हासिल किए। समाचार लिखे जाने तक श्रीलंका ने अपनी दूसरी पारी में 5 रन पर 1 विकेट खो दिया है। सिराज ने लाहिरू उडारा (03) को सारांश जैन के हाथों कैच आउट कराया।

एंथनी एंड्रयूज बने भारतीय अंडर-17 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के सहायक कोच

एजेंसी, नई दिल्ली

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बुधवार को एंथनी एंड्रयूज को भारतीय अंडर-17 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। जोआकिम अलेक्जेंडरसन टीम के मुख्य कोच बने रहेंगे।

ईस्ट बंगाल एफसी के मुख्य कोच एंड्रयूज क्लब और भारतीय टीम की जिम्मेदारी दोहरी भूमिका में संभालेंगे। वह ईस्ट बंगाल को लगातार दो बार भारतीय महिला लीग (आईडब्ल्यूएल) का खिताब दिला चुके हैं। उनके नाम आईडब्ल्यूएल के इतिहास में सर्वाधिक चार खिताब हैं। उन्होंने 2021-22 और 2022-23 में गोकुलम केरल एफसी तथा 2024-25 और 2025-26 में ईस्ट बंगाल के साथ खिताब जीते। एंड्रयूज के मार्गदर्शन में ईस्ट बंगाल ने हाल में एएफसी महिला चैंपियंस लीग 2026-27 के प्रारंभिक चरण में भी जीत दर्ज की। इसके साथ ही ईस्ट बंगाल लगातार दो सत्र एएफसी महिला चैंपियंस लीग के ग्रुप चरण में पहुंचने वाला पहला भारतीय महिला क्लब बना। एंड्रयूज अब ताशकंद में भारतीय अंडर-17 महिला टीम से जुड़ गए हैं। टीम 27 और 30 अगस्त को उज्बेकिस्तान के खिलाफ दो अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलेगी। ये मुकाबले एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप चीन 2027 क्वालीफायर की तैयारियों का हिस्सा हैं। क्वालीफायर मुकाबले पांच से 11 अक्टूबर तक मलेशिया में होंगे।

एशियाई खेलों से पहले सिंड्रेला दास और पायस जैन टॉप्स विकास योजना में शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली । एशियाई खेल 2026 से पहले भारतीय टेबल टेनिस की युवा प्रतिभा सिंड्रेला दास को टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) की विकास योजना में शामिल किया गया है। कोलकाता की 17 वर्षीय सिंड्रेला ने हाल के दिनों में शानदार प्रदर्शन कर यह उपलब्धि हासिल की है। सिंड्रेला के अलावा पुरुष युगल खिलाड़ी पायस जैन और अंकुर भट्टाचार्य भी टॉप्स विकास योजना का हिस्सा हैं। सिंड्रेला ने इस साल थाईलैंड में आयोजित एशियाई युवा चैंपियनशिप में लड़कियों के युगल में रजत और एकल में कांस्य पदक जीता था। उनके इन प्रदर्शन के बाद उन्हें टॉप्स की विकास श्रेणी में शामिल किया गया। इससे पहले 2023 में उन्होंने अंडर-15, अंडर-17 और अंडर-19 एकल में राष्ट्रीय रैंकिंग के खिताब जीतकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया था। टॉप्स ने इस साल टेबल टेनिस में 14 से 17 वर्ष की उम्र के युवा खिलाड़ियों के लिए एक विशेष समूह तैयार किया था। सिंड्रेला भी इस समूह का हिस्सा थीं। इस पहल का उद्देश्य 2030 राष्ट्रमंडल खेलों और 2036 ओलंपिक के लिए भारत की युवा प्रतिभाओं को तैयार करना है। एशियाई खेल 2026 के लिए भारत की 10 सदस्यीय टेबल टेनिस टीम में सिंड्रेला दास, श्रीजा अकुला, दिया चिताले, यशस्विनी घोरपड़े, सुतीर्था मुखर्जी, साथियान, मनुश शाह, मानव ठक्कर, हरमीत देसाई और पायस जैन शामिल हैं।

विश्व कप स्वर्ण के बाद एशियाई खेलों में पदक पर सुचि की नजर

एजेंसी, नई दिल्ली

हरियाणा के झज्जर जिले के छोटे-से गांव सासरौली की 20 वर्षीय पिस्टल निशानेबाज सुचि इंदर सिंह फोगाट की कहानी संघर्ष, आत्मविश्वास और लगातार सुधार की मिसाल है। 13 साल की उम्र में भिवानी की गुरु द्रोणाचार्य शूटिंग अकादमी में पिस्टल थामने वाली सुचि आज जूनियर विश्व रिकॉर्डधारी और कई बार की आईएसएसएफ विश्व कप स्वर्ण पदक विजेता हैं। अब उनकी नजरें आइची-नागोया एशियाई खेलों में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा पर हैं। अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए सुचि ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ''जब मैंने निशानेबाजी शुरू की थी, तब कोई मुझे नहीं जानता था। मैं सिर्फ 13 साल की सामान्य लड़की थी, जिसके पास भारतीय टीम की जर्सी भी नहीं थी। आज उस जर्सी को पहनना मेरे लिए गर्व की बात है। यह बताती है कि मैंने कितनी लंबी यात्रा तय की है।'' सुचि के लिए निशानेबाजी किसी तय योजना का हिस्सा नहीं थी। उन्होंने संयोग से इस खेल को अपनाया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनका मानना है कि निशानेबाजी ने उन्हें अपनी पहचान खुद बनाने का अवसर दिया। उन्होंने कहा, ''लोग निशानेबाजी को देखकर सोचते हैं कि इसमें मुश्किल क्या है, बस खड़े होकर निशाना लगाना है। लेकिन वे यह नहीं देखते कि खिलाड़ी के अंदर क्या चल रहा होता है।

टी20 में जडेजा के नाम नहीं है एक भी अर्धशतक

एजेंसी, मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा के नाम गेंदबाजी और बल्लेबाजी में कई रिकार्ड हैं। टी20 टूर्नामेंटों में अपने प्रदर्शन से उन्होंने कई बार भारतीय टीम को जीत दिलायी है। इसके बाद भी वह अपने पूरे टी20 करियर में एक भी अर्धशतक नहीं लगा पाये हैं। जडेजा ने 2025 टी20 विश्वकप में भारतीय टीम की जीत के बाद इस प्रारुप से संन्यास ले लिया था। वहीं अगर इस प्रारुप में सबसे अधिक अर्धशतक की बात करें तो वह पाकिस्तान के बाबर आजम के नाम हैं। बाबर ने सबसे अधिक 42 अर्धशतक लगाये हैं। जडेजा ने अपने करियर में भारतीय टीम की ओर से 74 टी20 इंटरनेशनल मैच खेले। 41 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए जडेजा ने 515 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 46 रन रहा। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 21.45 और स्ट्राइक रेट 127.16 रहा। उन्होंने अपने करियर में 39 चौके और 14 छक्के भी लगाए, लेकिन एक भी बार वह अर्धशतक नहीं लगा पये। हालांकि, अगर उनके पूरे टी20 करियर पर नजर डालें तो तस्वीर थोड़ी अलग है। इंटरनेशनल क्रिकेट से बाहर फ्रेंचाइजी और घरेलू टी20 मैचों को मिलाकर जडेजा ने कुल 360 टी20 मैच खेले हैं। इन मैचों की 263 पारियों में उन्होंने 4251 रन बनाए हैं। यहां उनका बल्लेबाजी औसत 27.42 और स्ट्राइक रेट 131.08 रहा है। सबसे खास बात यह है कि इस दौरान उनके नाम 5 अर्धशतक दर्ज हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 77 रन है। यह दर्शाता है कि उनमें टी20 प्रारूप में अर्धशतक लगाने की क्षमता तो थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निचले क्रम में बल्लेबाजी करने और कम मौके मिलने के कारण वे यह मुकाम हासिल नहीं कर पाए। रवींद्र जडेजा की असली पहचान उनकी बहुमुखी प्रतिभा रही है, खासकर उनकी धारदार गेंदबाजी और चुस्त फील्डिंग। बल्लेबाजी में अर्धशतक न बना पाने के बावजूद, उन्होंने गेंद से लगातार टीम के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। अपने 74 टी20 इंटरनेशनल मैचों की 71 पारियों में गेंदबाजी करते हुए जडेजा ने 54 विकेट लिए उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 15 रन देकर 3 विकेट रहा और उनकी इकॉनमी रेट 7.13 रही। पूरे टी20 करियर में उन्होंने 326 पारियों में 245 विकेट लिए, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन 16 रन देकर 5 विकेट रहा। भारतीय टीम के लिए जडेजा ने एक ऐसे ऑलराउंडर की भूमिका निभाई, जो निचले क्रम में तेजी से रन बनाने, विकेट लेने वाली गेंदबाजी करने और अपनी लाजवाब फील्डिंग से मैच का रुख बदलने में सक्षम थे।

अमेरिकी ओपन : अल्कराज-विलियम्स बाहर, मोनफिस-स्वितोलिना सेमीफाइनल में

एजेंसी, न्यूयॉर्क

सेरेना विलियम्स और कार्लोस अल्कराज ने जोड़ी के रूप में अमेरिकी ओपन 2026 मिश्रित युगल में अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की, लेकिन मंगलवार को अगले मुकाबले में बेलिंडा बेनसिच और फ्लावियो कोबोली से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। विलियम्स और अल्कराज ने अपने पहले मुकाबले में एरिन राउटलिफ और लॉयड ग्लासपूल को 5-3, 4-1 से हराया। यह 2022 के बाद अमेरिकी ओपन में सेरेना का पहला मुकाबला था। जीत के बाद सेरेना ने कहा कि कोर्ट पर लौटना उनके लिए बेहद खास पल था। हालांकि, इसके बाद बेनसिच और कोबोली के खिलाफ मुकाबले में उन्हें 5-4 (4), 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। पहले सेट का टाईब्रेक गंवाने के बाद अल्कराज और विलियम्स की जोड़ी अपनी लय बरकरार नहीं रख सकी। बेनसिच और कोबोली अब सेमीफाइनल में पति-पत्नी की जोड़ी एलीना स्वितोलिना और गेल मोनफिस से भिड़ेंगे। स्वितोलिना और मोनफिस ने कतेरीना सिनियाकोवा और हेनरी पैटन को 5-4 (6), 4-5 (3), 10-8 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई।

सिनियाकोवा और पैटन ने इससे पहले शीर्ष वरीय आर्यना सबालेंका और नोवाक जोकोविच की जोड़ी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। दूसरे सेमीफाइनल में मिर्रा आंद्रेयेवा और आंद्रे रूबलेव का सामना कैरोलिना मुचोवा और याकुब मेनसिक से होगा। आंद्रेयेवा और रूबलेव ने गत चैंपियन सारा इरानी और आंद्रेआ वावासोरी के अलावा डायना श्नाइडर और कैस्पर रूड को हराकर अंतिम चार में जगह बनाई है।

सिंधु और आयुष चाइना मास्टर्स में नजर नहीं आयेंगे

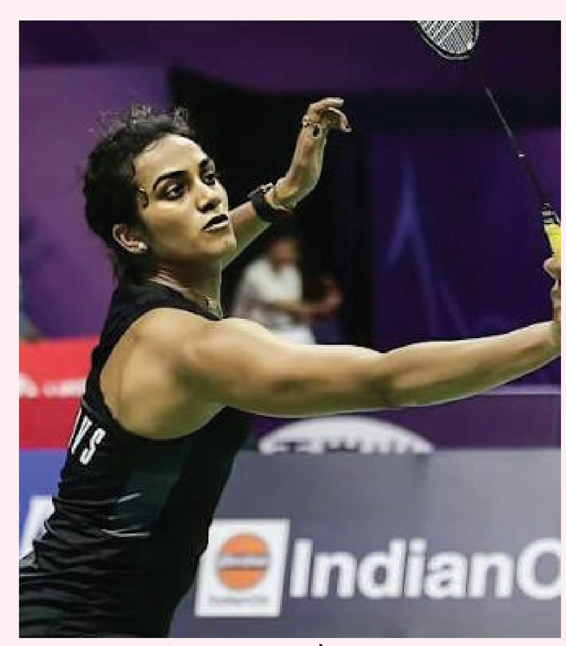

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु अगले माह की शुरुआत में होने वाले चाइना मास्टर्स सुपर 750 टूर्नामेंट में नजर नहीं आयेंगी। सिंधु के अलाव पुरुष एकल खिलाड़ी आयुष शेट्टी भी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। चाइना ओपन अगले माह 1 सितंबर से शुरू हो रहा है। एशियाई खेलों से पहले बीडब्लयएफ विश्व टूर का यह एकमात्र बड़ा इवेंट है, जिसका आकर्षण इन खिलाड़ियों के नहीं होने से कम होगा।

हाल में हुई विश्व चैंपियनशिप में आयुष ने शानदार प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने पहले ही दौर में दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी शी युकी को हैरानर कर दिया था। हालांकि, वह राउंड ऑफ 16 में इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से हार गए थे। वहीं सिंधु भी वर्ल्ड चैंपियनशिप में राउंड ऑफ 16 तक पहुंची थीं पर चीन की दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी वांग झी यी से उन्हें कड़े मुकाबले में हार झेलनी पड़ी थी। माना जा रहा है कि उस मैच से उन्हें जो थकान हुई है। उसी कारण वह चायना ओपन नहीं खेल रही है।

पुरुष एकल में आयुष के हटने के बाद अब लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत भारत की आर से उतरेंगे। लक्ष्य ने विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक प्रदर्शन किया था, जहां वह दूसरे दौर में अमेरिका के दुनिया के नंबर 92 खिलाड़ी गैरेट टैन से हारकर जल्दी बाहर हो गए थे। दूसरी ओर महिला एकल में मालविका बंसोद और आकर्षी कश्यप भी नहीं उतरेंगी। ऐसे में अब उन्नति हुड्डा, देविका सिहाग और तन्वी शर्मा भारत की ओर से पदक दावेदार रहेंगी।

पुरुष युगल में विश्व चैंपियनशिप में चोट के कारण ब्रेक के बाद वापसी करने वाले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। वे राउंड ऑफ 16 में अंततः चैंपियन बने चीन के लियांग वेइकेन्ग और वांग चांग से हार गए थे। उनके साथ हरिहरन अमासुकरन और अर्जुन एमआर भी भारतीय दल में शामिल हैं। महिला युगल में भारत की कोई जोड़ी नहीं होगी, क्योंकि भारत की ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया है। दूसरी ओर मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो के साथ-साथ रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी भारत की ओर से उतरेंगे।

क्रिकेट इतिहास में सबसे अधिक ओवर फेंकने वाले शीर्ष दो गेंदबाज है मुरलीधरन और कुंबले

एजेंसी, कोलंबो

श्रीलंका के महान स्पिनर मुथैया मुरलीधरन के नाम गेंदबाजी में कई रिकार्ड है। इन्हीं में एक सबसे अधिक ओवर फैंकने का रिकार्ड भी मुरलीधरन के नाम है। वहीं भारतीय टीम के दिग्गज स्पिनर रहे अनिल कुंबले का नाम दूसरे स्थान पर है। मुरलीधरन ने अपने 1992 से 2010 तक के करियर में कुल 133 टेस्ट मैचों में 7339.5 ओवर गेंदबाजी की। इन ओवरों में उन्होंने 800 टेस्ट विकेट लिए हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सर्वाधिक विकेट हैं, और उनका गेंदबाजी औसत 22.73 रहा। उनके ठीक बाद, भारत के कुंबले ने 1990 से 2008 के बीच 132 टेस्ट मैचों में 6808.2 ओवर फेंके। कुंबले ने अपने दमदार करियर में 619 विकेट हासिल किए और उनका औसत 29.65 रहा, जो उनकी निरंतरता को दर्शाता है। इस विशेष सूची में ऑस्ट्रेलिया के महान लेग स्पिनर शेन वॉर्न भी तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 1992 से 2007 तक 145 टेस्ट मैचों में 6784.1 ओवर डाले और 708 विकेट झटके। उनके बाद इंग्लैंड के तेज गेंदबाजी के दिग्गज जेम्स एंडरसन का नाम आता है, जिन्होंने 2003 से लेकर अब तक 188 टेस्ट मैचों में 6672.5 ओवर फेंके हैं। एंडरसन ने इस दौरान 704 विकेट लिए हैं। ऑस्ट्रेलिया के ऑफ स्पिनर नाथन लियोन भी इस सूची में अपनी जगह बनाए हुए हैं, जिन्होंने 2011 से अब तक 143 टेस्ट मैचों में 5853.1 ओवर फेंके हैं और 571 विकेट अपने नाम किए हैं। लियोन भी एंडरसन की तरह अभी तक टेस्ट क्रिकेट में सक्रिय हैं। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने अपने 167 टेस्ट मैचों के करियर (2007-2023) में 5616.2 ओवर फेंके और 604 विकेट लिए। वेस्टइंडीज के दिग्गज तेज गेंदबाज कोर्टनी वॉल्श ने भी 1984 से 2001 के बीच 132 टेस्ट मैचों में 5003.1 ओवर डालकर 519 विकेट लेकर अपनी छाप छोड़ी। ये सभी आंकड़े दर्शाते हैं कि टेस्ट क्रिकेट में लंबी अवधि तक सफल रहने के लिए न केवल कौशल बल्कि अविश्वसनीय शारीरिक और मानसिक दृढ़ता की आवश्यकता होती है।

पढ़ाई के साथ-साथ रोज़गार

शॉर्ट टर्म कोर्स

रेगुलर कॉलेजों में पढ़ाई के साथ-साथ रोज़गारपरक स्किल सिखाने के लिए तरह-तरह के शॉर्ट टर्म कोर्स हैं। इनमें कोई समाज कार्य से जुड़ा है तो कोई स्वास्थ्य और खेल के क्रियाकलापों से। कोई शैक्षिक गतिविधियों में महत्त्वपूर्ण कड़ी साबित होने की ट्रेनिंग देता है तो कोई समाज में भूले-भटके और दिशाहीन लोगों को राह दिखाने की। तीन माह की अवधि वाले ये सर्टिफिकेट कोर्स थ्योरी और प्रैक्टिकल, दोनों से लैस हैं।

ट्रैवल एंड टूरिज़्म

इसमें छात्रों को टूरिज़्म को प्रमोट करने की गतिविधियों में भाग लेने की ट्रेनिंग दी जाती है। मसलन टूरिस्टों के लिए टिकटिंग की व्यवस्था हो या उन्हें दर्शनीय स्थलों पर ले जाने में गाइड करने की, उन्हें ऐतिहासिक स्थलों की जानकारी देने का सवाल हो या वहां की खासियत बताने का, ये सब चीज़ें इस कोर्स का हिस्सा हैं।

काउंसलिंग एंड गाइडेंस

यह कोर्स छात्रों को करियर की राह में मार्गदर्शक बनने की ट्रेनिंग देता है। शिक्षा का क्षेत्र हो या खेलकूद, मनोविज्ञान का मामला हो या वोकेशनल ट्रेनिंग का, आज हर जगह काउंसलिंग की ज़रूरत पड़ रही है। इसमें छात्रों को एक दक्ष परामर्शदाता बनने का हुनर सिखाया जाता है। यूजीसी ने 11वें प्लान में विभिन्न शिक्षण संस्थानों में करियर एंड काउंसलिंग सेंटर खोलने की योजना तैयार की है। इस तरह के सेंटर पर काउंसिलिंग के लिए ऐसे युवाओं की ज़रूरत रहेगी।

वोलंटियर मैनेजमेंट

यह कोर्स सामाजिक कार्यो में बढ़-चढ़ कर भाग लेने वाले वोलंटियर्स को तैयार करता है। आज देश से लेकर विदेश तक तरह-तरह की संस्थाएं चल रही हैं। उन्हें अपने कार्यो को सही तरीके से अंजाम देने के लिए फील्ड में काफी संख्या में वोलंटियर्स की ज़रूरत पड़ती है। इसके लिए उन्हें ऐसे युवाओं की आवश्यकता होती है, जो इस कार्य में दक्ष हों। वोलंटियर मैनेजमेंट ऐसे ही छात्रों को तैयार करता है। वोलंटियर क्या है। उसका रोल क्या है। अपने कार्यो को किस ढंग से अंजाम तक पहुंचाना है, ये चीज़ें इस कोर्स में बताई जाती हैं।

स्पोर्ट्स एंड मेडिसिन

यह कोर्स स्पोर्ट्स मेडिसिन के बारे में छात्रों को जागरूक करता है। खेलकूद के दौरान फिज़ियोथेरेपिस्ट के साथ कैसे मददगार बनें, इसकी ट्रेनिंग इस कोर्स के तहत दी जाती है। विभाग के शिक्षक डॉ. राजेश ने बताया कि पैरामेडिकल वर्कर के रूप में काम करने के लिए यह कोर्स युवाओं को तैयार करता है। इसमें छात्र डॉक्टर नहीं, बल्कि उसके हेल्पर के रूप में काम करते हैं। चाहे वह कॉमनवेल्थ गेम हो या कोई और नेशनल गेम, ऐसे वर्करों की सदा ज़रूरत पड़ती है।

स्पोर्ट्स एंड साइंस जर्नलिज़्म

यह कोर्स पत्रकारिता के अंतर्गत स्पेशलाइज्ड यानी किसी विशेष क्षेत्र में जाने की आधारभूत ट्रेनिंग देता है। छात्रों को इस क्षेत्र में कैसे काम करना है, कैसे अपनी पहचान बनानी है और इसके लिए क्या-क्या तरकीबें अपनानी हैं, इसकी जानकारी प्रदान करता है।

दाखिले की प्रक्रिया

कोर्स में आवेदन 12वीं पास कोई भी छात्र कर सकता है। आवेदन के बाद छात्रों का साक्षात्कार लिया जाता है। इसके बाद मेरिट लिस्ट तैयार होती है। मेरिट लिस्ट में 80 प्रतिशत एकेडमिक प्रदर्शन और 20 प्रतिशत साक्षात्कार का होता है। इसके बाद तय सीटों के मुताबिक लिस्ट तैयार की जाती है।

सेवा और समर्पण का पेशा नर्सिंग

नर्सिंग स्वास्थ्य सेवा से जुड़ा ऐसा पेशा है, जिसमें व्यक्तियों, परिवारों या यूं कहें कि समुदायों की स्वास्थ्य संबंधी देखरेख की जाती है, ताकि जब तक जीवन है, उसे भरपूर जिया जा सके। न केवल किसी भी अस्पताल की, बल्कि समाज की अनिवार्यता है नर्सिंग। सेवा जब शीर्ष पर पहुंचती है तो नर्सिंग का रूप ले लेती है। वैसे भी नर्स होना समर्पण की एक गाथा है, जिसमें जीवन का संगीत बजता है।

पढ़ाई व पात्रता

भारत में कई नर्सिंग स्कूल हैं, जो डिप्लोमा, डिग्री और पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स करा रहे हैं। इनके अलावा, मिडवाइफरी कोर्स भी चलाए जाते हैं।

बीएससी नर्सिंग

पात्रता – जीव विज्ञान, भौतिकी व रसायन विज्ञान के साथ 12वीं उत्तीर्ण, कोर्स अवधि – 3 से 4 वर्ष इसमें दाखिला लेने वालों को नर्सिंग, प्राथमिक उपचार और मिडवाइफरी के बारे में मूलभूत जानकारी दी जाती है। इन्हें सैद्धांतिक के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

एमएससी नर्सिंग

पात्रता – बीएससी नर्सिंग, कोर्स अवधि – 2 वर्ष
जनरल नर्सिंग एंड मिडवाइफरी (जीएनएम)
पात्रता – जीव विज्ञान, भौतिकी व रसायन विज्ञान के साथ 12वीं उत्तीर्ण, कोर्स अवधि – 3 1/2 वर्ष
इस प्रोग्राम को करने वाली नर्से हेल्थ टीम की सदस्य के रूप में काम करती हैं और अस्पतालों व ऐसे स्थानों पर महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

सहायक नर्स मिडवाइफ/ हेल्थ वर्कर (एएनएम)

पात्रता – 10वीं उत्तीर्ण, कोर्स अवधि – 18 महीने
एएनएम कोर्स में इस बात का प्रशिक्षण दिया जाता है कि ग्रामीण इलाकों के मरीजों खासतौर पर बच्चों, महिलाओं व बूढ़ों की देखभाल कैसे करनी है।

कैसा है यह प्रोफेशन

नर्सिंग का अधिकार एक सामाजिक अनुबंध के तहत मिलता है, जो पेशेवर अधिकारों व उत्तरदायित्वों का वर्णन करता है। लगभग सभी देशों में नर्सिंग प्रैक्टिस कानून से परिभाषित और नियंत्रित होती है और इस पेशे में शामिल होने को राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर रेगुलेट किया जाता है। नर्सिंग समुदाय का मुख्य उद्देश्य तो यही है कि सबको उच्च कोटि की देखरेख मिले और इसके साथ ही सभी मानकों, दक्षताओं व इनसे जुड़ी आचार संहिता इत्यादि का पालन हो सके। एक प्रोफेशनल नर्स बनने के लिए शिक्षा के कई रास्ते हैं, लेकिन सबको नर्सिंग सिद्धांत और व्यवहार पढ़ना पड़ता है तथा क्लिनिकल स्किल्स में प्रशिक्षण लेना ही पड़ता है। नर्स हर उस व्यक्ति की देखरेख करती है, जिसे इसकी जरूरत है, चाहे वह किसी भी उम्र और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का क्यों न हो। इस प्रोफेशन में शारीरिक विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, नर्सिंग सिद्धांत और प्रौद्योगिकी का समावेश होता है।

काम का माहौल

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी आज प्रशिक्षित नर्सों की कमी है। इस कमी की एक वजह यह बताई जाती है कि जिस वातावरण या माहौल में नर्सें काम करती हैं, वह ठीक नहीं है। हाल के एक समीक्षा पत्र में यह दर्शाया गया है कि नर्सों के काम करने की स्थितियां अच्छी नहीं हैं। पत्र कहता है कि समग्र रूप से नर्सिंग के काम में काफी अधिक काम इनके जिम्मे है, क्योंकि नर्सों की कमी है। एक नर्स को कई मरीजों को देखना पड़ता है और कई काम करने पड़ते हैं। इसके साथ समुचित रोशनी नहीं होती, डॉक्टरों की लिखावट पढ़ने में समस्या आती है। काम के घंटे काफी लंबे होते हैं। इन सबके बावजूद नर्सों को मरीजों की देखभाल का जिम्मा उठाना पड़ता है और वे उठा रही हैं। इस पेशे की पवित्रता तो इसी से बनती है कि हर हाल में बीमार की केयर करनी है और जिनमें सेवा भाव का अतिरेक है, वे बिना किसी शिकायत इसे करती हैं और कर रही हैं। अस्पताल या नर्सिंग होम भी आज अच्छे बनने लगे हैं। सुविधाएं भी बढ़ रही हैं।

नौकरी के अवसर एवं करियर विकल्प

नर्सिंग से संबंधित इन पाठ्यक्रमों को करने के बाद निम्नलिखित जगहों पर नौकरी मिल सकती है – अस्पताल, नर्सिंग होम, क्लिनिक एवं स्वास्थ्य विभाग, अनाथालय एवं वृद्धाश्रम, सेना, स्कू, इंडस्ट्रियल हाउसेज एवं फैक्ट्रीज, रेलवे एवं सार्वजनिक क्षेत्र के मेडिकल विभाग

प्रशिक्षण संस्थान

हॉस्पिटल नर्सिंग

आज सबसे अधिक नर्सें अस्पतालों में ही काम करती हैं। इन्हें किसी भी क्षेत्र विशेष में कार्य करना पड़ता है जैसे सजर्री, मेटरनिटी, इन्टेंसिव केयर, पेडिएट्रिक्स, रिहेबिलिटेशन इत्यादि।

पब्लिक हेल्थ नर्सिंग

इसके तहत नर्सें किसी भी सरकारी या निजी क्लिनिकों में, शहरी व ग्रामीण इलाकों के स्वास्थ्य विभागों में काम करती हैं और स्थानीय आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराती हैं। ये व्यक्तियों, परिवारों व अन्य समूहों को स्वास्थ्य शिक्षा, रोगों की रोकथाम, पोषण और शिशु की देखभाल संबंधी निर्देश देती हैं।

मिलिटरी नर्सिंग

सेना के जवानों को चिकित्सा सेवा प्रदान करती हैं।

शिक्षा

इसमें नर्सिंग के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करना होता है।

इंडस्ट्रियल नर्सिंग/ ऑक्यूपेशनल हेल्थ नर्सिंग

ये औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े चिकित्सकों के साथ काम करती हैं और कामगारों को उनकी सुरक्षा के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य की भी देखरेख करती हैं। किसी दुर्घटना के समय इनकी बहुत जरूरत होती है।

साइकिएट्रिक नर्सिंग

ऐसी नर्सिंग में मानसिक रूप से बीमार लोगों की देखभाल करनी होती है। इस काम में काफी धैर्य व समर्पण की जरूरत होती है। इसमें मनोचिकित्सकों व अन्य विशेषज्ञों के साथ काम करना होता है।

पेडिएट्रिक नर्सिंग

यह बीमार बच्चों की मां की तरह देखभाल का क्षेत्र है।

ऑर्थोपेडिक नर्सिंग

इसमें फिजियोथेरेपी और पुनर्वास संबंधी कार्य करने होते हैं।

वेतन

नर्सों का वेतन उनके सीनियर होने के साथ-साथ बढ़ता जाता है। सरकारी अस्पतालों में काम करने वाली नर्सो को 35,000 रुपये मासिक वेतन मिलता है, जबकि निजी अस्पतालों या नर्सिंग होम्स में काम करने वाली नर्सों को 10,000 से 12,000 रुपये मासिक वेतन मिलता है। मिडवाइफ को 4,000 रुपये मिलते हैं और हेल्थ वर्कर्स को 1,000 रुपये से लेकर 2,000 रुपये प्रतिमाह मिलते हैं।

कंप्यूटर ग्राफिक्स का है ज़माना

आज हर घर में अपनी जगह बना चुका कंप्यूटर शायद इतना उपयोगी और लोकप्रिय नहीं हो पाता यदि कंप्यूटर ग्राफिक्स की दुनिया में इतने सारे नए प्रयोग देखने को नहीं मिले होते। यह टॉपिक कंप्यूटर कोर्सेज का भी एक अहम हिस्सा होता है और करियर के लिहाज़ से भी यह हॉट च्वॉइस रहता है। एक से बढ़ कर एक कंप्यूटर गेम्स के रोमांच का मज़ा लेने से लेकर कंप्यूटर पर एनिमेटेड मूवीज़ का लुत्फ उठाना इतना मज़ेदार और आसान नहीं होता यदि ग्राफिक्स में दिन प्रतिदिन नई हलचलें नहीं मचती। आजकल सभी सॉफ्टवेयर जीयूआई आधारित होते हैं जिस कारण इन्हें उपयोग करना काफी आसान हो जाता है। इंटरफेस के रूप में यहां मेन्यू, आइकॉन आदि का उपयोग किया जाता है, जो काफी सुविधाजनक और फास्ट होता है। वास्तव में यह सब ग्राफिक्स का ही तो खेल होता है। कंप्यूटर के द्वारा बनाए जाने वाले ग्राफिक्स कंप्यूटर ग्राफिक्स कहलाते हैं। इसे इस प्रकार से भी कहा जा सकता है कि कंप्यूटर द्वारा इमेज डाटा को जब रिप्रजेंट और मैनिपुलेट किया जाए तो उसे ग्राफिक्स कहते हैं। एनिमेशन, मूवीज़, गेम्स इंडस्ट्रीज़ आदि में इसका खूब प्रभाव पड़ा है। कंप्यूटर द्वारा जब डाटा का पिक्टोरियल रिप्रेजंटेशन और मैनिपुलेशन किया जाता है तो उसे हम ग्राफिक्स कह सकते हैं। कंप्यूटर ग्राफिक्स कंप्यूटर साइंस का एक फील्ड है, जिसके अंतर्गत हम विजुअल कंटेंट को मेनिपुलेट और डिजिटली सिनथेसाइजिंग करने के विधि के बारे में पढ़ते हैं। एनिमेशन भी कंप्यूटर ग्राफिक्स के अंतर्गत ही आता है। एनिमेशन वास्तव में कंप्यूटर की सहायता से मूविंग इमेज (चलती-फिरती पिक्चर) बनाने की कला है। आपको राज़ की बात बताते हैं कि जब भी आप ऐसे एनिमेटिड इमेज देखें तो यह मत सोचिए कि वास्तव में यह चलती फिरती इमेज है। दरअसल होता यह है कि जब स्क्रीन पर कोई इमेज दिखती है तो बहुत जल्द उसी तरह की दूसरी इमेज पहले वाले इमेज को रिप्लेस करती रहती है। यह प्रक्रिया इतनी तेज़ी से होती है कि हम समझ बैठते हैं कि इमेज मूवमेंट कर रही है, जबकि वास्तव में एक इमेज दूसरे इमेज को इसके थोड़े आगे-आगे रिप्लेस करती रहती है।

एप्लीकेशन एरिया

एजुकेशन, साइमुलेशन, ग्राफ रिप्रेजंटेशन, इंजीनियरिंग, मेडिसिन, इंडस्ट्री, आर्ट, एंटरटेनमेंट आदि सभी क्षेत्रों में कंप्यूटर ग्राफिक्स का बोलबाला है। कंप्यूटर-एडेड डिज़ाइन द्वारा इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर में ग्राफिक्स का खुब इस्तेमाल किया जाता है। फाइन आर्ट, कमर्शियल आर्ट एप्लीकेशंस में भी इसका उपयोग किया जाता है। टेलीविज़न शोज़, म्यूज़िक वीडियो, मोशन पिक्चर्स आदि में भी ग्राफिक्स का ही कमला रहता है।

ग्राफिक्स सॉफ्टवेयर

ग्राफिक्स के लिए उपलब्ध सॉफ्टवेयर को आमतौर पर दो भागों में रखा जाता है-जनरल प्रोग्रामिंग पैकेज और स्पेशल परपज एप्लीकेशंस पैकेज। जनरल प्रोग्रामिंग पैकेज सॉफ्टवेयर में कई ग्राफिक्स फंक्शंस होते हैं, जो हाई-लेवल प्रोग्रामिंग लैंग्वेजों में उपयोग किए जाते हैं। इन फंक्शंस द्वारा पिक्चर कंपोनेंट्स डिज़ाइन किए जाते हैं। स्पेशल एप्लीकेशंस पैकेज आमतौर पर उनके लिए हैं, जो कंप्यूटर एक्सपर्ट तो नहीं होते, फिर भी डिस्प्ले जेनरेट कर सकते हैं।

सुरभि चंदना ने तेजस्वी प्रकाश के साथ अपने रिश्ते को लेकर खुलकर बात की

टीवी की दुनिया में सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश दोनों ही जाना-पहचाना नाम हैं। दोनों अभिनेत्रियों के बीच कुछ समय पहले एक विवाद की खबरों ने खूब ध्यान खींचा था। अब सुरभि ने पहली बार इस पुराने मतभेद और तेजस्वी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ खुलकर बातें की। अभिनेत्री ने बताया कि हमारी दोस्ती काफी पुरानी है। इंडस्ट्री में रिश्तों में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक है, लेकिन जरूरी यह है कि लोग बात करके चीजों को सुलझाएं और आगे बढ़ें। इंडस्ट्री में कलाकारों के एक-दूसरे को सपोर्ट करने की जरूरत पर बात करते हुए सुरभि ने कहा, इंडस्ट्री के लोग अक्सर अच्छे माहौल, स्वस्थ कामकाज और वर्क एथिक्स की बात करते हैं। इन बातों को सिर्फ कहने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि कलाकारों को वास्तव में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए और एक-दूसरे की उपलब्धियों की सराहना भी करनी चाहिए। सुरभि ने कहा, काम के दौरान रिश्तों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कलाकारों के बीच किसी बात को लेकर गलतफहमी या मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उसे लंबे समय तक बनाए रखना सही नहीं है। सुरभि ने कहा, तेजस्वी के साथ मेरा रिश्ता अब भी बना हुआ है।

अल्का आहूजा के व्यक्तित्व ने मुझे काफी प्रभावित किया

अभिनेत्री अमृता बागची ने हालिया रिलीज सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' में स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा की पत्नी अलका आहूजा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि अलका आहूजा के किरदार ने उन्हें काफी प्रभावित किया था, जिस वजह से वह सीरीज का हिस्सा बनीं। अभिनेत्री ने आईएएनएस से बातचीत में बताया कि अलका आहूजा के व्यक्तित्व ने उन्हें काफी प्रभावित किया, जिसे वह अपने जीवन में लाना चाहती हैं। अभिनेत्री ने बताया, 'अलका आहूजा में एक बहादुर महिला के गुण तो हैं ही लेकिन जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित किया, वह थी उनकी सकारात्मकता और सहजता। इतनी मुश्किल घड़ियों से गुजरने के बाद भी उनके मन में न तो कड़वाहट है और न ही कभी उनका भरोसा टूटा। उन्होंने बहुत सहजता से अपनी जिंदगी जी है।' सीरीज में दिखाया गया है कि अलका आहूजा अपने पति स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा का रिश्ता दोस्ती और बराबरी का था। अपने किरदार की तैयारी और पति स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा के साथ तालमेल बनाने के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'अलका आहूजा और स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा के रिश्ते को दो तरह के होते हैं। एक तो इस तरह से कि अलका जी और अजय जी के बीच कैसा तालमेल था और वे रोज़मर्रा की ज़िंदगी में एक-दूसरे के साथ कैसे काम करते थे। दूसरी बात, मैंने डायरेक्टर ओनी सेन, क्रिएटर अभिजीत परमार और कुशल श्रीवास्तव से बात की। कुशल कारगिल के समय इंडियन एयरफोर्स में थे। जब मैंने उनसे बात की, तो उन्होंने बताया कि कैसे ओनी, एक डायरेक्टर के तौर पर, परफॉर्मेंस के वॉल्यूम और टोनैलिटी को बहुत अच्छे से गाइड करते हैं।' अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने अलका आहूजा के साथ भी मुलाकात की थी, जिसमें उन्हें किरदार के बुनियाद के बारे में समझने को मिला। उन्होंने कहा, 'अलका जी से मिलने के बाद, मुझे बुनियादी समझ मिली कि दोनों किरदारों के बीच एक बराबरी का मजबूत आधार होना चाहिए। उसके बाद सिद्धार्थ के साथ टेबल रीडिंग और सीन बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई।' अभिनेत्री अलका आहूजा ने अभिनेता सिद्धार्थ के स्वभाव की जमकर सराहना की। उन्होंने बताया कि सिद्धार्थ स्वभाव से ही बराबरी में विश्वास रखने वाले इंसान हैं। साथ ही, बहुत ही मिलनसार और उदार को-एक्टर हैं। उन्होंने कहा, ' जब हमने एक-दूसरे से बात की, तो हमें एहसास हुआ कि हमारी सोच मिलती है। साथ मिलकर काम करने का तरीका बहुत अच्छा रहा और इसीलिए यह कैमरे पर इतनी सहजता से दिखाई दिया।

अंधेरी से कोलाबा का सफर नहीं करना चाहतीं अपूर्वा

हमेशा अपने बयानों और सोशल मीडिया एक्टिविटी से सुर्खियों में रहने वाली मशहूर सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर अपूर्वा मखीजा (रेबिल किड) ने पुष्टि कि है की वे न्यूयॉर्क शिफ्ट हो गई हैं। अपूर्वा का मानना है कि न्यूयॉर्क में जाने के बाद उन्हें अलग एहसास हुआ और फिर उन्होंने इसी शहर में बसने का फैसला लिया। अपूर्वा ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है। दरअसल, अपूर्वा हाल ही में एक पॉडकास्ट में गई थीं, जिसका लिंक उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर शेयर करते हुए लिखा, 'अब मैं इंडिया में नहीं रहती।' पॉडकास्ट में अपूर्वा ने बताया कि वे भारत में रहकर अपनी जिंदगी बनाने के बारे में नहीं सोच रही हैं। अपूर्वा ने ये भी कहा कि वे पूरी जिंदगी कंटेंट क्रिएटर नहीं बनना चाहतीं। उन्हें लगता है कि ये काम हमेशा नहीं किया जा सकता और वे अब बिजनेस में जाना चाहती हैं। अपूर्वा ने अपनी कॉलेज लाइफ के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि उनका कॉलेज वाला समय सही से नहीं बीता। पहले 2 साल लॉकडाउन में निकल गए और बाकी के 2 साल वे रिलेशनशिप में थीं। अपूर्वा ने कहा कि कॉलेज में वे बस अपने तब के बॉयफ्रेंड का हाथ पकड़कर घूमती थीं। भारत में रहने को लेकर अपूर्वा का कहना है कि वे अभी तक इस देश के सबसे अच्छे शहर में रह रही थीं, लेकिन वे आगे कि जिंदगी अंधेरी से कोलाबा आना-जाना करते हुए नहीं बिताना चाहतीं। पॉडकास्ट में उन्होंने न्यूयॉर्क शिफ्ट होने का फैसला भी बताया। उन्होंने कहा कि भले ही उन्होंने बहुत जगह घूमी है, लेकिन न्यूयॉर्क में आकर उन्हें वहां रहने का मन हुआ।

अपूर्वा ने कहा, 'मैंने काफी ट्रैवल किया है और जब मैं न्यूयॉर्क पहुंची तो मुझे लगा, 'मैं सच में यहां रहना चाहती हूं, इस शहर में कुछ अलग बात है। यहां सब बहुत तेज है, लोग बहुत अच्छे कपड़े पहनते हैं और खाना भी बढ़िया है। मुझे यहां की बिल्डिंग्स बहुत पसंद हैं और मैंने न्यूयॉर्क को अपनी पसंदीदा वेब सीरीज में लगभग हर जगह देखा है।' अपूर्वा ने ये भी बताया कि वो न्यूयॉर्क में पढ़ाई करने को लेकर इतनी पक्की थीं कि उन्होंने शहर में सिर्फ एक ही कॉलेज में अप्लाई किया। उन्होंने कहा, 'मैंने सोचा था 'अगर एडमिशन मिल गया तो मिल गया और मैं चली जाऊंगी।'' हालांकि अपूर्वा ने पहले भी कई पॉडकास्ट में न्यूयॉर्क शहर में जाने और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में ज्यादा समय तक न टिकने की बात की है। अपूर्वा का कहना है कि वे आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाएंगी और अभी वे फैशन या मैनेजमेंट में मास्टर्स की तैयारी कर रही हैं।

सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं कियारा और सैफ अली खान

कियारा और सैफ अली खान दोनों एक्टर्स इन दिनों अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं। अब खबरें सामने आ रही हैं कि दोनों एक इंटेंस थ्रिलर फिल्म में स्क्रीन शेयर कर सकते हैं।

खास बात यह है कि इस फिल्म से राइटर-प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लों बतौर डायरेक्टर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। पिंकविला की रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस अनटाइटल्ड फिल्म को एक्सेल एंटरटेनमेंट्स प्रोड्यूस कर सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म अभी डेवलपमेंट स्टेज में है। इसकी स्क्रिप्ट को खास तौर पर सैफ अली खान और कियारा आडवाणी को ध्यान में रखकर लिखा जा रहा है। मेकर्स इस फिल्म की शूटिंग इसी साल के आखिर तक शुरू करने की तैयारी में हैं। प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने पोर्टल को बताया, 'सैफ और कियारा कनिका की अगली फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। यह सुपरनैचुरल एलिमेंट वाली एक इंटेंस थ्रिलर है और इसकी स्क्रिप्ट दोनों एक्टर्स को ध्यान में रखकर तैयार की जा रही है। कनिका, एक्सेल एंटरटेनमेंट्स और राइटिंग टीम काफी समय से इस कहानी पर काम कर रही है और अब मेकर्स इसे आगे बढ़ाना चाहते हैं।' फिलहाल फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। स्क्रिप्ट पूरी तरह तैयार होने के बाद मेकर्स फिल्म से जुड़ी और जानकारी शेयर कर सकते हैं।

कियारा आडवाणी की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म 'टॉक्सिक' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में यश डबल रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में नयनतारा, हुमा कुरेशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत भी अहम भूमिकाओं में हैं। 'टॉक्सिक' दुनियाभर में 26 अगस्त 2026 को रिलीज होने वाली है। वहीं सैफ अली खान अगली बार फिल्म 'हैवान' में नजर आएंगे। यह एक क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिसे प्रियदर्शन ने लिखा और डायरेक्ट किया है। 'हैवान' में सैफ अली खान के साथ अक्षय कुमार, बोमन ईरानी, श्रिया पिलगांवकर और सैयामी खेर भी नजर आएंगे। फिल्म 11 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मुझे जिंदगी में किसी चीज का पछतावा नहीं

देश के जाने-माने फिल्मी परिवार में जन्मीं अक्षरा हासन ने अपने पापा कमल हासन, मम्मी सारिका और बड़ी बहन श्रुति हासन के नक्शेकदम पर चलते हुए एक्टिंग को करियर चुना। हालांकि, उनका कहना है कि उन्हें सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला के कई फॉर्म जैसे डांस, लेखन, निर्देशन आदि से प्यार है। उनके लिए यह सिर्फ एक्टिंग तक सीमित नहीं है। बीते दिनों अपनी फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' को लेकर चर्चा में रहीं अक्षरा ने जब हमने पूछा कि क्या परिवार में पापा, मम्मी, दीदी सभी के एक्टिंग में होने के चलते उनका भी रुझान फिल्मों की ओर हुआ? इस पर उन्होंने कहा, 'बेशक मेरे कला की ओर झुकाव का श्रेय मेरे पैरेंट्स को जाता है, क्योंकि उन्होंने मुझे अलग-अलग आर्ट फॉर्म को एक्सप्लोर करने की आजादी दी, लेकिन जहां तक एक्टिंग की बात है, वह कोई एक चीज नहीं है, जिससे मुझे प्यार हुआ।'

एक्टिंग ही नहीं, कई आर्ट फॉर्म से प्यार

मुझे कई आर्ट फॉर्म से प्यार है। जैसे, सबसे पहला तो डांस है। फिर राइटिंग, उसके बाद एक्टिंग से प्यार हुआ। अभी डायरेक्शन है तो मुझे सिर्फ एक्टिंग नहीं, कला को कई रूपों से प्यार है। ऐसा नहीं है कि मम्मी-पापा एक्टर थे, तो मैं भी एक्टर बन गई। अभी तो मेरा ज्यादा फोकस डायरेक्शन की ओर है। मैं कुछ डायरेक्ट जरूर करूंगी।'

मौके मिले, पर मुश्किलें भी खूब रहीं

अक्षरा ने साल 2015 में अमिताभ बच्चन और धनुष जैसे सितारों के साथ फिल्म 'शमिताभ' से जोरशोर से अपना एक्टिंग डेब्यू किया था, लेकिन आज 11 साल बाद भी उनका करियर वो परवाज नहीं पा सका। उनके खाते में गिनती की यादगार फिल्में हैं? इसकी वजह पूछने पर वह कहती हैं, 'मुझे मौके मिले लेकिन उसमें मुश्किलें भी खूब रहीं। जो भी फिल्में मुझे मिलीं, उसमें कोई न कोई चीज वर्क नहीं की, इसलिए उसका प्रभाव भी नहीं हुआ। मेरे साथ ज्यादातर यही हुआ। इसीलिए, मैंने खुद को एक्टिंग तक सीमित नहीं रखा, लेखन-निर्देशन जैसी दूसरी विधाओं की ओर मुड़ गई।'

किसी फैसले का पछतावा नहीं

अक्षरा को उनकी पहली फिल्म जाने-माने निर्देशक मणिरत्नम ने ऑफर की थी, जिसे उन्होंने मना कर दिया था। क्या कभी अक्षरा को अपने इस फैसले पर पछतावा होता है? इस पर उनका कहना है, 'मुझे कोई पछतावा नहीं है, क्योंकि हर चीज का एक वक्त होता है। मणिरत्नम सर की फिल्म का जब ऑफर आया था, उस वक्त मेरा फोकस डांस में था और जब मैंने उन्हें अपने दिल की बात बताई तो उन्होंने उसका सम्मान किया और कभी भी मुझे अपराध बोध महसूस नहीं कराया। इसलिए, मुझे उसका कोई अफसोस नहीं है, क्योंकि शायद तब उसका सही समय नहीं था।'

यीन-ऐंग जैसा है दीदी संग रिश्ता

अक्षरा ने हमें अपने पैरंट्स कमल हासन-सारिका और दीदी श्रुति हासन संग बॉन्डिंग के बारे में भी कई बातें बताईं। उन्होंने बताया, 'पापा ने हमेशा यही सिखाया है कि विनम्रता, ईमानदारी और कड़ी मेहनत कामयाबी के तीन मूल मंत्र हैं। इसके अलावा, इंडस्ट्री में किसी चीज को लेकर बहुत जिद्दी नहीं होना चाहिए, हर चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए और अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए। ये गुण हमेशा काम करते हैं। यही खूबियां मैंने 'शमिताभ' में काम करते हुए बिग बी में भी देखी थीं।' वहीं, दीदी श्रुति हासन संग रिश्ते पर वह बताती हैं, 'हम बहनें हैं, हम एक दूसरे को लेकर बेहद प्रोटेक्टिव हैं। हम दोस्त भी हैं। हम यीन एंड ऐंग हैं, मतलब हमारा नेचर एक-दूसरे से बिल्कुल अलग है, लेकिन हम एक-दूसरे के बिना रह भी नहीं सकते। यही चीज हमारे बॉन्ड और मजबूत बनाती है।'

कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी

अक्षरा की फिल्म 'सिम्यूलाक्रा' यादों को सहेजने और मिटाने जैसे यूनिक विषय पर है। ऐसे में, 'असल जिंदगी में वह कौन सी यादें मिटाना चाहेंगी? और किसे रखना चाहेंगी? यह पूछने पर वह कहती हैं, 'मैं अपनी सारी यादें और अनुभव अपने पास रखूंगी, क्योंकि उसी ने मुझे वह इंसान बनाया है जो मैं आज हूं तो मैं कोई याद मिटाना नहीं चाहूंगी। हर चीज रखना चाहूंगी। कुछ भी डिलीट नहीं करना चाहूंगी क्योंकि मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है।'